CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 03-08-2026 23:07 Color:

नई दिल्ली > **सोमवार, 9 मार्च 2026** > फाल्गुन 18 शक संवत 1947 चैत्र कृष्ण षष्ठी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 57 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित
*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर या subscribe.timesofindia.com पर

NBT वुमन बाइक रैली में क्या बोली दिल्ली की सीएम...

▶ देखें अंदर

राष्ट्रपति के अपमान पर केंद्र सख्त, PM बरसे

▶ देखें अंदर

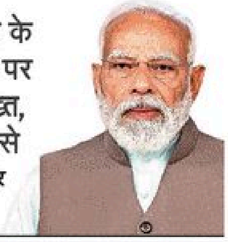

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 03-08-2026 23:26 Color:

रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली

जोश, जज़्बा, जुनून... रैली में दिखे कई रंग

आत्मविश्वास और उत्साह से लबरेज पारंपरिक वेशभूषा में सड़कों पर उतरीं सैकड़ों बाइकरनियां

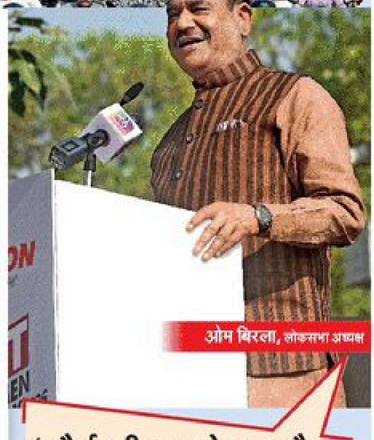

ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष

Photos: Sunil Kataria, Tarun Rawat, Surender Kumar

'भारत अब नारी शक्ति के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा'

आज दिल्ली सहित पूरे देश की सभी बहनों को शुभकामनाएं देने के लिए यहां है। मैं एनबीटी की पूरी टीम को बधाई देना चाहूंगी, जिन्होंने हर साल इस बाइक रैली को एक इवेंट की तरह नहीं बल्कि नारी शक्ति की बुलंद आवाज बनाकर पेश किया है। मैं आज सीएम होने के नाते नहीं, महिला होने के नाते एनबीटी को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं, आज कनॉट प्लेस की इन गलियों और सड़कों पर जो गूंज है वो सिर्फ बाइक रैली की नहीं है, यह भारत की बदलती हुई तस्वीर है कि अब भारत इस नारी शक्ति के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। भारत हर फील्ड में, हर सेक्टर में, महिलाओं को मौका दे रहा है। आज स्टार्ट-अप से लेकर के स्पेस तक, टेक्नॉलजी से लेकर के हर एक उस डोमेन तक, जहां पहले पुरुषों का एकाधिकार माना जाता था, आज महिलाएं झंडे गाड़ रही हैं। आज रैली में भाग ले रही मेरी सभी बहनों, यहां उपस्थित मेरी सांसद बहनें, बहन कमलजीत, बांसुरी, प्रियंका, स्वाति... आप सभी को मेरी ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई और सभी को शुभकामनाएं।

'शौर्य-वीरता से भरा है महिलाओं का इतिहास'

आज एनबीटी की ओर से बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है, भारत की महिलाओं के शौर्य, स्वाभिमान, आत्मविश्वास की यहां झलक मिल रही है। भारत में महिलाओं की विरासत शौर्य और वीरता से भरी हुई है और आज देश के अलग-अलग क्षेत्रों के अंदर भी महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश के नव निर्माण की बात हो या फिर वर्तमान में अलग-अलग क्षेत्रों के अंदर सशक्त नेतृत्व की बात हो, कहीं भी भारत की महिलाएं पीछे नहीं हैं। मैं आज सबको शुभकामनाएं देता हूं। खासकर नवभारत टाइम्स को, जो हमेशा सामाजिक कार्य करते रहते हैं और उन्होंने आज बाइक रैली के जरिए महिलाओं के आत्मविश्वास का संदेश दिया है, इसके लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज इस राज्य की मुख्यमंत्री भी महिला (रेखा गुप्ता) हैं, जिनके नेतृत्व में दिल्ली नए विकास की ओर बढ़ रहा है और हमारी महिला सांसद सशक्त नेतृत्व दे रही हैं। आपकी आवाज को आपकी समस्या, आपकी कठिनाई, आपकी चुनौतियों को संसद में उठाती हैं, उनको भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कनॉट प्लेस में सुबह से ही दिखा महिलाओं का जबरदस्त उत्साह

ट्रेडिशनल आउटफिट और पावरफुल बाइक्स, स्टाइल और स्ट्रेंथ का दिखा अनोखा कॉम्बो

दिल्ली पुलिस, SSB और CISF की महिला राइडर्स ने भी बढ़ाया रैली का जोश

15 km लंबी रैली में सैकड़ों महिलाओं ने साहस और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया

विकसित भारत का संकल्प मातृ शक्ति मिलकर सिद्ध करेंगी

बांसुरी स्वराज, सांसद, नई दिल्ली

एनबीटी का बहुत बहुत धन्यवाद। आप, इतने विभिन्न क्षेत्रों से, हर आयाम से, एक-एक महिला को यहां पर रिप्रेजेंट कर रहे हैं। जब छोटी बच्चियां यहां पर देखती हैं, इंडियन नेवी की यूनिफॉर्म में आते हुए महिलाओं को, जब वो देखती हैं कि एयर इंडिया की पायलट महिला है। जब वो देखती हैं कि लोकोमोटिव की पायलट हैं, ई रिक्शा चलाती हैं, ऑटो चलाती हैं, तो ये सारी की सारी बच्चियां और जो महिलाएं यहां पर हैं, आने वाली पीढ़ी को और ज्यादा प्रेरित करती हैं।

आज महिलाएं डिवेलपमेंट करने वाला चेहरा बन गई हैं

कमलजीत सहरावत, सांसद, वेस्ट दिल्ली

मेरा मानना है कि भगवान धरती पर खुद कभी नहीं आते, लेकिन वो इशारा कर देते हैं कि क्या और कैसे करना है? इसलिए भगवान ने सृष्टि रचने की क्षमता महिला को दी। खुशी की बात है कि महिलाएं इस तरह से आगे बढ़ रही हैं कि सरकार की टैग लाइन बदल गई। पहले सरकार की टैग लाइन थी डिवेलपमेंट फॉर वुमन और अब सरकार की टैग लाइन है वुमन लेड डिवेलपमेंट। तो आज हम डिवेलपमेंट करने वाले चेहरे बन गए हैं।

यहां आने वाली सभी महिलाएं हैं आज की असली हीरो

स्वाति मालीवाल, राज्यसभा सांसद

महिला दिवस पर आयोजित इस वुमन बाइक रैली में आप सभी का अभिनंदन करती हूं। मुझे यहां आकर बहुत मजा आ रहा है। लेकिन, मैंने कभी बाइक नहीं चलाई। मुझे बहुत ही रिग्रेट हो रहा है। मेरी हमेशा से एक इच्छा रही है कि बाइक से दिल्ली से लद्दाख जाऊं। लेकिन, एक या दो साल में मैं ऐसा नहीं कर पाई तो फिर आप लोगों में से किसी एक की बाइक के पीछे बैठ कर लद्दाख जाया जाएगा। जब भी किसी महिला को बाइक चलाते देखती हूं तो बहुत खुशी होती है।

रविवार सुबह कनॉट प्लेस का नज़ारा कुछ अलग था... सड़कों पर गूंज रही थी नारी शक्ति की रफ्तार। NBT ऑल वुमन बाइक रैली में ट्रेडिशनल ड्रेस और मॉडर्न बाइकिंग का जबरदस्त फ्यूजन दिखा। पुलिस, SSB और CISF की महिला राइडर्स के साथ सैकड़ों महिलाओं ने 15km की राइड में हिस्सा लिया और आत्मविश्वास और एम्पावरमेंट का संदेश दिया।

CM, स्पीकर ने किया रैली को रवाना

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कनॉट प्लेस अक्सर दोपहर बाद रंग में आता है, जो शाम गुजरते-गुजरते रात की आहट आने पर 'रंगीन' होता है। रविवार को किस्सा कुछ अलग था, क्योंकि सुबह से ही 'दिल्ली का दिल' गुलजार होने लगा। ए-ब्लॉक की पार्किंग का माहौल तेजी से बदल रहा था। महिलाएं अलग-अलग राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में पहुंच रही थीं। एक अलग ही जोश दिख रहा था। सभी के चेहरों में आत्मविश्वास और उत्साह चरम पर था। जोश और जुनून तक एक साथ बाइक लेकर सड़क पर उतरने का। चाहत थी NBT ऑल वुमन बाइक रैली के जरिए जमाने को देश की राजधानी की 'नारी शक्ति' से रूबरू कराने की।

दिल्ली पुलिस, सीमा सशस्त्र बल (SSB) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की महिला बाइक और स्कूटर सवार 'यूनिफॉर्म' में महिला सशक्तिकरण की अलग ही तस्वीर पेश कर रही थीं, जो महिला और लड़कियों के लिए प्रेरणा बनी हुई थीं। उत्साह का आलम यह था कि सुबह 6:30 बजे से रजिस्ट्रेशन के लिए महिलाएं आने लगीं। बाइक्स की गूंज बढ़ने लगी। चेहरों पर आत्मविश्वास की चमक और माहौल में उत्साह देखते ही बन रहा था। जमावड़ा लगने लगा... कोई रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाक में थी तो कोई उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब की पारंपरिक वेशभूषा में थी। किसी ने सिर पर दुपट्टा बांध रखा था तो कोई मॉडर्न राइडिंग जैकेट और हेलमेट में प्रोफेशनल बाइकर्स की तरह दिख रही थी। पारंपरिक परिधान और आधुनिक बाइकिंग का अनोखा संगम माहौल को और भी खूबसूरत बना रहा था।

सीएम रेखा गुप्ता का आगमन हुआ तो बाइकर्स महिला और लड़कियों में जोश भर गया। कई ने आगे आकर उनसे मिलने को आतुर थीं, लेकिन सुरक्षा की वजह से सिर्फ कुछ को ही मौका मिल सका। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आए तो जोरदार कोलाहल से उनका स्वागत हुआ। साड़ी समेत अन्य पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं जब सीएम और लोकसभा स्पीकर के 9:30 बजे झंडी दिखाने के बाद बाइक और स्कूटर पर सवार होकर निकलीं तो लगा जैसे नारी शक्ति, साहस और सपनों की रफ्तार एक साथ सड़कों पर उतर आई हो। यह काफिला अनुशासित तरीके से आगे बढ़ा। कई महिलाएं भारी-भरकम बुलेट और स्पोर्ट्स बाइक चला रही थीं तो कुछ स्कूटर पर सवार थीं। रोड पर गुजरते वक्त सभी के चेहरों पर आत्मविश्वास, आंखों में चमक और दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा साफ दिखाई दे रहा था।

रास्ते भर सभी की नजरें इस अनोखे काफिले पर टिकी रहीं। कई जगह लोग सड़क किनारे खड़े होकर तालियां बजाते और हाथ हिलाकर महिलाओं का उत्साह बढ़ाते नजर आए। कुछ फोन में इस खास पल को कैमरे में कैद करते दिखाई दिए। महिलाओं का अनुशासन, आत्मविश्वास और मुस्कुराता चेहरा पूरे माहौल को और भी जीवंत बना रहा था। यह सिर्फ बाइक चलाने का रोमांच नहीं था बल्कि एक मजबूत संदेश पहुंचाने का अभियान था, जिसके जरिए यह बताना था कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हैं। कोई भी बाधा उनकी राह में रोड़ा नहीं अटका सकती है। आखिर में दिल्ली पुलिस, एसएसबी, सीआईएसएफ की महिला दस्तों के अलावा अलग-अलग अंदाज में सज-संवरकर आईं महिलाओं या उनके समूहों को पुरस्कृत किया गया... और अगले साल फिर से इसी जोश, जज्बे और जुनून के साथ मिलने के वादे के साथ समापन का ऐलान किया गया।

देश की प्रगति में महिलाओं का शामिल होना सबसे महत्वपूर्ण

प्रियंका चतुर्वेदी, राज्यसभा सांसद

मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, आज इस मंच पर इतनी महिलाओं को देखकर और बाइक्स पर महिलाओं को देखकर। मैं बस यही कहूंगी कि आज इंटरनैशनल वुमंस डे पर एक ही उम्मीद है कि चाहे वो बॉर्डर पर हो, चाहे वो आकाश में हो, चाहे वो धरती पर हो या फिर वो आसमान में हो... हमारी महिलाओं के पास कोई बैरियर न हो, चाहे वो पार्लियामेंट में हो या पार्लियामेंट के बाहर हो। देश की प्रगति में महिलाओं का शामिल होना, उनकी भागीदारी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

महिला सशक्तिकरण का संकल्प यहां सच होता दिख रहा

कुलजीत चहल, वाइस चेयरमैन, एनडीएमसी

महिला सशक्तिकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और संकल्प है, जो आज यहां साकार होता दिख रहा है। मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने दिल्ली के विकास को तेज गति दी है। बहन बांसुरी और एनडीएमसी के विकास में उनके सहयोग के लिए भी धन्यवाद। सभी सांसदों और बहन कमलजीत को भी बधाई। टाइम्स ग्रुप हमेशा ऐसे शानदार आयोजन करता है कि एनडीएमसी को लगता है जैसे हम परिवार के साथ मिलकर कार्यक्रम कर रहे हैं।

'दुनिया को आगे बढ़ाती हैं महिलाएं'

इस कार्यक्रम को प्रायोजित करना हमारे लिए गर्व की बात। कहा जाता है कि टायर दुनिया को चलाते हैं, उसी तरह महिलाएं भी दुनिया को आगे बढ़ाती हैं। आप सभी का धन्यवाद। - *शिवानी पाहवा, डायरेक्टर, राल्सन (इंडिया) लिमिटेड*

'महिलाएं कर रही हैं हर बड़ा काम'

विपरीत परिस्थितियों में भी महिलाएं हर बड़ा काम कर रही हैं। आश्रम से करीब 4000 गांव की महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के जरिए जुड़ी हुई हैं। - *स्वामी निजामृतानंद पुरी, एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर, अमृता अस्पताल, फरीदाबाद*

वर्दी की हिम्मत और बाइक की रफ्तार

बाइक रैली में दिल्ली पुलिस की महिला कर्मियों ने भी संभाली कमान

SSB का भी दिखा शौर्य

रैली में एसएसबी की जांबाज महिला टीम भी उतरी

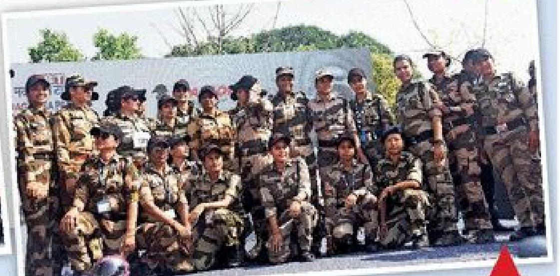

जोश में दिखी CISF की महिला बाइकर्स

CISF की जांबाज महिला स्टाफ का भी बाइक रैली में जोश दिखा हाई

पहियों पर सवार हौसलों की कहानियां: जब दिल्ली के दिल में गूंजी रफ्तार संग आत्मविश्वास की नई धुन

मैं 2016 में एनबीटी की ऑल वुमन बाइक रैली में आई थी। इसके बाद मैं इसी साल इसमें हिस्सा ले पाई हूं। पहले स्कूटी ज्यादा नजर आती थी, अब काफी महिलाएं बाइक लेकर आ आ रही हैं। **- दिव्यांगना, द्वारका**

2017 से मैं इस बाइक में आ रही हूं। यहां सेलिब्रिटी और दिल्ली को दिशा देने वाली शख्सियतों से मिलने का मौका मिलता है। हर साल इस बाइक रैली में भीड़ बढ़ती देखकर अच्छा लग रहा है। **- पारुल, द्वारका**

मेरी उम्र 56 साल है। मैं महीनों पहले से यह तय करने लग जाती हूं कि मुझे बाइक रैली के लिए अपनी बाइक कैसे सजानी है, किस ड्रेस में जाना है? कई तरह की तैयारी करती हूं। **- शिम्मी चावला, उत्तम नगर**

मैंने बाइक रैली में पिछले साल भी रजिस्ट्रेशन करवाया था, लेकिन मुझे स्कूटी चलाने की और यहां आने की हिम्मत नहीं हुई। मेरी बेटी शिवांशी ने मुझे हिम्मत दी। पूरे साल प्रैक्टिस करवाई। **- शैली, मोती नगर**

मैं बाइक रैली में 4 साल से आ रही हूं। रैली के लिए इतनी सारी महिलाएं अपने लिए समय निकालती हैं, एक जगह जमा होती हैं। इसलिए मुझे यहां आकर अच्छा लगता है। **- राखी अग्रवाल, विवेक विहार**

हेलमेट, हैंडल और हौसला

सड़कों पर छा गई एनबीटी ऑल वुमन बाइक रैली

बाइक चलाकर दिया दिल्ली की महिलाओं ने बराबरी, सम्मान और आज़ादी का संदेश

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

नई दिल्ली : रविवार की सुबह कनॉट प्लेस की सड़कों पर अलग ही नजारा था। हेलमेट, हैंडल और हौसले से भरी महिलाएं जब बाइक और स्कूटी के एक्सेलेरेटर घुमाती हुई आगे बढ़ीं तो लगा जैसे आधी आबादी अपने हक और पहचान की नई कहानी लिख रही हो। मौका था नवभारत टाइम्स की वुमन बाइक रैली का, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लेकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। पुलिस की वर्दी से लेकर सलवार-सूट, जींस और साड़ी में महिलाएं सिर्फ बाइक नहीं चला रही थीं, बल्कि आत्मविश्वास और आजादी का संदेश भी दे रही थीं। किसी के हाथ में तिरंगा था तो कोई हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन कर रहा था। बाइकों की रफ्तार के साथ उनका जोश भी साफ नजर आ रहा था।

> सड़कों पर खड़े लोग इस रैली को कैमरों में कैद करते नजर आए

कनॉट प्लेस इनर सर्कल के ए ब्लॉक की पार्किंग से करीब 9:30 बजे वुमन बाइक रैली की शुरुआत हुई। मुस्कुराते चेहरों के बीच खुले आसमान के नीचे दौड़ती बाइकें और स्कूटी की कतार और उनके बीच गूंजते सायरन सिर्फ एक रैली का हिस्सा नहीं थे, बल्कि एक संदेश भी दे रहे थे कि महिलाएं अब किसी सीमा में बंधकर नहीं रहने वाली। बुलेट की आवाज और पुलिस की सायरन रैली में जोश बढ़ा रही थी। रैली बाराखंबा रोड, मंडी हाउस सर्किल, कॉपरनिकस मार्ग, सी-हेक्सागन इंडिया गेट, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, नीला गुंबद, लोधी रोड, अरबिंदो मार्ग, पृथ्वीराज रोड और शाहजहां रोड से होते हुए इंडिया गेट पहुंची। सड़कों पर खड़े लोग मोबाइल के जरिए आत्मविश्वास से भरी वुमन बाइक रैली के साथ इंडिया गेट को एक फ्रेम में कैद करते नजर आए। इसके बाद रैली कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस आउटर सर्कल, राजीव चौक होते हुए दोबारा कनॉट प्लेस इनर सर्कल ए-ब्लॉक पार्किंग पर समाप्त हुई। ढोल और नगाड़ों की थाप के बीच रैली में शामिल महिलाओं का स्वागत किया गया।

बच्चों ने भी बढ़ाया हौसला

बाइक रैली में एक नहीं बल्कि कई पीढ़ियां एक साथ स्कूटी, बाइक और बुलेट पर गजब का संतुलन बनाकर चलीं। कोई वेस्टर्न कपड़े पहनकर बाइक के गियर डाल रही थी तो कोई पारंपरिक ड्रेस में आजादी की उड़ान भर रही थी। कनॉट प्लेस से निकली इस रैल से माहौल उत्सव जैसा था। हर चौराहे से गुजर रही बाइक रैली को सड़क किनारे खड़े लोग अपने मोबाइल के कैमरों में कैद करते नजर आए। वहीं, बस से जा रहे बच्चों ने खिड़की का शीशा हटाकर तालियां बजाकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया।

Photos : Sunil Kataria, Tarun Rawat, Surender Kumar

RALSON TYRES
Presents
NBT ALL WOMEN BIKE RALLY 2026
Powered by
AMRITA HOSPITAL

रफ्तार से साथ दिखा रील का क्रेज

बाइक रैली के दौरान हर महिला बाइकर्स की जुबान पर हौसले का शोर और हाथ में तिरंगा था। जहां रफ्तार के साथ भारत माता की जयकारे लग रहे थे। कोई बाइक पर अपने बच्चे के साथ इस लम्हे को अपने मोबाइल में कैद कर रहा था तो किसी ने अपनी फीमेल को सपोर्ट करने के लिए बाइक रैली में हिस्सा लिया।

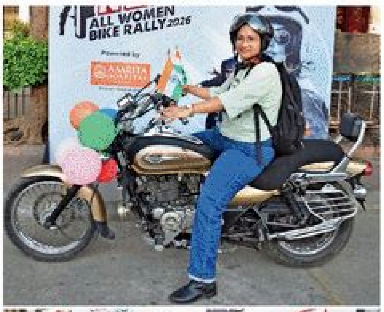

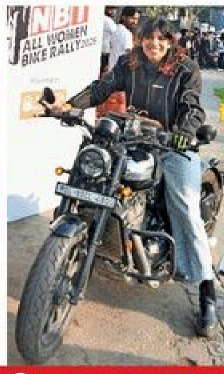

इन सुपर वुमन के हौसलों को किया गया एनबीटी बाइक रैली में सलाम

महिला दिवस के मौके पर आयोजित एनबीटी ऑल वुमन बाइक रैली में उन महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने साहस और मेहनत से पारंपरिक सीमाओं को तोड़ते हुए नई मिसाल कायम की है। अलग-अलग क्षेत्रों में काम करते हुए ये महिलाएं न सिर्फ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं, बल्कि दूसरी महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। मंच पर सम्मान के दौरान इनकी प्रेरक कहानियों ने वहां मौजूद हजारों महिलाओं को यह संदेश दिया कि हिम्मत, मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है।

सीमा चौधरी गाजियाबाद में रहती हैं, वह कैब चालक के रूप में पहचान बना चुकी हैं

रजनी इलेक्ट्रिक ऑटो चलाती हैं और समाज सेवा के कामों से भी जुड़ी हुई हैं

तृप्ति आर्या डीटीसी बस कंडक्टर हैं और इन्हें कई देसी-विदेशी भाषाएं आती हैं

प्रीति दिल्ली की लाइफलाइन मेट्रो में स्टेशन कंट्रोलर और ट्रेन ऑपरेटर हैं

लेफ्टिनेंट कमांडर ताविशी सिंह नेवी के नए वॉरशिप के डिजाइन पर काम कर रही हैं

याशिमा सिंह पायलट हैं और एविएशन कमांड के 9000 घंटे अपने नाम कर चुकी हैं

वेद कुमारी यूपी रोडवेज की बस चलाकर आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं

निशा यादव दिल्ली से गाजियाबाद और सहारनपुर तक ईएमयू ट्रेन चलाती हैं

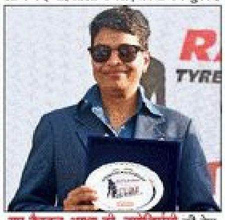

ग्रुप कैप्टन आशा टी. ज्योतिर्मयी की देश की अग्रणी स्काईडाइवर के रूप में है पहचान

दिव्यांग संतोष रावत ने दिखाया जज्बा

सरस्वती, दिव्यांग राइडर बदरपुर

एनबीटी की बाइक रैली में दिव्यांग **संतोष रावत** अपने पूरे हौसले के साथ पहुंचीं और अपना जज्बा दिखाया। वह फरीदाबाद से अपनी खास स्कूटी पर सफर करके सुबह 7:30 बजे यहां पहुंचीं। संतोष ने कहा कि मैं राइडर हूं और किसी से कम नहीं हूं। पूरी सुरक्षा के साथ राइड करती हूं। मैंने अपने ईगल स्पेशल राइडर ग्रुप के साथ भूटान, नेपाल तक की बाइक यात्रा की है। इस रैली में मैं 2025 से हिस्सा ले रही हूं। मैं यह दिखाना चाहती हूं कि स्पेशल कैटेगिरी के हम लोग भी किसी से कम नहीं हैं।

बदरपुर से आई दिव्यांग राइडर सरस्वती ने कहा कि मैं आज यहां इसलिए आई हूं कि महिलाओं को यह भी दिखाना चाहिए कि दिव्यांग होने के बाद भी मैंने एक नॉर्मल बाइक रैली में हिस्सा लिया है। आज वैसे भी आज खास दिन है हमारा, तो आना तो बनता ही है।

शैली ने खास अंदाज से समां बांध दिया

केसरिया पहन मनाया महिला दिवस

काला कुर्ता और केसरिया पटका पहनकर आए इस ग्रुप का मकसद अपने कल्चर को प्रमोट करना था। ग्रुप से जुड़ी हरप्रीत कौर ने कहा, आज महिला दिवस है, जिसे हम सेलिब्रेट करने यहां आए हैं। ये जो हमने केसर कलर पहना है, यह हमारे सिख धर्म का प्रतीक है, तो हम उस धर्म का प्रतिनिधित्व करने आए हैं। कौर राइडर्स के रूप में वह दिखाना चाहते हैं कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। इस ग्रुप से लगभग 40 से 80 लोग इसमें शामिल हुए। सुनखी पंजाबन ग्रुप के नाम से भी मशहूर इस ग्रुप का कहना है कि वह हर तरह के सामाजिक कामों में सक्रिय रहते हैं। हर चीज को और त्योहार को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाते हैं। महिला दिवस को भी पूरे उत्साह के साथ सेलिब्रेट किया है।

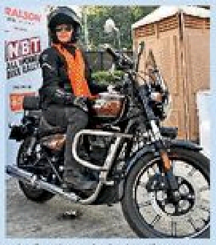

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 03-08-2026 21:37 Color:

भारत का राष्ट्रपति संविधान का संरक्षक और राष्ट्र की एकता का प्रतीक होता है।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

गरिमा के ख़िलाफ़

पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनैशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्ट्रपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है।

प्रोटोकॉल से जुड़ा विवाद

लापरवाही के आरोप | विवाद की शुरुआत इस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था। लेकिन, राष्ट्रपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लापरवाही की बात भी कही जा रही है।

प्रोटोकॉल का उल्लंघन | भारत में राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं। राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम हैं, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्ट्रपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ।

राजनीतिक एंगल | केंद्र सरकार ने इस चूक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। लेकिन, इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर BJP व सत्ताधारी TMC के बीच मानी जा रही। चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। TMC ने केंद्र पर राष्ट्रपति पद के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा।

मुख्य मुद्दा छूटा | यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्ट्रपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

नश्तर

तेल की धार

सौरभ श्रीवास्तव

होली से एक शाम पहले मैंने महंगी पिचकारी खरीदी। दोस्त को दिखाई और बताया कि यह बहुत दूर तक रंग फेंक सकती है। अगले दिन मैंने महंगी पिचकारी से दोस्त पर रंग डाला। वह पास आया, मुझे लगा कि गले लगाएगा पर उसने मेरे ऊपर रंग से भरी बाल्टी उलट दी। मुझे अचानक यह ईरान जैसा महसूस होने लगा, जो सस्ते ड्रोन चलाकर अमेरिका के महंगे हथियारों का बैंड बजा रहा है।

शाम को नहा-धोकर मैं दोस्त के घर पहुंचा। मेरा मुंह अब भी लाल था और वह एकदम साफ। 'तेल नहीं लगाया था क्या?' मैंने गुस्से में कहा, 'तेल है कहां? सारे जहाज तो युद्ध में फंस गए हैं।' दोस्त मुस्कुराया, 'यह तो गाड़ी में डालने वाला तेल है, लगाने वाला नहीं। तुम लेखकों के साथ यही दिक्कत है, बात कहीं से कहीं पहुंचा देते हो।' मैंने कहा, 'लगाने वाला तेल होगा तभी तो गाड़ी वाला तेल मिलेगा।' दोस्त तैश में आ गया, 'तुम लोग तेल की धार पर ध्यान देने के चक्कर में यह ही भूल जाते हो कि कितना तेल बचा है।' उसे शांत करने के लिए मैंने कहा, 'कुछ दिन में अमेरिका, इस्राइल और ईरान का युद्ध समाप्त हो जाएगा और सब सामान्य हो जाएगा।' उसका गुस्सा बढ़ गया, 'ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी।' मुझे मसखरी सूझी, 'कौन-सा तेल लगेगा यहां, रूस वाला या ईरान वाला? अमेरिका अपना तेल तो बचाए हुए है और दूसरे देशों का तेल निकाल रहा है। हम लोग किसी का पक्ष नहीं ले रहे, फिर भी हमारा तेल निकल रहा है।' दोस्त खीझा तो बहुत, पर उसे सूझा कुछ नहीं। गुझिया बढ़ाते हुए बोला, 'खा लो, फिर शुक्लाजी के घर चलते हैं होली मिलने।' मैंने अपनी बौद्धिक जीत की खुशी में खुद का मुंह मीठा करवाया। हम निकलने वाले ही थे कि भाभीजी की आवाज आई, 'लौटते में तेल लेते आना, खत्म हो गया है।' दोनों ने एक-दूसरे को देखा और खिलखिला दिए। मैंने मन ही मन कहा, कूटनीति हो, राजनीति या गृहनीति, तेल की जरूरत हर जगह है।

एकदा

संकलन : रेनू सैनी

बंधकों को कराया मुक्त

वर्ष 1947 में विभाजन की हिंसा के दौरान बड़े पैमाने पर महिलाओं को अगवा किया गया, जबरन उनका धर्म परिवर्तन कराया गया। आखिरकार भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच एक समझौता हुआ, इसे एबडक्टेड पर्संस (रिकवरी एंड रेस्टोरेशन) एक्ट के नाम से जाना गया। इस कानून को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी मृदुला साराभाई को सौंपी गई। वह सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई की बहन थीं। मृदुला ने व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदारी ली और पूर्ण समर्पण के साथ इस काम में जुट गईं। वह अगवा महिलाओं को सुरक्षित लाने के लिए पंजाब के दूरदराज के गांवों और कबीलाई इलाकों में गईं, जहां भारी सांप्रदायिक तनाव था। उन्होंने अपने प्रयासों से खुद का एक नेटवर्क बनाया। स्थानीय लोग उन्हें गुप्त रूप से बताते थे कि किन घरों में महिलाओं को बंदी बनाकर रखा गया है। इस कार्य में उन्हें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने लगभग 22,000 महिलाओं को उनके परिवारों से मिलाया। उन्होंने बंधक महिलाओं के अस्तित्व को मजबूत बनाने में भी निर्णायक भूमिका निभाई। उन्हें आज भी 'विभाजन की नायिका' के रूप में याद किया जाता है।

नेपाल में Gen-Z आंदोलन के बाद हुए संसदीय चुनाव में RSP सबसे बड़ी पार्टी

Gen-Z के अरमान क्या पूरे होंगे?

संजय भारद्वाज

नेपाल में Gen-Z आंदोलन के बाद हुए संसदीय चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति में क्रांतिकारी बदलाव का संकेत दिया। इससे पहले 2006 की पहली जनक्रांति के बाद हुए व्यापक शांति समझौते के आधार पर 2008 में संविधान सभा के चुनाव कराए गए थे। तब पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) को जनता का अटूट समर्थन मिला था। मगर वह लोगों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सके। 2015 तक नेपाल एक समावेशी संविधान भी नहीं बना पाया। संविधान लागू होने के बाद भी राजनीतिक नेतृत्व में स्थायित्व नहीं आया और कई प्रधानमंत्री बदलते रहे।

दूसरी बड़ी जनक्रांति | पिछले साल सितंबर में हुए Gen-Z आंदोलन को नेपाल की दूसरी बड़ी जनक्रांति माना जा रहा है। इसके बाद पहली बार पिछले हफ्ते चुनाव हुए, जिसमें पारंपरिक दलों के खिलाफ नेपालियों का गुस्सा साफ दिखा। इस बार चुनाव में रैपर से राजनेता बने बालेंद्र शाह (बालेन) की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) बहुमत बनाती दिख रही है। RSP ने 90 में से 72 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके अलावा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) देश की दूसरी और नेपाली कांग्रेस तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने वाली है।

वादों से मिला साथ | RSP के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन ने अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी और चार बार प्रधानमंत्री रह चुके के पी शर्मा ओली को करीब 50,000 वोटों से हरा दिया। बालेन काठमांडू के मेयर रह चुके हैं और युवाओं में लोकप्रिय हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने और व्यवस्था बदलने के वादों ने Gen-Z का साथ दिलाया। इस चुनाव में इस बार फेसबुक, यूट्यूब का काफी प्रभाव पड़ा, जिससे युवाओं की भागीदारी बढ़ी और एंटी एस्टैब्लिशमेंट भावना मजबूत हुई।

नया चेहरा
- बालेंद्र शाह ने पीएम के पी शर्मा ओली को हराया
- नई सरकार के सामने सबको रोजगार देना सबसे बड़ी चुनौती
- लोगों ने साथ दिया, अब भरोसे पर उतरना होगा खरा

जनादेश की ठेस | चुनाव से पहले नेपाल में राजनीतिक हालात काफी तनावपूर्ण थे। ओली की पार्टी और नेपाली कांग्रेस के गठबंधन पर Gen-Z आंदोलन दबाने के लिए हिंसा के आरोप लगे। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और चीन के साथ ओली की बढ़ती नजदीकी से एक वक्त अमेरिका भी नाराज हो गया। दूसरी ओर, प्रचंड और ओली जैसे पुराने नेताओं की धाक कम होने लगी और उनकी आपसी साझेदारी से जनता ऊब गई। 2022 के चुनाव में नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी। प्रधानमंत्री रहते हुए ओली पर भ्रष्ट और निरंकुश रवैये के आरोप भी लगे। चुनाव से पहले पार्टी के अंदर भी संकट बढ़ गया, जब शेर बहादुर देउबा की जगह गगन थापा को नेतृत्व दिया गया। इसका फायदा बालेन को मिला और उनका चुनावी रास्ता आसान हो गया।

राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन | इसलिए, इस बार पारंपरिक दलों की जगह नई उभरती RSP और बालेन शाह जैसे युवा नेता को समर्थन मिला। यह देश में पीढ़ीगत परिवर्तन का संकेत है। अब सवाल है कि क्या RSP बड़ा बदलाव ला पाएगी या प्रचंड सरकार की तरह जनता का भरोसा खो देगी। 2006 के बाद जनता को समानता, गणतंत्र और विकास की उम्मीद थी, लेकिन अवसरवादी राजनीति, भ्रष्टाचार, परिवारवाद की चुनौतियां और मधेशी उपेक्षा ने अस्थिरता बढ़ाई। ऐसे में बालेन का मधेशी मूल वहां के लोगों के लिए नई उम्मीद बना है।

कई चुनौतियां भी | नई सरकार के सामने कई चुनौतियां होंगी। बालेन सहित अधिकांश नए सांसदों को राजनीति और सरकार चलाने का अधिक अनुभव नहीं है। उन्हें नौकरशाही के साथ तालमेल बैठाते हुए जनता की उम्मीदों को पूरा करना होगा। चुनावी वादे- रोजगार देना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। विदेश में बढ़ते माइग्रेशन विरोध और खाड़ी देशों की अनिश्चित स्थिति के कारण कई नेपाली अपने देश लौट सकते हैं। RSP मूल रूप से रबि लामिछाने की पार्टी है और बालेन सहित कई नेता हाल ही में इसमें शामिल हुए हैं।

कई मुद्दे संवेदनशील | लामिछाने पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी नई सरकार पर दबाव बना सकते हैं और पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है। संविधान संशोधन, संघीय व्यवस्था और सनातन धर्म जैसे मुद्दों से राजनीतिक बहस बढ़ सकती है। नई सरकार को भारत और चीन के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने होंगे, क्योंकि नेपाल के भारत के साथ विशेष रिश्ते, सीमा और जल विवाद जैसे मुद्दे भी जुड़े हैं। यदि सरकार संतुलित नीति अपनाए और विकास व ऊर्जा क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग बढ़ाए, तो इससे नेपाल की स्थिरता और क्षेत्रीय संतुलन दोनों को लाभ मिल सकता है।

(लेखक JNU के स्कूल ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज के प्रफेसर हैं)

फ्रिज की सफ़ाई से किचन में ताज़गी का अहसास

गर्मी इस बार कुछ ज्यादा पहले आ गई। मौसम के चैलेंज से निपटने के लिए हमें चाहिए भरोसेमंद साथी। गर्मियों में रेफ्रिजरेटर ऐसा ही पक्का साथी बन जाता है, जिसके भरोसे हम किचन छोड़ आराम से चैन की नींद सो लेते हैं।

अभी तक फ्रिज को हरी-भरी साग-सब्जियों का साथ मिला हुआ था। कई बार तो उसकी जरूरत भी खास नहीं पड़ती, लेकिन अब हालात बदलने लगेंगे। सब्जियां ज्यादा समय तक सुरक्षित रखने के लिए अंदर रखी जाएंगी, पानी की बोतलें कतार में लगेंगी और कोल्ड ड्रिंक्स भी मुस्कुराते हुए अपने लिए जगह मांगेंगे। कुल मिलाकर, काम बढ़ने वाला है। अब जरूरत है फ्रिज को नए तरीके से तैयार करने की, उसकी सफाई की। रेफ्रिजरेटर की साफ-सफाई भी सुकून और आनंद दे सकती है, बशर्ते इस काम की बारीकियों को समझा जाए।

कई लोगों के लिए घरेलू काम उनकी मानसिक जरूरत हैं, जो उस वक्त के लिए बाकी चिंताओं से दूर कर देते हैं उन्हें। रेफ्रिजरेटर की सफाई भी ऐसा ही काम है, जो किचन में ताजगी का अहसास लाता है। कई बार दरवाजा खोलते ही अंदर से एक मिली-जुली गंध आती है। यह महक होती है उन चीजों की, जो अंदर रखी हैं या उनकी जो कभी रखी थीं। कई बार कोई एक गंध ही बाकी सब पर हावी हो जाती है। जीवन में भी जो आते हैं, वे अपने पीछे अपना अहसास छोड़ जाते हैं। कुछ का असर गहरा और कुछ का मद्धम।

अगला स्टेप है अंदर रखे सामान को बाहर निकालना, जो एक्सपायर हो चुके हैं उन्हें फेंक देना। केवल इतना कर लेने से जगह ज्यादा बड़ी लगने लगती है, ज्यादा व्यवस्थित और साफ। किसी सामान को उसकी एक्सपायरी डेट तक पहुंचने देना और उसके बाद भी सहेजे रखना वह लालच है, जो हर किसी में होता है थोड़ा-बहुत। तारीख देखकर पहले उसे टालते रहते हैं कि अभी तो वक्त है, और जब वह तारीख गुजर जाती है, तो अफसोस में भर उठते हैं। वक्त को समझने का ही खेल है सारा।

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

इसके बाद शुरू होती है पानी और क्लीनर से सतह को चमकाने की कवायद। धीरे-धीरे अंदर की पुरानी गंध खत्म होती जाती है और उसकी जगह ले लेती है ताजगी भरी खुशबू। पोंछे के हर फेरे के साथ चिपचिपे दाग मिटते जाते हैं, निशान खत्म हो जाते हैं और अंदर का हर हिस्सा पहले से ज्यादा चमकदार लगने लगता है। बाहर की सफाई शुरू होती है अंदर का काम खत्म करने के बाद। यानी, बाहरी स्वच्छता तब तक मायने नहीं रखती, जब तक भीतर मैल जमी हो। यह काम बहुत छोटा है, पर इसमें इस बात का संतोष है कि हमने गंदगी से मोर्चा लिया। एक कदम पीछे हटकर देखिए, फ्रिज की चमकती सतह पर जीत का परचम दिखेगा आपको।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

रणथंभौर की मलिका 'मछली' के साथ योग का साक्षात्कार

शीतल वर्मा

मैंने योग और ध्यान की यात्रा 16 साल की उम्र में शुरू की थी। इसका फायदा यह हुआ कि जो कुछ पढ़ता, पूरी सावधानी और निष्ठा से जीवन में उतार लेता। तब मुझे इस बात का आभास नहीं था कि यह मौन अनुशासन मेरे भीतर ऐसा हुनर तराश रहा है, जो बरसों बाद फोटोग्राफी में मेरे काम आएगा। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए केवल एक अच्छे कैमरे की नहीं, गहन एकाग्रता और आंतरिक स्थिरता की भी जरूरत होती है। जब आप किसी पक्षी या जंगली जानवर की प्रतीक्षा करते हैं, तो आपको प्रकृति की लय के साथ एकाकार होना पड़ता है।

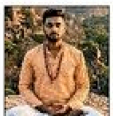

मेरे ध्यान के अभ्यास ने मुझे वह शांति दी, जो एक फोटोग्राफर को घंटों धैर्य के साथ एक जगह डटे रहने के लिए चाहिए होती है। एकाग्रता और कैमरे का यह मिलन रणथंभौर में मेरी पहली और एकमात्र टाइगर साइटिंग के दौरान चरम पर था। वह यात्रा खुद में एक ध्यान जैसी थी। अचानक ड्राइवर ने फुसफुसाते हुए कहा, 'बिल्कुल आवाज मत करना, बस अपनी दाईं ओर देखो।' वहां खड़ी थी- 'मछली', रणथंभौर की मशहूर मलिका। वह हमारी जीप से मुश्किल से 10 मीटर की दूरी पर थी। उस पल मेरे बरसों के ध्यान के अभ्यास ने जैसे मुझ पर कब्जा कर लिया। मैंने कैमरा नहीं उठाया, बस उसे देखता रह गया। वह पूरी तरह से एक 'मेडिटेशन मोमेंट' था- समय जैसे ठहर सा गया था और देखने वाला (मैं) और दृश्य (मछली) एक हो गए थे। मैं उस अनुभव में इतना खो गया था कि भूल ही गया कि वहां फोटोग्राफी के लिए आया हूं। दो मिनट बाद जब अन्य कैमरों के शटर की आवाजें आईं, तब मुझे होश आया और मैंने कुछ तस्वीरें क्लिक कीं। बरसों बाद, एक हार्ड डिस्क क्रैश होने की वजह से वे सभी तस्वीरें हमेशा के लिए मिट गईं। लेकिन, वह मुलाकात इतनी पूर्ण थी कि उसके बाद मुझे कभी दोबारा बाघ देखने की चाहत नहीं हुई। तस्वीरें भले ही चली गईं, लेकिन ध्यानमयी वह अनुभव मेरा जीवनभर का 'मास्टरपीस' बन गया।

कांटे की बात

मैं कोशिश करूंगा कि आप सबने जो भरोसा मुझ पर किया है, उस पर खरा उतरूं। मेरे पिता (नीतीश कुमार) ने पिछले 20 सालों में जो काम किया, उस पर मैं, बिहार और पूरा देश गर्व करता है।

निशांत कुमार, JDU का मेंबर बनने के बाद

बिल्ली, भेड़िये... टेंशन क्यों बढ़ाने लगे ये जानवर

जर्मनी ने भेड़ियों का शिकार करने की अनुमति दे दी है। पिछले साल न्यूजीलैंड ने बिल्लियों को लेकर ऐसा आदेश दिया। अमेरिका हजारों जंगली सूअर मार चुका है। भारत में नीलगायों के शिकार की परमिशन है।

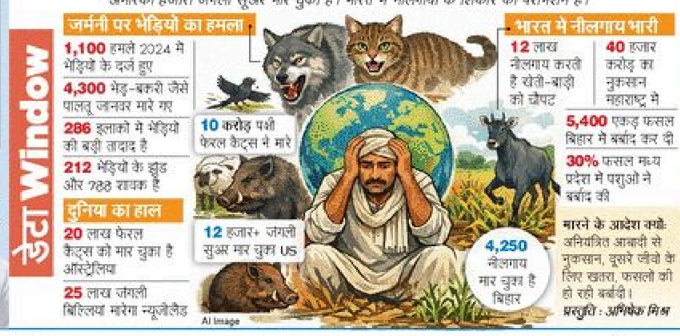

प्रस्तुति : अभिषेक मिश्र

जनता जंक्शन — इरफान

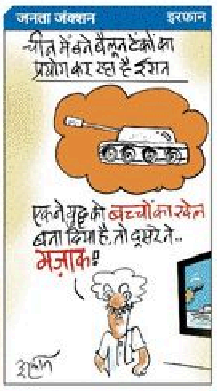

जब तक अधिकार काग़ज़ों पर, बराबरी अधूरी

अक्षरा राजरत्नम

थाने की दहलीज पर खड़ी एक महिला की हिचकिचाहट, अदालत की तारीखों से थकी हुई आंखें और ऑफिस मीटिंग में चुप बैठी किसी कर्मचारी की बेचैनी - यही वो सच है, जो महिला दिवस के रंगीन बैनरों के पीछे छुपे रहते हैं। हर साल 8 मार्च को हम बराबरी की बात करते हैं, पर इसके बाद यह खामोश सवाल रह जाता है कि क्या कानून की किताबों में लिखी समानता उस महिला तक पहुंच पाई, जिसे उसकी सबसे ज्यादा जरूरत है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है और अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव से संरक्षण। अदालतों ने भी बार-बार दोहराया है कि लैंगिक समानता केवल औपचारिक घोषणा नहीं, व्यवहार में उतरी वास्तविकता होनी चाहिए। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का विचार यहां बेहद प्रासंगिक है कि अधिकार का होना काफी नहीं, उसे उपयोग में लाने की क्षमता और अनुकूल परिस्थिति भी होनी चाहिए। यही अंतर है औपचारिक समानता और वास्तविक समानता में। कानून ने औपचारिक समानता दी है, पर वास्तविक समानता तब आएगी जब महिला बिना भय और अपमान के उस अधिकार का उपयोग कर सके।

पीछे पड़े नैतिकता के सवाल

घरेलू हिंसा या रिश्तों में शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने वाली महिला के साथ विधिक ढांचा सिद्धांततः खड़ा होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इंदिरा शर्मा बनाम वीकेवी शर्मा केस में माना था कि सहजीवन में रहने वाली महिलाएं भी गरिमा और संरक्षण की अधिकारी हैं। अधिकार तो दिए जाते हैं, पर भरोसा नहीं। और बिना भरोसे के अधिकार केवल कागजी शब्द बनकर रह जाते हैं।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशाखा बनाम राजस्थान राज्य से लेकर कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 तक, कानूनों ने साफ कहा कि सुरक्षित माहौल महिला का मौलिक अधिकार है। लेकिन हकीकत यह है कि शिकायत करने वाली महिला को ही यह साबित करना पड़ता है कि उसके साथ हुआ व्यवहार मजाक नहीं, उत्पीड़न था। कई संस्थानों में शिकायत व्यवस्था सिर्फ औपचारिकता है। इसी तरह, एक्स बनाम प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अविवाहित महिला को भी गर्भपात का अधिकार है। फिर भी कई जगहों पर महिलाओं को परिवार या अस्पताल से अनुमति लेनी पड़ती है।

डिजिटल युग ने महिलाओं को नए अवसर दिए हैं, लेकिन नई तरह की हिंसा भी बढ़ाई है। केएस पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ (2017) में सुप्रीम कोर्ट ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार माना, फिर भी निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, ऑनलाइन उत्पीड़न और AI से बने नकली चित्र महिलाओं की गरिमा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। तकनीक पूरी तरह तटस्थ नहीं होती। वह अक्सर समाज के पुराने पूर्वाग्रहों को ही तेजी से फैलाती है। आभासी दुनिया में हुआ अपमान भी वास्तविक जीवन में गहरी चोट देता है, जबकि कानून की प्रतिक्रिया कई बार देर से आती है।

व्यवस्था संवेदनशील हो

न्याय तक पहुंचना भी महिलाओं के लिए आसान नहीं है। मुकदमे अक्सर बरसों तक चलते हैं। इस दौरान महिला को कानूनी लड़ाई के साथ-साथ सामाजिक दबाव और मानसिक थकान भी झेलनी पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र का महिला भेदभाव उन्मूलन अभिसमय भी मानता है कि न्याय में देरी अपने आप में अन्याय है। समझना जरूरी है कि कानून महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन उसका असर तभी दिखेगा जब व्यवस्था संवेदनशील हो। कानून ने रास्ता दिखा दिया है, अब आगे का काम समाज और संस्थाओं का है।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

तकनीक का सही उपयोग

7 मार्च का संपादकीय 'शक्ति, मगर संभलकर' पढ़ा। बच्चों में बढ़ते सोशल मीडिया उपयोग को लेकर सरकारों की चिंता स्वाभाविक है। आज इंटरनेट शिक्षा और जानकारी का बड़ा साधन है, लेकिन इसका अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर रहा है। बच्चे घंटों मोबाइल पर रील्स देखने में व्यस्त रहते हैं, जिससे पढ़ाई, नींद प्रभावित होती है। डिप्रेशन, एंग्जाइटी और हिंसक व्यवहार जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत कदम जरूरी हैं। माता-पिता, स्कूल को मिलकर इंटरनेट के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग की शिक्षा देनी होगी।

प्रीति जायसवाल, पीतमपुरा

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 03-08-2026 22:18 Color:

सलमान खान वामसी पेडिपल्ली की फिल्म में साउथ के सितारों के साथ दिखेंगे

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times masala mix OF INDIA
MONDAY, MARCH 9, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

आमिर चाहते हैं बड़े पर्दे और OTT में संतुलन

आमिर खान

आमिर खान ने OTT के बढ़ते दबदबे पर अपने विचार साझा किए हैं। एक इंटरव्यू में आमिर ने माना कि थिएटर में फिल्म रिलीज होने और उसके OTT पर आने के बीच घटता समय चिंताजनक है। आमिर ने कहा, 'यह अच्छी स्थिति नहीं है। मुझे लगता है कि एक सहज समझौता होना कहीं बेहतर है, लेकिन इस समय यह मुझे किसी भी नजरिए से सही नहीं लग रहा है।'

आमिर ने आगे कहा कि थिएटर और OTT की जरूरतों के बीच संतुलन बनाना एक ऐसा काम है जिससे आज हर जगह के फिल्म निर्माता जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सिर्फ हिंदी में ही नहीं। साउथ में भी, मैंने जिन प्रोड्यूसर से बात की है, वे इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अगर आप चाहते हैं कि थिएटर का बिजनेस आगे बढ़े, तो आपको इसे प्रोटेक्ट करने की आवश्यकता है।' वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि आपको अलग-अलग मॉडल पर काम करने की जरूरत है। वे फिल्में, जिनमें बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, उन्हें थोड़े लंबे विंडो की जरूरत होती है। छोटी, एक्सपेरिमेंटल फिल्मों के लिए छोटे विंडो की जरूरत होती है। इसलिए, हमें एक फ्लेक्सिबल मॉडल की जरूरत है।'

> यह अच्छी स्थिति नहीं है। मुझे लगता है कि एक सहज समझौता होना कहीं बेहतर है, लेकिन इस समय यह मुझे किसी भी नजरिए से सही नहीं लग रहा है

Colston Julian

नियम तय करना किसी रिश्ते की चाबी नहीं: सैफ

सैफ अली खान ने हाल ही में कहा कि रिश्तों में नियम तय करना कभी काम नहीं करता, बल्कि एक-दूसरे के प्रति भरोसा होना बहुत जरूरी है। सैफ ने एक पॉडकास्ट में बताया कि कैसे एक बार उन्होंने और करीना ने स्क्रीन पर इंटिमेसी (नजदीकी) को लेकर सीमाएं तय करने की कोशिश की थी। बकौल सैफ, 'ऐसी बातें होती हैं कि स्क्रीन पर कोई किसिंग नहीं होनी चाहिए, लेकिन इस तरह का अरेंजमेंट हमेशा सही नहीं लगता। हमने भी कुछ समय के लिए ऐसा करने की कोशिश की थी, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। रिश्ते में भरोसा और कॉन्फिडेंस होना जरूरी है।'

करीना कपूर के साथ सैफ अली खान

'बाइक मुझे आज़ादी का अहसास कराती है'

> मुझे अंधेरा होने से पहले अपनी मंजिल पर पहुंचना पसंद है। फ्लैट टायर बदलना या अंधेरे में ब्रेकडाउन से निपटना मजेदार नहीं है
>
> गुल पनाग

ओंकार कुलकर्णी

मनोरमा सिक्स फीट अंडर, डोर, धूप जैसी फिल्मों से लेकर द फैमिली मैन और पाताल लोक जैसी सीरीज तक, गुल पनाग ने हर बार लीक से हटकर रास्ता अपनाया है। इससे इतर, गुल को एक और चीज जो बहुत पसंद है, वह है बाइक राइडिंग। गुल के लिए राइडिंग हॉबी नहीं है, बल्कि जीने का एक तरीका है जो आजादी और जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

'बाइक और मेरे बीच गहरा रिश्ता है'

गुल के लिए बाइक चलाने के कई मायने हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए बाइकिंग जिम्मेदारी के साथ आजादी का सबसे बड़ा रूप है। और जब मैं 'जिम्मेदारी' कहती हूं तो इससे मेरा मतलब है खुद को सुरक्षित रखने का दायित्व। भारत में हमारी सड़कों पर अक्सर नियमों का पालन नहीं होता। जानवर सड़क पर आ सकते हैं। कोई बिना देखे लेन बदल सकता है। इसलिए आपको बहुत जागरूक और सावधान रहना होता है। हमें इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि आखिर में खुद को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी आपकी ही है। साथ ही, बाइक राइडिंग सशक्तिकरण को भी जाहिर करता है। मैं बाइक से मिली तमाम सीखों को अपनी जिंदगी में अपनाती हूं।'

'सुरक्षा नियमों के बारे में सब सोचें'

गुल से अक्सर सुरक्षा को लेकर तमाम सवाल किए जाते हैं। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि सभी राइडर्स को एक जैसे सुरक्षा नियमों के बारे में सोचना चाहिए, चाहे उनका जेंडर कुछ भी हो। हमारी सड़कों की हालत और कई ड्राइवरों के रवैये को देखते हुए कभी-कभी टू-व्हीलर पर कम ध्यान दिया जाता है। ऐसे में आपको अलर्ट रहना होगा। मुझे अंधेरा होने से पहले अपनी मंजिल पर पहुंचना पसंद है। फ्लैट टायर बदलना या अंधेरे में ब्रेकडाउन से निपटना मजेदार नहीं है। मैं सुबह जल्दी निकलना और दिन की रोशनी में ही अपनी मंजिल पर पहुंचना पसंद करती हूं।'

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

9 मार्च

शशि थरूर

9 मार्च 1956 को जन्मे शशि थरूर केरल के तिरुवनंतपुरम से लगातार चौथी बार लोकसभा सांसद हैं। राजनीति से पहले वे संयुक्त राष्ट्र (UN) में 'अंडर-सेक्रेटरी जनरल' रहे थे।

@shashitharoor
@ShashiTharoor

14 मार्च

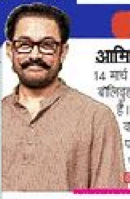

आमिर खान

14 मार्च 1965 को जन्मे आमिर खान बॉलिवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' हैं। कई ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले आमिर को पद्म श्री और पद्म भूषण जैसे सम्मान मिल चुके हैं।

@aamirkhanproductions

रोहित शेट्टी

14 मार्च 1974 को जन्मे रोहित शेट्टी बॉलिवुड के सबसे सफल एक्शन-कॉमेडी डायरेक्टर हैं। उन्होंने 'गोलमाल' और 'सिंघम' (कॉप यूनिवर्स) जैसी बड़ी फिल्में दी हैं। फिल्मों में गाड़ियां उड़ाना उनका सिग्नेचर स्टाइल है।

@itsrohitshetty
@iamrohitshetty

10 मार्च

उमर अब्दुल्ला

10 मार्च 1970 को जन्मे उमर जम्मू-कश्मीर के सीएम हैं। 2024 में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

@omar_abdullah_jk
@OmarAbdullah

11 मार्च

मोहित चौहान

11 मार्च 1966 को जन्मे मोहित चौहान को फिल्म 'रॉकस्टार' के गानों ने बॉलिवुड का सुपरस्टार सिंगर बना दिया।

@mohitchauhanofficial
@_MohitChauhan

15 मार्च

आलिया भट्ट

15 मार्च 1993 को जन्मी आलिया भट्ट को 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए नैशनल अवॉर्ड मिल चुका है। 'राजी', 'हाईवे' और 'RRR' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी बड़ी पहचान बनाई है।

@aliaabhatt @aliaa08

12 मार्च

श्रेया घोषाल

12 मार्च 1984 को जन्मी श्रेया घोषाल ने 'सा रे गा मा पा' जीतकर अपने सफर की शुरुआत की थी।

@shreyaghoshal
@shreyaghoshal

हनी सिंह

15 मार्च 1983 को जन्मे हिरदेश सिंह (हनी सिंह) ने भारत में रैप और हिप-हॉप को लोकप्रिय बनाया। 'ब्राउन रंग', 'लुंगी डांस' जैसे गानों से तहलका मचाया था।

@yoyohoneysingh
@asliyoyo

13 मार्च

मोहम्मद सिराज

13 मार्च 1994 को जन्मे मोहम्मद सिराज का हैदराबाद के एक साधारण परिवार से निकलकर टीम इंडिया के मुख्य गेंदबाज बनने तक का सफर प्रेरणादायक है। वह वनडे क्रिकेट में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज भी रह चुके हैं।

@mohammedsirajofficial
@mdsirajofficial

वरुण गांधी

13 मार्च 1980 को जन्मे वरुण गांधी पीलीभीत और सुल्तानपुर से सांसद रह चुके हैं। राजनीति के साथ-साथ वे अपनी कविताओं और विचारों के लिए भी मशहूर हैं।

@varungandhi80

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

पहाड़ों को लौटे युवा की कहानी, 'घंघतोल'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गढ़वाली फिल्म घंघतोल बीते छह मार्च को दिल्ली एनसीआर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। सुशीला रावत के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाने माने उत्तराखंडी कलाकारों का सुंदर संगीत भी सुनने को मिलता है। फिल्म एक ऐसे शख्स की कहानी है जो अच्छी नौकरी, बड़ा रुतबा कमाने के चक्कर में पहाड़ों में अपने गांव और घर वालों से मुंह मोड़ देता है और जीवन के आखिरी समय में गांव लौटकर अपनी गलती सुधारता है। फिल्म के जरिए शहरी और ग्रामीण जीवन के बीच की खाई, अपनी बोली भाषा को आगे बढ़ाने का जज्बा भी दिखाया गया है।

> सुशीला रावत के निर्देशन में बनी है यह गढ़वाली फिल्म

फिल्म में दिल्ली एनसीआर के कई उत्तराखंडी कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुति दी है। फिल्म में पहाड़ी अंचल के सुंदर नजारे देखने को मिलते हैं। फिल्म की शूटिंग उत्तरकाशी और दिल्ली में हुई है। फिल्म के निर्माता हैं संजय जोशी, सुधीर धर। संगीत निर्देशन किया है राजेंद्र चौहान ने और नरेंद्र सिंह नेगी, कल्पना चौहान, अनुराधा निराला जैसे गायकों ने आवाज दी है।

फाग मेला

देवताओं का महाकुंभ और पहाड़ी नाटी की गूंज

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर बुशहर के ऐतिहासिक राज दरबार मैदान में चार दिन का फाग मेला पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

■ **वसंत की शुरुआत:** वसंत ऋतु और हिंदू नववर्ष के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह जिला स्तरीय फाग मेला चार दिनों तक चलता है। होली के ठीक अगले दिन से इस मेले की शुरुआत होने की प्राचीन परंपरा है।

■ **ऐतिहासिक अहमियत:** इस मेले का इतिहास बुशहर रियासत काल से जुड़ा हुआ है और इसे सैकड़ों वर्षों से मनाया जा रहा है। प्रजा और देव परंपरा के सम्मान में इस मेले की शुरुआत की गई थी।

■ **21 देवी-देवताओं का 'देव-मिलन':** इस ऐतिहासिक मेले की सबसे बड़ी विशेषता 'देव-मिलन' है। मेले में शिमला और कुल्लू जिले के 21 प्रमुख देवी-देवता अपने पारंपरिक रथों और वाद्ययंत्रों (ढोल, नगाड़े, करनाल) के साथ राजदरबार पहुंचते हैं।

■ **भव्य शोभायात्रा और पहाड़ी नाटी:** मेले के दौरान रामपुर के बाजार से राज दरबार तक देवी-देवताओं की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। साथ आए सैकड़ों देवलु और स्थानीय महिलाएं पारंपरिक पहाड़ी वेशभूषा (चोला, टोपी, पट्टू) पहनकर मनमोहक 'पहाड़ी नाटी' (लोक नृत्य) करती हैं।

महिला दिवस पर मैथिल महिलाओं ने किया कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

'संघे शक्तिः' यानी एकता में बल है, इस भावना के साथ दिल्ली-एनसीआर की मैथिल महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संस्कार भारती सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन की विशेषता यह थी कि यह किसी संस्था के द्वारा नहीं किया गया था। इसमें स्वतः प्रेरित होकर कुछ महिलाओं ने योजना बनाई और इसमें सभी जुड़ते चले गए। इसकी एक और विशेषता यह थी कि इसकी प्रायोजक भी महिलाएं ही थीं।

पांच सत्रों में बंटे गए इस कार्यक्रम की शुरुआत 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' की शाश्वत कामना के साथ हुई जिसके बाद सुष्मिता झा ने 'जय जय भैरवि' का गायन किया। इसके बाद वंदेमातरम् गीत की प्रस्तुति जयन्ती कुमारी के द्वारा की गई। उद्घाटन सत्र के बाद चर्चा सत्र आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. वंदना झा, जबकि विशिष्ट अतिथि सुलभ इंटरनैशनल की एक्जीक्यूटिव कन्वीनर नित्या पाठक उपस्थित रहीं। वक्ताओं में सामाजिक कार्यकर्ता आभा झा चौधरी, मीना झा, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. ममता ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता और यूएसए में ग्लोबल एक्जीक्यूटिव हेड बीएसएम माला झा, सविता झा खान, महिला उद्यमी अल्पना झा और योग गुरु काजल चौधरी थीं। सत्र का संचालन डॉ.आभा झा के द्वारा किया गया।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय' की शाश्वत कामना के साथ हुई कार्यक्रम की शुरुआत

इसके बाद डॉ आभा झा द्वारा लिखित 'मण्डलीक निरेक्षा', विभूति आनन्द द्वारा संकलित पुस्तक 'गीत नाद', मीना झा द्वारा लिखित 'ईश्वरक शिकार समय' और आरती प्रिया द्वारा लिखित व्यंग्य संग्रह 'हे फकरे कहबै नहि' का लोकार्पण किया गया। दूसरे सत्र 'सुर-माधुरी' की अध्यक्षता आभा झा चौधरी और संचालन निवेदिता झा के द्वारा किया गया जिसमें दर्शकों ने विभिन्न प्रकार के गीतों का आनंद लिया। इसमें सहभागी रहीं, सुष्मिता झा, वंदना झा, सुशीला वात्स्यायन, रीना झा, भव्या और संजना झा।

तीसरे सत्र 'काव्यगोष्ठी' की अध्यक्षता माला झा और संचालन स्वाति शाकम्भरी के द्वारा किया गया। इसमें निवेदिता झा, सुधा ठाकुर, वंदना स्वाभिमानी, कविता झा पाठक, रजनीगंधा, सुभद्रा मिश्र, वंदना मिश्र, अर्चना झा, भावना झा, अर्चना झा हिना, मंजूषा झा, प्रिया वरुण, सोनी नीलू झा और वंदना झा ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम के चौथे सत्र में प्रेम चौधरी, जया झा और मुन्नी कामत ने ममता ठाकुर की अध्यक्षता एवं वंदना मिश्र के संचालन में कथा वाचन किया। प्रत्येक सत्र के बीच में प्रश्नोत्तरी के द्वारा कार्यक्रम को मनोरंजक रूप दिया आभा झा, जयन्ती कुमारी और वन्दना मिश्र ने। अंत में जयन्ती कुमारी के विदा गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 03-08-2026 22:59 Color:

NBT AI टाइम मशीन
आज है बार्बी डॉल का जन्मदिन

आज बार्बी (Barbie) का जन्मदिन है। आज ही के दिन 1959 में न्यूयॉर्क टॉय फेयर में पहली बार बार्बी डॉल को पेश किया गया था। इसे खिलौनों की कंपनी मैटल (Mattel) की को-फाउंडर रुथ हैंडलर (Ruth Handler) ने अपनी बेटी बारबरा (Barbara) से प्रेरित होकर बनाया था। बार्बी के आइकॉनिक होने का सबसे बड़ा कारण लड़कियों को एक स्वतंत्र आइडल रूप में सपने देखने की आजादी देना है।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली सोमवार, 9 मार्च 2026

भविष्य में बार्बी होगी एक स्मार्ट साथी

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में बार्बी डॉल का रूप पूरी तरह बदल चुका होगा। यह सिर्फ प्लास्टिक की गुड़िया नहीं रहेगी, बल्कि AI से लैस एक स्मार्ट साथी बन जाएगी। बच्चे उससे बात कर सकेंगे, सवाल पूछ सकेंगे और वह उनकी भावनाओं को समझकर जवाब भी देगी। भविष्य की बार्बी अलग-अलग पेशों और किरदारों में बदल सकेगी। बच्चे वॉयस कमांड से उसका रूप भी बदल पाएंगे। बार्बी सिर्फ खिलौना नहीं, बल्कि सीखने, कल्पना और दोस्ती का एक इंटरैक्टिव अनुभव होगी।

AI Images

SPEED News

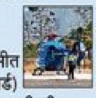

तकनीकी खराबी आने से उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (रिटायर्ड) के हेलिकॉप्टर की श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। राज्यपाल बजट सत्र के लिए जा रहे थे, वे सुरक्षित हैं। तकनीकी टीम जांच में जुट गई है।

BJP ने TVK नेता विजय को NDA में शामिल होने की अपील की है। बीजेपी प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने कहा, तमिलनाडु में DMK के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ऐसे में सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

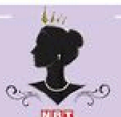

NBT इरा

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है।

IRA 2026

बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां।

सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं।

हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। वॉट्सऐप नंबर - 7003890071

बालेन शाह की ऐतिहासिक जीत, नेपाल के पहले मधेशी PM बनेंगे
करीब 10 साल के बाद बन रही स्थिर सरकार, भारत की भी बढ़ीं उम्मीदें

■ पीटीआई, काठमांडू

नेपाल के आम चुनाव में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (RSP) ने बड़ी जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के अनुसार, 2022 में बनी RSP ने प्रतिनिधि सभा चुनाव में बड़ी बढ़त हासिल की है। देर शाम तक पार्टी ने सीधे चुनी जाने वाली 165 सीटों में से 120 सीटें जीत ली हैं और 6 अन्य सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। इस जीत के साथ रैपर से नेता बने बालेन्द्र शाह (बालेन) के देश के अगले प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है।

35 वर्षीय शाह ने 5 मार्च को हुए चुनाव में अपनी पार्टी को बड़ी सफलता दिलाई। यह चुनाव इसलिए अहम है क्योंकि पिछले साल सितंबर में युवाओं के नेतृत्व वाले 'GenZ' विरोध प्रदर्शनों के बाद के.पी. शर्मा ओली की सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था। इन विरोध प्रदर्शनों में बालेन शाह ने अहम रोल निभाया था। इतने बड़े स्तर पर प्रदर्शन के बाद ये पहला आम चुनाव है।

झापा-5 सीट से चुनाव लड़ते हुए बालेन ने चार बार पीएम रह चुके ओली को लगभग 50,000 वोटों के बड़े अंतर से हराया।

देर शाम तक चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस (NC) दूसरे स्थान पर रही और उसने 17 सीटें जीतीं। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (CPN-UML) को सिर्फ 7 सीटों पर जीत मिली और वह 3 सीटों पर आगे चल रही है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (NCP) ने 7 सीटें जीती हैं, जबकि श्रम संस्कृति पार्टी को 3 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (RPP) ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। चुनाव आयोग के अनुसार विजेताओं में एक निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल है।

जानें कैसा होगा नेपाल का पार्लियामेंट

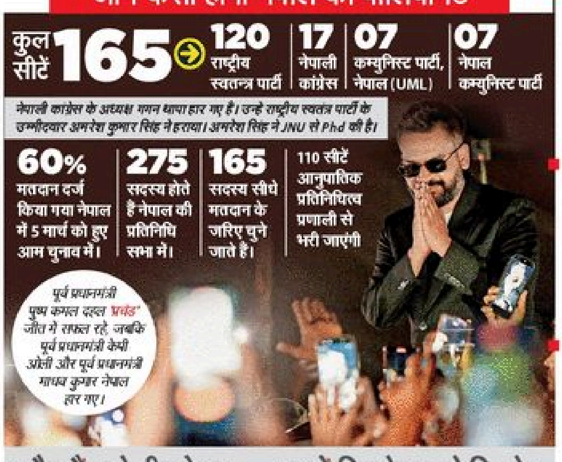

कौन हैं मधेशी लोग?

विशेषज्ञों का मानना है कि काठमांडू में किसी मधेशी नेता का प्रधानमंत्री बनना दस साल पहले तक लगभग अकल्पनीय था। मधेशी लोगों की भाषा, संस्कृति और रहन-सहन भारत के सीमावर्ती इलाकों से काफी मिलते-जुलते हैं। ये लोग मुख्य रूप से मधेश या तराई क्षेत्र में रहते हैं, जो नेपाल और भारत की सीमा के पास फैला हुआ है। मधेसी समुदाय में मैथिली, भोजपुरी, अवधी और हिंदी जैसी भाषाएं बोलने वाले लोग शामिल होते हैं। लंबे समय तक नेपाल की राजनीति में इन्हें प्रतिनिधित्व और अधिकारों को लेकर संघर्ष करना पड़ा, जिसके कारण कई बार मधेश आंदोलन भी हुए।

क्यों बिगड़े हमसे रिश्ते?

के. पी. ओली के पीएम रहने के दौरान भारत-नेपाल के रिश्तों में तनाव देखने को मिला। 2020 में सीमा विवाद ने दोनों देशों के संबंधों को और कमजोर कर दिया। नेपाल ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया, जिसमें भारती इलाकों- कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपना हिस्सा बताया गया, जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया। उस समय ओली सरकार के कुछ बयान भी भारत विरोधी माने गए। साथ ही नेपाल की राजनीति में राष्ट्रवाद और चीन के साथ बढ़ती नजदीकी की भी चर्चा रही। इन कारणों से दोनों देशों के बीच भरोसा कुछ कम हुआ और कूटनीतिक रिश्तों में ठहराव देखने को मिला।

विदेश नीति चुनौती

एक्सपर्ट्स के अनुसार, बालेन शाह को जटिल भू-राजनीतिक दबावों का भी सामना करना पड़ेगा। उन्हें ऐसी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी, जिसमें ग्लोबल शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बने रहें और यह धारणा न बने कि वे किसी बाहरी ताकत के "कठपुतली" हैं।

भारत को भी आस

नेपाल के इस चुनाव पर भारत की भी करीबी नजर रही। भारत को उम्मीद है कि नेपाल में राजनीतिक स्थिरता आने से दोनों देशों के बीच सहयोग और साझेदारी को और मजबूती मिलेगी। इस चुनाव में आमतौर पर नेपाल के चुनावों में दिखने वाली भारत विरोधी भावना लगभग नजर नहीं आई।

मिलेगी स्थिर सरकार

लंबे समय से बनी राजनीतिक अस्थिरता भी इस बार का बड़ा मुद्दा रही। 2015 के बाद हर चुनाव में गठबंधन सरकार ही बनी। हालांकि इस बार के चुनाव ने उस धारणा को काफी हद तक गलत साबित कर दिया है, क्योंकि राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) को भारी बहुमत मिला है।

ये रहे थे अहम मुद्दे

नेपाल में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का रहा। करीब एक-तिहाई लोग काम की तलाश में विदेश जा रहे हैं। नेपाल की अर्थव्यवस्था काफी हद तक विदेशों से आने वाली कमाई (रेमिटेंस) पर निर्भर हो गई है। दूसरा बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार रहा। हाल के वर्षों में कई बड़े भ्रष्टाचार घोटाले सामने आए।

चीन ने कहा- भारत हमारा प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार है

■ पीटीआई, पेइचिंग

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को पेइचिंग में कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को 'कॉम्पिटीटर्स के बजाय साझेदार' और 'खतरे के बजाय अवसर' के रूप में देखना चाहिए। वांग ने कहा, दोनों देशों को बिना किसी हस्तक्षेप के संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा तय रास्ते का पालन करना चाहिए। मोदी और शी की पिछले साल अगस्त में सफल बैठक हुई थी। कहा, दोनों पक्षों को अच्छे पड़ोसी के संबंधों और दोस्ती को बनाए रखना चाहिए और सीमा से सटे इलाकों में शांति और स्थिरता की संयुक्त रूप से रक्षा करनी चाहिए और विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वांग ने कहा, एक-दूसरे के महत्वपूर्ण पड़ोसी और 'ग्लोबल साउथ' के सदस्य होने के नाते, चीन और भारत के बीच गहन सभ्यतागत संबंध हैं और वे व्यापक साझा हितों को साझा करते हैं।

> 'एक-दूसरे को खतरा नहीं, अवसर के रूप में देखें'

> चीन-भारत के बीच गहन सभ्यतागत संबंध है। आपसी सहयोग विकास के लिए फायदेमंद है। टकराव एशिया के लिए सही नहीं है। -वांग यी, चीन के विदेश मंत्री

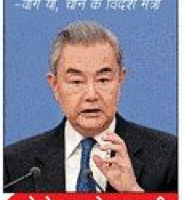

AP

बोले- सहयोग ज़रूरी

उन्होंने कहा, आपसी सहयोग दोनों देशों के विकास के लिए फायदेमंद है, टकराव एशिया के विकास के लिए हानिकारक है। भारत और चीन को 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन की मेजबानी में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। भारत इस साल मेजबानी करने वाला है, जबकि चीन 2027 में इसकी मेजबानी करेगा।

पाकिस्तानी सेना ने दागे गोले, अफगानिस्तान के मार्केट में लगी आग

IANS

■ आईएएनएस, काबुल

अफगानिस्तान के तोरखम इलाके में पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी के बाद एक बड़े कमर्शल मार्केट में आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक यह घटना रविवार तड़के करीब 4 बजे हुई, जब शहर की ओर कई गोले दागे गए और वे बाजार में गिर गए। तोरखम के मेयर मावलवी अब्दुल्ला मुस्तफा ने कहा कि गोलों के गिरने के बाद बाजार में आग लग गई, जो तेजी से कई दुकानों में फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों के साथ स्थानीय लोगों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग बुझाने के लिए चार फायर ब्रिगेड, म्युनिसिपल पानी के टैंकर और स्थानीय लोगों की मदद ली गई। मार्केट कॉम्प्लेक्स के मालिक के अनुसार, आग में 150 से ज्यादा दुकानें जलकर खाक हो गईं। इससे अफगानिस्तान को करीब 300 मिलियन का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे व्यस्त व्यापारिक रास्तों में से एक है, जहां से दोनों देशों के बीच सामान और लोगों की आवाजाही होती है।

'रोजी-रोटी पर खतरा': हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने सिहापसी इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है और कहा है कि सीमा पार से हो रही हिंसा से इलाके की रोजी-रोटी और व्यापार पर खतरा मंडरा रहा है।

कनाडा: 33 हजार विदेशियों को स्थायी निवास का कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट: कनाडा सरकार ने अस्थायी विदेशी कामगारों को स्थायी निवास (परमानेंट रेजिडेंस) देने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया है। TOI के अनुसार, इमिग्रेशन मंत्री लेना मेटलेज दीआब ने इसकी कहा कि इस योजना के तहत अगले दो वर्षों में जरूरत वाले क्षेत्रों में काम कर रहे लगभग 33 हजार कामगारों को स्थायी रेजिडेंस दिया जाएगा।

कनाडा में आईटी, हेल्थकेयर, ट्रकिंग, कंस्ट्रक्शन और सर्विस सेक्टर में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। नए कार्यक्रम के तहत इन सेक्टरों में काम कर रहे भारतीय अस्थायी वर्कर्स को परमानेंट रेजिडेंस मिलने का मौका बढ़ सकता है।

यह कार्यक्रम पहली बार नवंबर में घोषित किया गया था, लेकिन अब इसे लागू करना शुरू कर दिया गया है। मंत्री ने बताया कि अभी तक कितने लोगों को इसका लाभ मिला है, इसकी विस्तृत जानकारी अप्रैल में जारी की जाएगी।

AI Image

पंजाब: महिलाओं को हर महीने मिलेंगे ₹1000
97% महिलाओं को मिलेगी मदद, 13 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन, SC महिलाओं को ₹1500

■ पीटीआई, चंडीगढ़

पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार ने रविवार को पेश किए गए बजट में सरकार ने महिलाओं के लिए एक नई योजना का ऐलान किया है। इसके तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 या 1,500 रुपये भेजे जाएंगे। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने विधानसभा में साल 2026-27 का बजट पेश करते हुए बताया कि पंजाब की करीब 97 प्रतिशत वयस्क महिलाएं इस योजना के दायरे में आएंगी। इसके लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

चीमा ने कहा, सरकारी कर्मचारी (मौजूदा या रिटायर), पूर्व और मौजूदा सांसद/विधायक और इनकम टैक्स भरने वाले लोग इस योजना का लाभ नहीं ले पाएंगी। 'मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना' के तहत अनुसूचित जाति (SC) की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये मिलेंगे। अन्य सभी पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये मिलेंगे।

PTI

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने विधानसभा में बजट पेश किया।

> विश्व महिला दिवस के अवसर पर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपनी सबसे बड़ी गारंटी पूरी कर दी है। हमने जनता को जो-जो गारंटी दी थी, उसे पूरा किया है और आगे भी करते रहेंगे। - अरविंद केजरीवाल, संयोजक, AAP

विपक्ष बोला
'खोखला' बजट, जनता को धोखा

पीटीआई, चंडीगढ़: कांग्रेस ने महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक मदद देने के एलान को बहुत कम बताया है। विपक्षी नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, बजट सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए बड़े-बड़े वादों का पुलिंदा है, जबकि इसमें पंजाब की खराब आर्थिक हालत को सुधारने के लिए कुछ भी नहीं किया गया है।

ममदानी के घर के बाहर हंगामा, 6 हिरासत में

■ **पीटीआई, न्यू यॉर्क :** न्यू यॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के आवास के बाहर इस्लाम विरोधी प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़कने पर पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शन दक्षिणपंथी कार्यकर्ता जेक लैंग के नेतृत्व में हुआ था, हालांकि मेयर और उनकी पत्नी उस समय घर पर नहीं थे। इस दौरान एक समर्थक ने काउंटर-प्रदर्शनकारियों पर पेपर स्प्रे किया, जिससे झड़प शुरू हो गई। भीड़ में अंडे भी फेंके गए। एक प्रदर्शनकारी ने बोल्ट-स्क्रू से भरे धुआं छोड़ने वाले उपकरण फेंक दिए।

नॉर्वे में अमेरिका के दूतावास के बाहर धमाका

■ **आईएएनएस, ओस्लो:** नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में स्थित अमेरिकी दूतावास, ओस्लो के पास रविवार तड़के हुए जोरदार धमाके को लेकर पुलिस ने आशंका जताई है कि यह आतंकी हमला हो सकता है। हालांकि अधिकारियों ने कहा कि अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार धमाके में कोई घायल नहीं हुआ और केवल मामूली नुकसान हुआ है। संयुक्त जांच इकाई के प्रमुख फ्रोड लार्सन ने कहा कि शुरुआती अनुमान आतंकी हमले का है, लेकिन जांच अभी जारी है।

बांग्लादेश: मंदिर पर बम फेंका, चार लोग घायल

■ **NBT रिपोर्ट:** बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में एक मंदिर पर शनिवार शाम अज्ञात व्यक्ति ने बम फेंक दिया, जिससे पुजारी समेत चार लोग घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब मंदिर में पूजा चल रही थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर बैग लेकर मंदिर परिसर में आया और बम फेंककर फरार हो गया। पुजारी ने बम को हटाने की कोशिश की, तभी उसमें विस्फोट हो गया। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

> घायल हुए लोगों में मंदिर का पुजारी भी शामिल। जांच शुरू

अब फोटो छपवाने का मौका भी
खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. दिल्ली में किस लाइन पर रिंग मेट्रो कॉरिडोर पूरा हुआ है?
A. पिंक लाइन B. ब्लू लाइन C. येलो लाइन
2. चीन के विदेश मंत्री कौन है, जिन्होंने भारत-चीन को साझेदार के रूप में देखने की बात कही?
A. छिन गांग B. वांग यी C. ली कियांग
3. पंजाब के वित्त मंत्री कौन है, जिन्होंने महिलाओं को 1000 रु हर महीने देने का ऐलान किया?
A. भगवंत मान B. हरपाल सिंह चीमा C. प्रताप सिंह बाजवा
4. किस देश ने अस्थायी विदेशी कामगारों को स्थायी निवास देने का कार्यक्रम शुरू किया?
A. US B. न्यूजीलैंड C. कनाडा
5. न्यू यॉर्क के मेयर कौन है, जिनके घर के बाहर स्मोक बम फेंके गए?
A. बिल डी ब्लासियो B. एरिक एडम्स C. जोहरान ममदानी

कल के जवाब

A1 A. वोलोदिमीर जेलेंस्की A2 C. केपी ओली A3 C. बादशाह A4 B. ESA A5 C. विजिबल हेल्थ

लकी विनर्स

1. नवीन कश्यप, नई दिल्ली
2. पंकज भारद्वाज, दिल्ली
3. संगीता धूलिया, लखनऊ

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगाने वाले पर हमला

■ **NBT रिपोर्ट, प्रयागराज :** स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर कथित यौन शोषण का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर रविवार सुबह ट्रेन में हमला हो गया। पुलिस के मुताबिक, एक अनजान शख्स ने उन पर उस्तरे से हमला किया। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि आशुतोष रीवा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। अधिकारी के अनुसार, सुबह जब ट्रेन सिराथू स्टेशन के पास पहुंच रही थी, तब आशुतोष टॉयलेट गए थे। वहीं पर एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया।

इस हमले में आशुतोष को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

> प्रयागराज में शिकायतकर्ता को ट्रेन के टॉयलेट में निशाना बनाया

अजित पवार प्लेन क्रैश की जांच सवालों के घेरे में
इनवेस्टिगेशन ब्यूरो की रिपोर्ट विमान कंपनी की पैसिंजर क्रू स्लिप से मैच नहीं हुई

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पुणे के बारामती एयरपोर्ट पर रनवे के करीब 28 जनवरी को क्रैश हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में पहले से ही सवालों के घेरे में चल रही जांच में अब एक और पेच सामने आ रहा है। जांच एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने 8 फरवरी को रिपोर्ट जारी की थी। यह रिपोर्ट इस प्लेन की कंपनी वीएसआर वेंचर्स की पैसेंजर-क्रू लिस्ट से मैच नहीं कर रही है। AAIB ने रिपोर्ट में प्लेन में सवार पांच लोगों में से दो कॉकपिट क्रू, एक केबिन अटेंडेंट और दो पैसेंजर बताए हैं। कंपनी की लिस्ट में दो कैप्टन और तीन पैसेंजर बताए गए हैं। मामले में मैच नहीं कर रही जांच में एक्सपर्ट का भी कहना है कि यह गंभीर मामला है। इसकी जांच होनी चाहिए।

FILE

AAIB ने पैसेंजर को अटेंडेंट क्यों बताया?: वीएसआर वेंचर्स कंपनी की पैसेंजर लिस्ट में प्लेन में सवार पांच लोगों के नाम के साथ ब्योरा दिया गया है। इसमें क्रू में कैप्टन सुमित कपूर और कैप्टन शांभवी पाठक के नाम हैं। पैसेंजर नेम में महाराष्ट्र के दिवंगत अजित पवार, विदिप जाधव और पिंकी माली का नाम दर्ज है। इस लिस्ट में कहीं भी अटेंडेंट के तौर पर किसी का नाम दर्ज नहीं है, जैसा की एएआईबी ने अपनी रिपोर्ट में एक अटेंडेंट बताया है। ऐसे में एविएशन एक्सपर्ट मनोज का कहना है कि यह एएआईबी को ही बताना होगा कि वह पिंकी माली को अटेंडेंट मान रहा है या फिर पैसेंजर?

जब प्लेन की टेल नहीं जली तो CVR कैसे हो गया डैमेज?: एविएशन एक्सपर्ट अमित सिंह ने कहा, यह बात समझ से परे है कि जब क्रैश हुए प्लेन की टेल जली नहीं जली तो उसमें लगा कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) कैसे डैमेज हुआ? जबकि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (FDR) से डेटा सुरक्षित डाउनलोड हो गया। लेकिन, ब्लैक बॉक्स की असली जानकारी सीवीआर से ही मिलती। जिसे AAIB ने डैमेज बता दिया। अगर CVR का डेटा पूरी तरह से डाउनलोड नहीं हो पाया तो यह तो तय है कि इस क्रैश की सचाई कभी बाहर नहीं आ सकेगी। यह पता ही नहीं लग सकेगा कि असल में कॉकपिट में हो क्या रहा था। यह पता लगाने के लिए सीवीआर डेटा का होना बेहद जरूरी होता है। जिस पर एएआईबी इसके हाई टैंपरेचर से डैमेज होने की बात बोल रहा है।

प्लेन में बाद में लगाया गया था सीवीआर: जांच रिपोर्ट में यह भी पता लगा है कि सीवीआर इस प्लेन के निर्माण के वक्त इसमें नहीं लगाया गया था। बल्कि हनिवेल द्वारा निर्मित इस सीवीआर को इस प्लेन में तीन मई 2021 में लगाया गया था। इसमें दो घंटे की ही रिकॉर्डिंग हो सकती थी। जबकि इस प्लेन में लगा एफडीआर फैक्ट्री फिटिड था। एफडीआर को प्लेन में 2010 में लगाया गया था। एक्सपर्ट का सवाल है कि क्या प्लेन में CVR घटिया क्वालिटी का लगाया था। ब्लैक बॉक्स हाई टैंपरेचर के हिसाब से डिजाइन किए जाते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि जांच इस बात की भी होनी चाहिए कि जब वीएसआर ने इस प्लेन को इंपोर्ट किया था। तब यह कितने घंटे तक की फ्लाई कर चुका था। कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत में लाने पर इसे कम घंटे उड़ान दिखाया गया हो।

सोच-समझकर दिया राज्यपाल पद से इस्तीफा: आनंद बोस

■ **भाषा, कोलकाता:** पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को कहा कि उन्होंने सोच-समझकर पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया था और इसका कारण उचित समय आने तक गोपनीय रहेगा। कहा कि वह अपना वोट डालने के लिए बंगाल आएंगे। केरल के मूल निवासी बोस पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने से ठीक एक सप्ताह पहले ही बंगाल के मतदाता बने थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्य में कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन और आदिवासी उत्पीड़न पर व्यक्त की गई चिंता पर टिप्पणी करने के लिए पूछे गए सवाल पर, बोस ने प्रतिक्रिया देने से परहेज किया।

> बोस ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पद से इस्तीफा दिया है

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 03-07-2026 23:29 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 9 मार्च-15 मार्च 2026 > वर्ष 1, संख्या 10 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

निवेश का मोर्चा कैसे फतह करें महिलाएं?
पिछले 10-15 वर्षों में महिलाओं के निवेश और बचत करने के अंदाज में एक बड़ा बदलाव आया है।
देखें PG-2

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम क्यों होते हैं रिजेक्ट?
अगर पॉलिसी लेते वक्त आपने जानबूझकर अपनी कोई बीमारी छिपाई है, तो कि कंपनी क्लेम रिजेक्ट कर सकती है।
देखें PG-4

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

क्या गोल्ड-सिल्वर ETFs में निवेश का यह सही मौका है?

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों ने वैश्विक बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर 'सेफ हेवन' माने जाने वाले गोल्ड और सिल्वर ETFs की ओर बढ़ा है।

हालांकि, हालिया वॉलेटिलिटी ने चिंता भी पैदा की है। पिछले एक साल में सिल्वर ETF ने 175.38% और गोल्ड ETF ने 83.39% का शानदार रिटर्न दिया है, लेकिन पिछले एक महीने में दोनों ही निगेटिव दायरे में रहे हैं। नितिन केडिया ने सलाह दी है कि निवेशक भारी उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एकमुश्त निवेश के बजाय 'औसत लागत रणनीति' (Averaging Strategy) अपनाएं।

देखें PG-3

एक गलत चुनाव खाली कर सकता है आपका पेंशन फंड

रिटायरमेंट के समय सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि आपने कितना फंड जोड़ा, बल्कि यह है कि आप उसे निकाल कैसे रहे हैं। नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में जमा

बड़े कॉर्पस को निकालने के लिए दो मुख्य विकल्प मिलते हैं: SLW (सिस्टेमैटिक लम्पसम विड्रॉल) और SUR (सिस्टेमैटिक यूनिट रिडेम्प्शन)। इन दोनों के बीच का अंतर आपकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा तय करता है। SLW में आप हर महीने एक तय राशि निकालते हैं। वहीं, SUR में यूनिट्स के आधार पर निकासी होती है, जिसका सीधा असर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

देखें PG-4

काम की खबरें

AI Image

लगातार तीसरे साल EPF पर 8.25% ब्याज दर तय

हालिया प्रशासनिक और बैंकिंग फैसलों ने देश के निवेशकों और आम नागरिकों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव पेश किए हैं। इसमें EPFO की ब्याज दरें, SEBI की नई सुरक्षा व्यवस्था और HDFC बैंक के संशोधित नियम मुख्य आकर्षण हैं। EPFO ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भविष्य निधि (EPF) जमा पर 8.25% ब्याज दर बरकरार रखी है। यह लगातार तीसरा साल है जब दरें स्थिर हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने 'ऑटो-सेटलमेंट' सुविधा को मंजूरी दी है, जिसके तहत 1,000 रुपये तक के लावारिस खातों का निपटारा अपने आप हो जाएगा।

बैंकिंग फ्रॉड पर RBI सख्त, गाइडलाइंस जारी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को डिजिटल लेन-देन में ग्राहकों की सुरक्षा से जुड़ी नई गाइडलाइंस का एक ड्राफ्ट (मसौदा) जारी किया। इसके मुताबिक, अब बैंकों को न केवल शिकायतों का निपटारा तेजी से करना होगा, बल्कि ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड के मामलों में ग्राहकों को तुरंत मुआवजा भी देना होगा। इसमें खोई हुई रकम का 85% या ज्यादा से ज्यादा 25,000 तक का कवरेज दिया जाएगा। गाइडलाइंस 1 जुलाई से लागू होंगी।

HDFC ने MCLR दरें की कम, घटेगी लोन की EMI

HDFC बैंक ने अपने कर्जदारों को बड़ी राहत देते हुए Marginal Cost of Funds-based Lending Rates (MCLR) में 10 बेसिस पॉइंट्स (bps) तक की कटौती की है। इस फैसले का सीधा फायदा उन ग्राहकों को मिलेगा जिनका लोन MCLR व्यवस्था से जुड़ा है, जिससे उनकी मासिक किस्त (EMI) कम हो जाएगी। ये नई दरें 7 मार्च 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इस संशोधन के बाद, HDFC बैंक की MCLR दरें अब अलग-अलग समयावधि (Tenure) के लिए 8.15% से 8.55% के बीच रहेंगी। पहले ये दरें 8.25% से 8.60% के दायरे में थीं।

बड़ा सवाल- बेचें, खरीदें या मौजूदा निवेश बनाए रखें?

युद्ध के साये में बाजार की चाल कैसी?

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों से छिड़ी जंग ने भारतीय शेयर बाजार की नींव हिला दी है। पिछले एक हफ्ते में ही सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 3% की भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों के करीब 14 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। इस संकट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल (Crude Oil) की कीमतों में आया उछाल है, भारत अपनी जरूरत का 88% कच्चा तेल आयात करता है, जिसका आधा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। $93 प्रति बैरल के करीब पहुंच चुका क्रूड अब $100 के स्तर को पार करने का जोखिम पैदा कर रहा है।

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले से शुरू हुए युद्ध ने शेयर मार्केट को हिला दिया है। पिछले हफ्ते भर में ही सेंसेक्स और निफ्टी करीब 3% गिर गए। यह पिछले सालभर में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। निवेशकों को करीब 14 लाख करोड़ रुपये की चपत लग चुकी है। बड़ा सवाल यह है कि ऐसे में बिकवाली करें, निवेश बनाए रखें या इस गिरावट में कुछ खरीदारी करें?

पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग के चलते होरमुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। इसके चलते क्रूड ऑयल का भाव उछल गया है क्योंकि दुनिया में क्रूड ऑयल की कुल ढुलाई का 20% हिस्सा और LNG का भी करीब इतना ही हिस्सा यहीं से गुजरता रहा है। भारत के कुल क्रूड इंपोर्ट का करीब 50% हिस्सा भी यहीं से आता है। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 88% क्रूड ऑयल आयात करता है और इस साल की शुरुआत में 66-67 डॉलर पर रहा क्रूड ऑयल अब 93 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। इसके जल्द 100 डॉलर पार कर जाने का रिस्क बन गया है।

इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मनोरंजन शर्मा ने कहा, 'क्रूड ऑयल का भाव बढ़ने से महंगाई का दबाव बढ़ेगा। आयात की लागत ज्यादा होने से करंट अकाउंट डेफिसिट बढ़ सकता है और तमाम चीजों पर सब्सिडी को देखते हुए राजकोषीय घाटे पर असर दिख सकता है।' वित्त मंत्रालय ने भी लेटेस्ट मंथली इकनॉमिक रिव्यू में महंगाई बढ़ सकने की चिंता जताई है। उसने यह भी कहा है कि इस युद्ध का भारत पर असर लंबे समय तक बना रह सकता है।

कहां जाएगा शेयर बाजार?

- *जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ वी के विजयकुमार ने कहा, मिड टर्म में मार्केट की दिशा युद्ध से जुड़े घटनाक्रम से तय होगी। अगर होरमुज स्ट्रेट से आवागमन लंबे समय तक बाधित रहता है तो तेल और उछलेगा। इसका सीधा असर मार्केट पर पड़ेगा।*
- *ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, ब्रेंट क्रूड के भाव चढ़ने से महंगाई और करंट अकाउंट डेफिसिट बढ़ने का खतरा है। इससे **RBI** की ओर से रेट घटाने में देर हो सकती है। ऑटोमोबाइल्स, फाइनेंशियल्स और एनर्जी सेंसिटिव सेक्टरों पर दबाव बढ़ेगा।*
- *कोटक सिक्योरिटीज के VP अमोल अठावले ने कहा, 'मार्केट अभी शॉर्ट टर्म और मीडियम टर्म एवरेज से नीचे है। डेली चार्ट्स पर यह लोअर टॉप्स भी बना रहा है। वीकली चार्ट्स पर बेयरिश कैंडल बनने से मौजूदा स्तरों से और कमजोरी आने का संकेत भी मिल रहा है। ऐसे में लेवल-बेस्ड ट्रेडिंग ही ठीक रहेगी।*

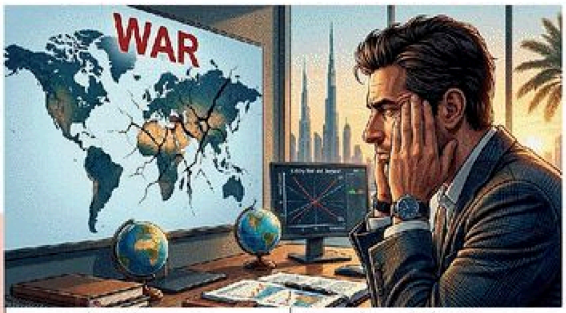

क्या करें निवेशक?

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, निवेशक सेफ हेवेन असेट्स की ओर मुड़ रहे हैं। सतर्कता बढ़ गई है। हमारी सलाह है कि ऐसे दौर में घबराहट में बिकवाली नहीं करनी चाहिए। लंबी अवधि के लक्ष्यों के हिसाब से अनुशासन बनाए रखें।

किन सेक्टरों के लिए प्लस

मौजूदा माहौल ऐसे सेक्टरों के लिए अनुकूल हो गया है, जिनमें क्रूड ऑयल के भाव चढ़ने से फायदा हो सकता है और युद्ध के हालात से जिनका बिजनेस मजबूत हो सकता है। इनमें क्रूड ऑयल का उत्पादन करने वाली कंपनियां हैं, तो सोलर और बैटरी सहित रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियां भी हैं।

किन सेक्टरों के लिए माइनस

जिन सेक्टरों में क्रूड ऑयल और इसके प्रोडक्ट्स का उपयोग कच्चे माल के रूप में होता है, उनके लिए चिंता बढ़ गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए भी स्थिति गड़बड़ है क्योंकि क्रूड चढ़ने से उनके प्रॉफिट मार्जिन पर आंच आएगी। वहीं, LNG की सप्लाई में दिक्कत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को तकलीफ देगी। LNG के बढ़ते भाव उर्वरक कंपनियों की दिक्कत भी बढ़ाएंगे। एविएशन सेक्टर के लिए भी चुनौती है क्योंकि विमानन कंपनियों की कामकाजी लागत में करीब 40% हिस्सा फ्यूल का होता है।

क्या कह रहे विशेषज्ञ?

सक्षम वेल्थ के समीर रस्तोगी ने कहा, 'मौजूदा हालात ONGC, OIL और वेदांता जैसे शेयरों के फेवर में हैं। सोलर और बैटरी सेगमेंट का भी फायदा मिल सकता है। हालांकि पेंट, FMCG, स्पेशियलिटी केमिकल्स, सिंथेटिक टेक्सटाइल्स, सेरामिक्स और फर्टिलाइजर्स जैसे सेक्टरों पर बुरा असर पड़ेगा क्योंकि इनमें क्रूड ऑयल और इसके प्रोडक्ट्स का ज्यादा उपयोग होता है।' जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के डॉ वी के विजयकुमार ने कहा, 'यह फाइनेंशियल्स, ऑटोमोबाइल्स, कैपिटल गुड्स और टेलीकॉम सेक्टरों के ब्लू चिप स्टॉक्स खरीदने का सही समय है।'

टेक्नॉलजी पर जोर, हौसले से भरपूर, ये हैं आज की निवेशिकाएं

कभी पुरुषों का गढ़ माने जाने वाले वित्तीय बाजार (Financial Market) की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। जहां तीन दशक पहले निवेश की शुरुआत करना एक चुनौती थी, वहीं आज देश के कुल 12.5 करोड़ निवेशकों में से हर पांचवा निवेशक एक महिला है। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के ताजा आंकड़े गवाह हैं कि महिलाओं की हिस्सेदारी अब 25% के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है।

फॉर्च्यून इंडिया की साल 2025 की लिस्ट में सबसे प्रभावशाली 50 महिलाओं में शामिल रहीं देविना मेहरा एक दिलचस्प बात बताती हैं। आज वह फाइनेंशियल वर्ल्ड का जाना-पहचाना चेहरा हैं और वह इस बात पर बहुत जोर देती हैं कि बचत और निवेश की शुरुआत जल्द से जल्द कर देनी चाहिए। हालांकि फर्स्ट ग्लोबल की फाउंडर और CMD मेहरा बताती हैं कि उन्हें तब इस बात का खयाल नहीं था, जब 1986 में IIM अहमदाबाद से पढ़ाई के बाद 21 साल की उम्र में उन्होंने काम शुरू किया था। करीब 3-4 साल बाद जाकर उन्होंने निवेश की शुरुआत की। लेकिन तब से लेकर आज तक दुनिया काफी बदल चुकी है।

NSE के आंकड़े बता रहे हैं कि साल 2023 में टोटल इनवेस्टर्स में निवेशिकाओं का हिस्सा 22.8% था। साल 2024 में 24.1% पर पहुंचा और अब कुल 12.5 करोड़ इनवेस्टर्स में निवेशिकाओं का हिस्सा 25% हो चुका है। Tradejini के COO त्रिवेश डी कहते हैं, '10-12 साल पहले देश में टोटल मार्केट पार्टिसिपेंट्स में महिलाओं की हिस्सेदारी सिंगल डिजिट में होती थी, आज वह 25-30% हो चुकी है। यह ग्रोथ मुख्य रूप से डिजिटल प्लैटफॉर्म्स के जरिए आई है। 22-35 साल तक की युवा महिलाएं मोबाइल ऐप्स के जरिए डीमैट अकाउंट खोल रही हैं, अपने फोन से SIP और रियल टाइम एनालिटिक्स के जरिए पोर्टफोलियो ट्रैक कर रही हैं।'

बदल रही सोच

Share.Market (PhonePe Wealth) के इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स हेड नीलेश नाइक कहते हैं, 'फोनपे वेल्थ में हम म्यूचुअल फंड्स में महिलाओं की भागीदारी में अहम बदलाव देख रहे हैं। वे ज्यादा आत्मविश्वास, अनुशासन और लंबी अवधि के नजरिए के साथ निवेश कर रही हैं। डिजिटल प्लैटफॉर्म्स से सहूलियत बढ़ने और निवेश की दुनिया में कदम रखने की बाधाएं घटने से महिलाएं आगे आ रही हैं।

सिर्फ राय नहीं, फैसला

एनारॉक ग्रुप के वीसी संतोष कुमार कहते हैं, 'आज महिलाएं आर्थिक रूप से ज्यादा सक्षम हैं और घर खरीदने में उनकी भूमिका केवल राय देने की नहीं है। एनारॉक के लेटेस्ट कंज्यूमर सेंटिमेंट सर्वे के मुताबिक, 90 लाख से ज्यादा के घर खरीदने वाली महिलाओं का हिस्सा साल 2019 में केवल 25% था और अब यह 61% हो गया। अभी 37% संभावित विमिन होमबायर 90 लाख से 1.5 करोड़ रुपये के घर लेना चाहती हैं।

टेक्नॉलजी का साथ

Tradejini के COO त्रिवेश डी ने कहा, 'ट्रेडजिनी पर हम निवेशिकाओं को अपने लक्ष्य के हिसाब से निवेश करते हुए और ETF चुनते देख रहे हैं। वे डेरिवेटिव्स लर्निंग मॉड्यूल्स में भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। पैसिव पार्टिसिपेशन नहीं रह गया है। अब महिलाएं पूरी जानकारी के साथ और आंकड़ों के आधार पर निवेश कर रही हैं।' त्रिवेश डी कहते हैं, '70% से ज्यादा निवेशिकाएं आज स्वतंत्र रूप से वित्तीय फैसले कर रही हैं। हर चौथा नया डीमैट अकाउंट महिलाएं खोल रही हैं। कोविड के बाद यह पैटर्न बढ़ा है।

क्रिप्टो पर दांव

Mudrex के CEO एडुल पटेल कहते हैं, 'पिछले दो साल में हमारे यहां निवेशिकाओं की संख्या 6 गुनी हो गई है। निवेशिकाओं में 25-34 साल तक की महिलाओं का हिस्सा 48% तक है। इनमें ज्यादातर यंग प्रोफेशनल्स और फर्स्ट टाइम वेल्थ क्रिएटर्स हैं, जो परंपरागत निवेश के पूरक के रूप में डिजिटल असेट्स पर दांव लगा रही हैं। इनमें से कई ऐसी हैं जो पहली बार स्वतंत्र रूप से निवेश कर रही हैं। निवेशिकाओं की तेजी से बढ़ती संख्या भारत के डिजिटल फाइनेंस लैंडस्केप में एक बड़े बदलाव का संकेत है। हालांकि निवेशिकाएं अब भी मुख्य रूप से शहरी इलाकों से हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 03-07-2026 22:47 Color:

बचत और निवेश का मोर्चा कैसे फतह करें महिलाएं?

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही महिलाएं निवेश की दुनिया में भी पीछे नहीं है, लेकिन कुछ मिथ या पूर्वाग्रह अब भी ऐसे है, जिन्हे तोड़ने की ज़रूरत है। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर फर्स्ट ग्लोबल की फाउंडर और फॉर्च्यून इंडिया की साल 2025 की 50 सबसे प्रभावशाली भारतीय महिलाओं की लिस्ट में शामिल रही देविना मेहरा और देश में म्यूचुअल फंड बिजनेस शुरू करने वाली पहली महिला और द वेल्थ कंपनी की फाउंडर मधु लुनावत ने दी राय। पेश है अखिलेश प्रताप सिंह से इन एक्सपर्ट्स की बातचीत के मुख्य अंश...

'लड़कियो, अपना पैसा अब खुद संभालो'

देविना मेहरा
फाउंडर एवं CMD, फर्स्ट ग्लोबल

पर्सनल से सवाल, सबके काम के जवाब

1 ऐसी आदत, जिस पर आपका सबसे ज्यादा जोर हो?
समय की वैल्यू का ध्यान रखना।

2 एक बात, जिसकी सलाह आप देती है, पर उस पर खुद अमल नहीं किया?
इन्वेस्टमेंट जल्द शुरू करना चाहिए, लेकिन मैंने 21 की उम्र में काम शुरू किया और 3-4 साल तक निवेश नहीं किया था।

3 अगर किसी एक वित्तीय शब्दावली को हमेशा के लिए हटाना हो, किसे हटाएंगी?
बाय एंड फॉरगेट। कम से कम स्टॉक्स के मामले में तो यह बात ठीक नहीं है।

4 निवेश के बारे में सबसे बेतुकी सलाह, जो आपके सामने आई हो?
यंग है तो 100% इक्विटी में लगाएं और रिटायर होने पर 0% कर दें। दोनों ही गलत है। अब लाइफ एक्सपेक्टेंसी बढ़ गई है। 60 साल में रिटायर हो रहे है तो आगे के 20-30 साल के लिए बजट देखना है। ऐसे में जीरो पर्सेंट इक्विटी में नहीं हो सकते। यंग एज में 100% इक्विटी में भी नहीं होना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि आप अच्छी नौकरी कर रहे हो, लेकिन अगर जॉब छूट जाए या आपको आगे पढ़ना हो या कुछ मेडिकल इमर्जेंसी आ गई, तो उसके लिए तुरंत पैसा चाहिए। इसलिए इक्विटी में भी कभी 100% नहीं होना चाहिए।

5 ऐसा लग्जरी खर्च, जिससे खुद को रोकना आपके लिए मुश्किल हो?
घूमना-फिरना, अच्छा खाना और किताबें।

Q महिलाओं के लिए फाइनैंशल फ्रीडम का क्या मतलब है?
एक बात है पैसे कमाना, दूसरी है उसे मैनेज करना। आज भी कमाई करने वाली अधिकतर महिलाएं अपना पैसा खुद मैनेज नहीं करतीं। इस बारे में निर्णय घर के पुरुष लेते है, चाहे पिता हों, भाई हों या हसबैंड हों। यह बात प्रफेशनली बहुत सीनियर महिलाओं में भी मैंने देखी है। पैसे कमाना ही काफी नहीं है। जब तक आप अपना पैसा खुद नहीं संभाल रहीं, तब तक वित्तीय रूप से स्वतंत्र नहीं हैं। काफी महिलाएं घर के बाहर काम नहीं करतीं। उनको न तो श्रेय मिलता है और न ही पैसे। कई महिलाओं को लगता है कि उन्हें पैसे संभालना नहीं आता। इसकी बड़ी वजह यह है कि अधिकतर परिवारों में पैसे की बातचीत बेटों के साथ जितनी होती है, बेटियों से उतनी चर्चा नहीं होती। बड़े बिजनेस परिवारों में भी ऐसा होता था। आज भी ऐसे कई दिग्गज परिवारों की बेटियों के नाम काफी लोगों को मालूम नहीं होंगे।

Q किस तरह की चुनौतियां आप देखती हैं?
पत्नी चाहे कामकाजी हो या केवल घर के काम संभालने वाली, पैसे के बारे में पति से पूछने और पैसा मैनेज करने में संकोच नहीं होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि पत्नी विधवा हो गई और उसे पता ही नहीं कि सेविंग्स कहां है, निवेश कहां है। कई बार शादी नहीं चलती और पति कहता है कि सब कुछ मैंने कमाया है तो तुम्हें क्यों दूं? कई महिलाएं बच्चों की देखभाल की जरूरत या पति के दबाव में अपना करियर छोड़ देती हैं। लंबे समय की फाइनैंशल सुरक्षा के लिहाज से यह बहुत बड़ा असर डालने वाला फैसला होता है। बच्चों के लिए भी छोड़ रहे है तो देखिए कि यह जरूरत 5-7 साल की होती है, लेकिन इसके लिए 30 साल का करियर छोड़ दिया। इसे बिना सोचे-समझे नहीं करना चाहिए।

एक खास चीज है कि शेयरों में निवेश करने में कुछ मौकों पर नुकसान भी होता है। महिला के निवेश करने पर ऐसा हो जाए तो परिवार के लोग और वह खुद भी कहती है कि उसने बेवकूफी कर दी, लेकिन पुरुष के बारे में महिला ऐसा शायद ही कहती है। निवेश और रिटर्न के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि महिलाओं के रिजल्ट बेहतर होते है। लेकिन आमतौर पर पुरुष इस बारे में ज्यादा कॉन्फिडेंट तरीके से बातें करते है। एक और अहम बात यह है कि उत्तराधिकार से लेकर जो भी कानूनी हक लंबे संघर्षों से मिले है, महिलाओं को उन्हें छोड़ना नहीं चाहिए। मेरा मैसेज यही है कि लड़कियों अपना पैसा खुद संभालो।

Q यंग वर्किंग महिलाओं को सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट के बारे में क्या सलाह है?
- नौकरी लगते ही निवेश की शुरुआत करें। 60 साल की उम्र के लिए अगर किसी रकम का लक्ष्य बनाया है और उसे पाने के लिए 25 साल की उम्र के बजाय 30 साल में निवेश शुरू करेंगी, तो दोगुने से शुरुआत करनी पड़ सकती है। कई लोग कहते है कि अभी तो तनख्वाह इतनी कम है कि कोई बचत नहीं हो पाएगी। मेरी सलाह है कि जितना भी हो, बचत की शुरुआत कीजिए और जब भी इंक्रीमेंट या बोनस मिले, उसे सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट में लगाइए।
- सिर्फ सेविंग्स से काम नहीं चलता। ठीक से निवेश करना होता है। महिलाओं के पोर्टफोलियो देखने से पता चलता है कि वे रिस्क लेने से बचती है। सारा पैसा या तो FD या PPF टाइप चीजों में होता है। अगर केवल बैंक में पैसा है और साल में 1 लाख रुपये की सेविंग्स हो रही है तो 30 साल में वह 75 लाख रुपये के करीब होगा। लेकिन अगर ऐसे प्रोडक्ट में लगाएं, जिसमें 9.5% के करीब कंपाउंडिंग मिले, तो 30 साल में यही पैसा लगभग 1.6 करोड़ रुपये तक हो सकता है। अगर 12-12.5% से कंपाउंडिंग हुई तो यह 3 करोड़ रुपये हो सकता है। इसी तरह केवल शेयरों या क्रिप्टो में भी पैसा नहीं लगाना चाहिए। सोच-समझकर असेट अलोकेशन करें और उसको बार-बार छेड़िए मत। यंग एज में ऐसी सलाह भी मिलती है कि पूरा पैसा इक्विटी में लगा दो। यह गलत सलाह है क्योंकि किसी को नहीं पता कि इक्विटी में 2-3 साल में क्या होगा। इसलिए शेयरों में वही पैसा लगाएं, जिसकी आपको 8-10 साल में जरूरत नहीं पड़ने वाली हो। यंग है तो 70% तक इक्विटी में निवेश कर सकती है।
- अपने पोर्टफोलियो का रिव्यू कीजिए। शेयर, डेट, रियल एस्टेट, क्रिप्टो वगैरह में कहां कितना निवेश है, इसे समय-समय पर देखते रहें। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट भी करना चाहिए। लॉन्ग टर्म प्लानिंग के लिहाज से यह अच्छा है। मल्टी-बैगर या किसी मैजिक फॉर्मूले के पीछे मत भागिए। अपने लक्ष्यों के हिसाब से असेट एलोकेशन ठीक रखें। शेयर बाजार में निवेश मनोरंजन के लिए या वट्सऐप ग्रुप में चर्चा या पार्टी गॉसिप के लिए न करें, जैसा कि कई पुरुष करते है।

Q जो महिलाएं केवल घर संभाल रही है, उनके लिए आपकी क्या सलाह है?
- अगर आप घर से बाहर काम नहीं कर रही है और पति कमा रहे है, तो भी कुछ पैसा आपके अकाउंट में आना चाहिए। यह बात शादी के पहले-दूसरे साल में तय हो जानी चाहिए। बाद में ऐसा करना ज्यादा मुश्किल हो जाता है। शुरू में लग सकता है कि इसे बहस का मुद्दा क्यों बनाएं, लेकिन फाइनैंशल सिक्योरिटी के लिए यह जरूरी है।
- दूसरी बात यह है कि थोड़ी-थोड़ी बचत जरूर किया करें। लेकिन किसी दोस्त-मित्र या रिश्तेदार की सलाह पर निवेश का फैसला न करें। हाउसवाइफ्स को यह लग सकता है कि अगर समय है तो क्यों न फुल टाइम स्टॉक मार्केट में ट्रेड करें और पैसा बनाएं। ऐसी सलाह खतरनाक होती है। ट्रेनिंग कोर्स करके डे ट्रेडर बनने की सलाहें भी आती है। इनसे बचना जरूरी है। अच्छे फाइनैंशल एडवाइजर से सलाह लेना ठीक रहता है।
- यह सलाह एक तरह से कामकाजी और हाउसवाइफ्स, दोनों के लिए है। कई घरों में ऐसा होता है कि जो महीने का खर्च है, वह तो महिलाओं की तनख्वाह से चल रहा है और जो असेट बन रहे है, वे पुरुष के नाम पर बन रहे है। अगर आप विवाहित है, तो सभी असेट पति के साथ आपके नाम पर भी होने चाहिए, जॉइंट रूप से।

'कमाई बढ़ाने के लिए नई चीजें सीखें'

Q महिलाओं के लिए फाइनैंशल फ्रीडम आपकी नजर में?
किसी के बैंक अकाउंट में कितने पैसे है, फाइनैंशल फ्रीडम को केवल इस तरह नहीं देखा जाना चाहिए। वित्तीय आजादी तब होगी, जब आप किसी चीज 'नहीं' कह सकें। यह आपको शक्ति देती है कि आप किसी जॉब, रिश्ते या किसी ऐसी स्थिति से आसानी से निकल सकें, जो आपके अनुकूल न रह गई हो। कई बार रुपये-पैसे से जुड़ी बाधाएं रास्ते में आती है। ऐसे में फाइनैंशल फ्रीडम का मतलब उस आत्मविश्वास से भी है, जो आपको अपनी शर्तों पर अपनी जिंदगी तय करने की ताकत देती है। लंबे अरसे से हम सबको पैसे को मुश्किल दिनों में सहारा देने वाली चीज के रूप में बताया जाता रहा है। मैं इसे एक लॉन्च पैड की तरह देखती हूं। यह हमारी महत्वाकांक्षा का ईंधन है, अपनी विरासत बनाने और समाज में अपना असर छोड़ जाने का जरिया है। वित्तीय स्वतंत्रता लाखों-करोड़ों रुपये रखने के साथ इस बात का भी मामला है कि आपके पास कितने विकल्प है। असली वित्तीय स्वतंत्रता इसमें है कि अपना रास्ता खुद चुन पाने की क्षमता है या नहीं।

Q महिलाओं के बचत और निवेश के पैटर्न में किस तरह के बदलाव दिख रहे है?
बदलाव हो रहा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि महिलाएं बिना सोचे-समझे या लापरवाही में रिस्क उठा रही है। महिलाएं अब जो करने लगी है, वह इसी बात का विस्तार है कि वे हमेशा ही लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर रही है। भारत में किसी भी महिला को आप देखिए। वह घर में निवेश करती है। अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश करती है। वह सोने में निवेश करती है, लेकिन गहनों के रूप में नहीं, बल्कि लंबे समय के वैल्यू स्टोर के रूप में। ये सब लॉन्ग टर्म असेट्स ही तो है। महिलाओं का स्वभाव कभी भी स्पेक्युलेशन वाला नहीं रहा है। मार्केट में इधर-उधर दांव लगाने के बजाय यह सुरक्षा पर ध्यान देने का नजरिया है। यही हमारा DNA है।

असली बदलाव यह है कि महिलाएं लंबी अवधि के निवेश वाले इसी अनुशासित नजरिए के साथ अब फाइनैंशल मार्केट्स में आ रही है। पहले वे मुख्य रूप से केवल रियल एस्टेट और गोल्ड पर फोकस करती थीं, अब वे शेयरों, म्यूचुअल फंड्स और सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट्स को भी अपना रही है। लेकिन इसमें भी खास बात है। ज्यादातर महिलाएं डे-ट्रेडिंग नहीं कर रही है। वे हॉट टिप्स के पीछे नहीं भाग रहीं। वे SIP कर रही है और 10, 15, 20 साल के लिए निवेश कर रही है। यह है आज की निवेशिका।

Q किस तरह की चुनौतियां है?
करीब 75% SIP बीच में ही रोक दिए जाते है और ऐसा इसलिए नहीं होता कि महिलाओं में अनुशासन नहीं है। ऐसा मुख्य रूप से शेयर बाजार में अचानक हुई हलचल, घबराहट और वित्तीय समझ कम होने के चलते होता है। महिलाएं स्वभाव से ही अनुशासित होती है। उन्हें केवल सही गाइडेंस और कॉन्फिडेंस की जरूरत है कि वे अपनी सोच पर भरोसा कर सकें।

अभी दिख रहा बदलाव तब और तेजी से बढ़ेगा, जब हम महिलाओं के सामने फटाफट मोटा रिटर्न कमाने के आइडिया बेचना बंद कर देंगे। इसके बजाय हमें उन बातों को महत्व देना होगा, जो करने में वे माहिर है। यानी एक उद्देश्य के साथ धीरज बनाए रखते हुए लंबी अवधि के लिए संपत्ति बनाने के रास्ते पर चलना। महिलाओं को यह नहीं सीखना है कि रिस्क कैसे लिया जाता है। उन्हें यह याद रखने की जरूरत है कि घर, शिक्षा और परिवार में निवेश करते वक्त उन्होंने हमेशा ही रिस्क लिया है। फाइनैंशल मार्केट्स में जरिया भले ही बदल गया हो, फिलॉसफी तो वही है।

Q कामकाजी महिलाएं सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट में किन 3 खास पहलुओं पर फोकस करें?
- अपने पैसे का हिसाब खुद रखें। आपका वित्तीय भविष्य आपकी जिम्मेदारी है। यह आपके पिता या पति की जिम्मेदारी नहीं है। आपने कमाया है तो उसे आप ही संभालें। खुद मेहनत करें। अपनी पे-स्लिप, टैक्स और निवेश को समझें। खुद फैसले करें। सबसे जरूरी चीज है कॉन्फिडेंस।
- कमाने की अपनी क्षमता बढ़ाएं। आपका वेतन वेल्थ बनाने का आपका सबसे बड़ा जरिया है। इसलिए खुद को बेहतर करने में लगातार निवेश करती रहें। नई स्किल्स सीखें। सर्टिफिकेशन हासिल करें। अपना वेतन बढ़ाने के लिए बातचीत करें। ज्यादा कमा सकने की आपकी क्षमता आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है। इसे यूं ही बेकार न पड़ा रहने दें।
- अपने अनुशासन को एक लय दें। आपमें संकल्प शक्ति है, यह अच्छी बात है। यह एक मजबूत आधार है। लेकिन ऐसा करें कि जिस दिन सैलरी आपके अकाउंट में आए, आपके इन्वेस्टमेंट्स खुद ब खुद वहां से तय जगहों पर चले जाएं। SIP सेट करें और लंबे समय के लिए उन्हें भूल जाएं।

Q गृहिणियां सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट में किन 3 खास पहलुओं पर फोकस करें?
- जो भी आपके पास है, उससे शुरुआत करें। घर के बजट से अगर आपने 500 रुपये बचाए है, तो उसी से शुरुआत करें। रकम महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण है आदत। शुरुआत करने और चीजों को अपने नियंत्रण में लेने से आगे की मजबूत राह बनती है। अपने नाम से बैंक खाता खोलें और वहां से पैसा भेजें।
- रुपये-पैसे की समझ बढ़ाने में मेहनत करें। किसी भी शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले अपनी नॉलेज में इनवेस्ट करें। आपको विशेषज्ञ बनने की जरूरत नहीं है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि महंगाई, कंपाउंडिंग और रिस्क जैसी चीजों का क्या मतलब है।
- रुपये-पैसे की दुनिया में एक बार को आपको उलझन हो सकती है, डर लग सकता है। महिला सलाहकार तलाशें, कोई 'MF दीदी', जो आपकी बातों को समझ सकें और आपके समझने लायक जुबान में अपनी बात करें। महिलाएं महिलाओं से कुछ अलग तरह से कनेक्ट करती है। वे आपको सेफ स्पेस देती है।

मधु लुनावत
फाउंडर, द वेल्थ कंपनी

पर्सनल से सवाल, सबके काम के जवाब

1 ऐसी आदत, जिस पर आपका सबसे ज्यादा जोर हो?
निवेश के मामलों में हमेशा अपने भरोसेमंद एडवाइजर/डिस्ट्रिब्यूटर से सलाह लेना।

2 एक बात, जिसकी सलाह आप सबको देती है, पर उस पर खुद पूरा अमल नहीं किया?
प्रॉपर असेट अलोकेशन। हालांकि मेरा पूरा पैसा AIF और MF में है।

3 अगर किसी एक वित्तीय शब्दावली को हमेशा के लिए हटाना हो, किसे हटाएंगी?
'प्लेइंग द मार्केट।' यह ऐसा शब्द है, जिससे लगता है कि इन्वेस्टमेंट किसी कसीनो या गेम ऑफ चांस का मामला है। वेल्थ क्रिएशन बहुत अनुशासित और लंबे समय तक चलने वाली प्रक्रिया है। आप किसी बिजनेस का एक हिस्सा खरीदते है और उसकी ग्रोथ में भागीदार बनते है। 'प्ले' शब्द उस कड़ी मेहनत और धीरज को हल्का बनाता है।

4 निवेश के बारे में सबसे बेतुकी सलाह, जो आपके सामने आई हो?
यह सलाह कि 'इस बार मार्केट अलग है। यह शेयर 3 महीनों में डबल हो जाएगा।' दरअसल यह सलाह नहीं, जुआ है। यह रिसर्च, फंडामेंटल्स और डिसिप्लिन को पूरी तरह नजरअंदाज करने की बात है। निवेश के बारे में जो सबसे खतरनाक सलाह होती है, वह हमेशा फटाफट और बिना मेहनत के मोटा रिटर्न मिलने की चाशनी में लपेटकर दी जाती है।

5 ऐसा लग्जरी खर्च, जिससे खुद को रोकना मुश्किल हो?
लग्जरी कारें।

अब 'पॉकेट मनी' नहीं! अपना पोर्टफोलियो खुद बना रही हैं महिलाएं

प्रीति कुलकर्णी
NBTwealth
@timesofindia.com

'मेरा पैसा, मेरी मर्जी और मेरा वक्त।' यह आज की आधुनिक भारतीय महिला का नया 'फाइनैंशल मंत्र' है। पिछले 10-15 वर्षों में महिलाओं के निवेश करने के अंदाज में एक बड़ा बदलाव आया है। अब वे सिर्फ घर का बजट ही नहीं संभाल रहीं, बल्कि अपनी वित्तीय आजादी (Financial Freedom), खुद की सेहत (Self-care) और सोलो इंटरनैशनल ट्रिप के लिए भी ठोस प्लानिंग कर रही है।

बदलती प्राथमिकताएं: बच्चों की शादी से रिटायरमेंट तक

पुराने समय में महिलाओं के वित्तीय लक्ष्य परिवार तक सीमित थे, लेकिन अब कहानी अलग है।

- **पुराना दौर:** बच्चों की शिक्षा और शादी के लिए बचत करना ही मुख्य लक्ष्य था।
- **नया अध्याय:** प्रियदर्शिनी मुले (संस्थापक, ARTHA Finplan) के अनुसार, अब महिलाएं करियर एडवांसमेंट, खुद का घर खरीदने और बिजनेस शुरू करने के लिए निवेश कर रही है। निसरीन ममाजी (संस्थापक, MoneyWorks Financial Services) कहती है, पहले महिलाएं बच्चों की शादी जैसे मील के पत्थरों के लिए निवेश करती थीं, लेकिन अब उनकी व्यक्तिगत वित्तीय स्वायत्तता (Autonomy) बढ़ रही है।

निवेश का अंदाज: सोने से ज्यादा ग्रोथ की चाहत

पहले महिलाएं सिर्फ सोने (Gold) और FD को सुरक्षित मानती थीं, लेकिन अब वे रिस्क लेती है।

- **बदलाव:** लक्ष्मी अय्यर (CEO, बजाज अल्टरनेट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट) का मानना है कि महिलाओं में यह भावना कम हो रही है कि निवेश का मैदान उनके लिए नहीं है।
- **SIP का जादू:** रचना मीना बोफिवर (संस्थापक, GrowYourNest.com) बताती है कि महिलाएं अब खुद म्यूचुअल फंड चुन रही है और SIP की रकम भी बढ़ा रही है।
- **सोने का नया रूप:** प्रीति राठी गुप्ता (संस्थापक, LXME) के मुताबिक, आज सवाल यह है कि पोर्टफोलियो में सोने का सही हिस्सा कितना हो।

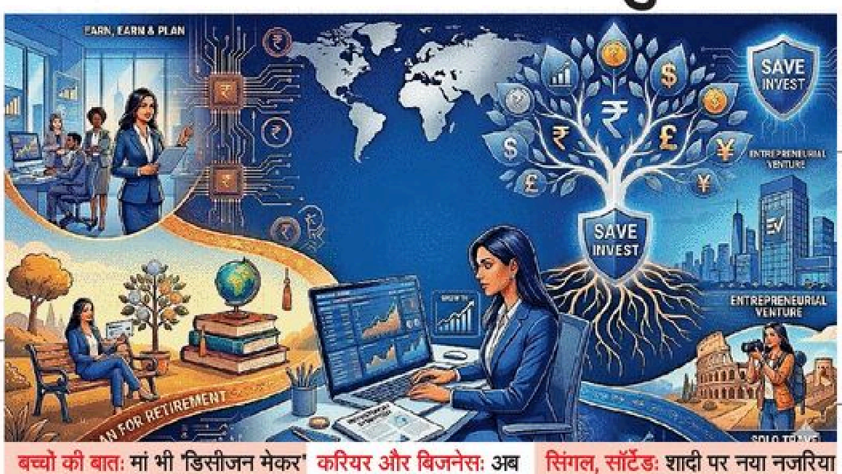

बच्चों की बात: मां भी 'डिसीजन मेकर'

शिक्षा के लिए फंड जुटाने में अब पिता के साथ मां का भी बराबर का हाथ है

- **नया ट्रेंड:** नियति शाह (वर्टिकल हेड, 1 Finance) कहती है कि महिलाएं अब न सिर्फ शिक्षा के लिए SIP शुरू कर रही है, बल्कि डॉलर की बढ़ती कीमतों से बचने के लिए ग्लोबल इक्विटी में भी निवेश कर रही है।
- **डेटा की बात:** ईशा दुबे (को-फाउंडर, EduFund) के अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर करीब 20% निवेश फोलियो अब माताओं के नाम पर है।

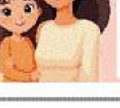

करियर और बिजनेस: अब मोलभाव में झिझक नहीं

नीति शर्मा (CEO, टीमलीज डिजिटल) के अनुसार, करीब 65% महिलाएं अब बेहतर सैलरी स्ट्रक्चर के लिए खुलकर बात करती है। देश के करीब 48% स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर या को-फाउंडर है।

सिंगल, सॉर्टेड: शादी पर नया नजरिया

NSO सर्वे के अनुसार, 29 साल तक की अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.5% (2011) से बढ़कर 20% (2019) हो गई है

- **वित्तीय चेकलिस्ट:** प्रीति जेंडे (संस्थापक, अपनाधन फाइनैंशियल सर्विसेज) सलाह देती है कि सिंगल रहने वाली महिलाओं को 6-12 महीने का इमरजेंसी फंड और खुद का स्वतंत्र हेल्थ कवर जरूर रखना चाहिए। उन्हें बच्चों की शादी के बजाय अपने रिटायरमेंट और घर खरीदने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

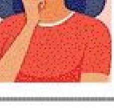

खुद पर खर्च जरूरी (Self-Care)

अब महिलाएं खुद की खुशी के लिए पैसे बचाने को 'फालतू खर्च' नहीं मानतीं। नियति शाह के अनुसार, महिलाएं अब सोलो ट्रिप या दोस्तों के साथ घूमने के लिए पहले से बजट बनाती है, न कि क्रेडिट कार्ड के कर्ज पर निर्भर रहती है।

मदरहुड और बचत (Life Planning)

मेट्रो शहरों में डिलिवरी का खर्च ₹1.5 लाख से ₹3 लाख तक पहुंच गया है। निसरीन ममाजी का कहना है कि आज की महिलाएं गर्भधारण से पहले ही 'मैटर्निटी फंड' और करियर ब्रेक के लिए फंड तैयार कर रही है। हालांकि, नियति शाह आगाह करती है कि कई महिलाएं अब भी करियर ब्रेक के दौरान होने वाले अप्रत्यक्ष नुकसान को नजरअंदाज कर देती है।

वसीयत और विरासत (Estate Plan)

महिलाएं अब संपत्ति में अपना हक और उसकी सुरक्षा समझ रही है। स्नेहा मखीजा (हेल्थ प्लानिंग, सैंक्टम वेल्थ) के अनुसार, महिलाएं अब खुद उत्तराधिकार (Succession) पर चर्चा शुरू कर रही है। रुपाली आसर (पार्टनर, लेगेसी ग्रोथ) कहती है कि दिसंबर 2025 के 'स्निग्धा मेहरा केस' में सुप्रीम कोर्ट ने भी महिलाओं को वसीयत बनाने की सलाह दी है ताकि उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे।

बड़ी सीख: हालांकि प्रगति हुई है, लेकिन अब भी कई महिलाएं बड़े फैसलों के लिए पुरुषों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का संदेश साफ है- सीखें, निवेश करें और अपनी वसीयत खुद लिखें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 03-07-2026 22:48 Color:

गोल्ड और सिल्वर ETFs: निवेश का सही फॉर्मूला

सुरक्षित निवेश की बढ़ी मांग

मिडिल ईस्ट मे बढ़ते संघर्ष के कारण निवेशक 'सेफ-हेवन' एसेट्स की ओर आकर्षित हो रहे है। पिछले एक साल मे सिल्वर ETF और गोल्ड ETF ने शानदार रिटर्न दिया है। मौजूदा माहौल सोने के पक्ष मे अधिक नजर आता है, जबकि चांदी पोर्टफोलियो मे एक सहायक की भूमिका निभा सकती है।

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

मिडिल ईस्ट मे बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल के बीच जारी संघर्ष ने दुनिया भर के निवेशकों को सुरक्षित निवेश की तलाश करने पर मजबूर कर दिया है। इस माहौल मे गोल्ड और सिल्वर ETFs एक बार फिर 'सेफ-हेवन' एसेट्स के रूप मे चमक रहे है।

83.39% रिटर्न दिया है गोल्ड ETF ने औसतन

175.38% औसतन रिटर्न दिया है सिल्वर ETF ने

ईरान पर US-इजराइल के हमलों के बाद बढ़ते जियोपॉलिटिकल टेंशन ने एक बार फिर इन्वेस्टर्स का रुझान लॉन्ग-टर्म सेफ हेवन एसेट्स कहे जाने वाले गोल्ड व सिल्वर की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही गोल्ड व सिल्वर ETF मे निवेशकों की दिलचस्पी भी बढ़ रही है। हालांकि उनकी कीमतों मे जारी उतार-चढ़ाव के चलते निवेशकों के मन मे यह सवाल है कि क्या उन्हें गोल्ड ETFs या सिल्वर ETFs की ओर जाना चाहिए? अगर जाना है तो आखिर अपने पोर्टफोलियो को गोल्ड या सिल्वर कॉम्बिनेशन मे किस तरह एलोकेट करना चाहिए।

भारी वॉलेटिलिटी से बनी चिंता

हालांकि पिछले एक महीने मे गोल्ड ETF ने 0.50% का नेगेटिव एवरेज रिटर्न दिया, जबकि सिल्वर ETF ने 23.43% का नेगेटिव एवरेज रिटर्न दिया। यह भी सही है कि पिछले एक साल मे, गोल्ड ETF ने औसतन 83.39% रिटर्न दिया, जबकि सिल्वर ETF ने 175.38% रिटर्न दिया। जानकारों का कहना है कि मिडिल ईस्ट मे बढ़ते तनाव की वजह से सेफ-हेवन एसेट्स की डिमांड मजबूत रहेगी और वॉलेटिलिटी भी जारी रहेगी। यही वजह है कि गुरुवार को सिल्वर और गोल्ड ETFs मे 5% तक की बढ़ोतरी भी हुई। इसके अलावा, कमजोर US डॉलर से भी कीमतों को सपोर्ट मिला, जिससे दूसरी करेंसी रखने वाले इन्वेस्टर्स के लिए बुलियन ज्यादा आकर्षक हो गया। मार्केट पार्टिसिपेंट्स के अनुसार, मौजूदा माहौल गोल्ड के फेवर मे है, हालांकि सिल्वर अभी भी पोर्टफोलियो मे कॉम्प्लिमेंट्री रोल निभा सकता है।

केडिया फिनकॉर्प के सीईओ नितिन केडिया कहते है, इस सप्ताह एक दिलचस्प समानता देखने को मिली है। सोमवार से हर दिन भारतीय समय के हिसाब से लगभग शाम 6:30 बजे अंतरराष्ट्रीय सोना बाजार मे बिकवाली देखने को मिल रही है। जब इस समय को अमेरिकी गोल्ड ईटीएफ के आंकड़ों के साथ मिलाकर देखा जाता है, तो वहां भी आउटफ्लो दर्ज हो रहा है। ऐसे मे एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है—जब दुनिया मे युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, तब अमेरिकी निवेशक सोना क्यों बेच रहे है? यह बाजार के लिए सोचने वाली बात है। अभी वजह निवेशकों का फ्यूल ट्रेजरी व इक्विटी मे कुछ पार्ट लगाने का माहौल दिख रहा है। ऐसे मे पोर्टफोलियो अलोकेशन पर ध्यान देना जरूरी है।

नितिन केडिया का मानना है कि ईरान-अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद सप्ताह की शुरुआत मे गोल्ड (और कुछ हद तक सिल्वर) ETFs मे तेज खरीद देखने को मिली। सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) की मांग बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार मे सोना सप्ताह के दौरान $5,400 के ऊपर तक गया, हालांकि 5 मार्च को यह करीब $5,156 के आसपास कारोबार करता दिखा। इसके बाद बाजार की चाल बदली। मध्य-पूर्व संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों मे उछाल ने महंगाई और ब्याज दरों को लेकर चिंताएं बढ़ाई। ऐसे माहौल मे तेल आयातक देशों की डॉलर जरूरत बढ़ती है, जिससे डॉलर इंडेक्स मजबूत होता है और सोने पर अल्पकालिक दबाव बनता है। इसी पृष्ठभूमि मे गोल्ड ETFs मे भी प्रॉफिट-बुकिंग का दौर दिखा—यानी तेज उछाल के बाद कुछ निवेशकों ने लाभ सुरक्षित किया। हालांकि यह जरूरी नहीं कि ट्रेंड बदल गया हो; कई बार यह शॉर्ट-टर्म री-सेट होता है, खासकर तब जब डॉलर भी उसी समय मजबूत हो रहा हो।

नितिन केडिया की सलाह है कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से बचने के लिए निवेशक एकमुश्त खरीद के बजाय औसत लागत की रणनीति अपनाएं।

क्या है गोल्ड और सिल्वर ETF?

गोल्ड और सिल्वर ETF ऐसे निवेश फंड होते है जो शेयर बाजार मे शेयर की तरह खरीदे और बेचे जाते है। जब कोई निवेशक गोल्ड या सिल्वर ETF खरीदता है, तो वह वास्तव मे सीधे भौतिक सोना या चांदी नहीं खरीदता, बल्कि उस धातु से जुड़े फंड मे हिस्सा लेता है। ये फंड आम तौर पर वास्तविक सोना या चांदी मे निवेश करते है और उनकी कीमत उसी धातु के बाजार भाव के अनुसार बदलती रहती है। हर यूनिट आम तौर पर लगभग एक ग्राम सोने के बराबर होती है।

कहां करें निवेश?
गोल्ड ETF या सिल्वर ETF

मिराए एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के ETF प्रोडक्ट और फंड मैनेजर हेड सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि बढ़े हुए जियोपॉलिटिकल स्ट्रेस के समय मे, गोल्ड ETF आमतौर पर प्राइमरी सेफ-हेवन के तौर पर काम करते है, जबकि सिल्वर ETF रिस्क-ऑफ मूव्स मे हिस्सा लेते है, लेकिन इंडस्ट्रियल डिमांड से ज्यादा प्रभावित होते है, इसलिए दोनो को होल्ड करने से स्टेबिलिटी और टैक्टिकल अपसाइड का बैलेंस मिल सकता है, हालांकि गोल्ड ETF मे तुलनात्मक रूप से ज्यादा एलोकेशन होना चाहिए।

एसेट एलिविजर के CFP और फाउंडर शिवम पाठक ने भी ऐसी ही राय दी, उन्होंने कहा कि जियोपॉलिटिकल लड़ाई मे, गोल्ड ETFs ज्यादा सेफ ऑप्शन है क्योंकि यह पूरी तरह से सेफ-हेवन एसेट है।

युद्ध और बाजार का सीधा संबंध: इतिहास बताता है कि जब भी भू-राजनीतिक संकट बढ़ता है, सोना अक्सर सेफ हेवन यानी सुरक्षित निवेश के रूप मे उभरता है। हालिया घटनाओं के बाद वैश्विक बाजारों मे सोने की कीमतों मे तेजी देखी गई, जबकि ऊर्जा बाजार मे भी हलचल बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल की कीमतों मे और तेजी आ सकती है, जिससे महंगाई का दबाव बढ़ेगा।

कितना हो पोर्टफोलियो एक्सपोजर?

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के हेड ऑफ रिसर्च - कमोडिटीज नवनीत दमानी कहते है, गोल्ड और सिल्वर दोनों के लिए कुल मिलाकर ट्रेंड पॉजिटिव बना हुआ है और एक स्टैंडर्ड एलोकेशन स्ट्रेटेजी की सलाह दी जाती है। रिस्क प्रोफाइल और समय के हिसाब से 10–15% का पोर्टफोलियो एक्सपोजर सही रहता है। गोल्ड और सिल्वर ETF मे मजबूत इनफ्लो देखा गया है, जिससे 2025 तक AUM मे लगातार बढ़ोतरी हुई है, जनवरी मे खासतौर पर गोल्ड ETF इनफ्लो इक्विटी ETF से ज्यादा हो गया। हालांकि जियोपॉलिटिक्स एक मुख्य कैटेलिस्ट रहा है, लेकिन सेंट्रल बैंक की लगातार खरीदारी, स्पेक्युलेटिव इंटरेस्ट, US इंटरेस्ट रेट की बदलती उम्मीदें, सेफ-हेवन डिमांड जैसे स्ट्रक्चरल ड्राइवर्स ने सेंटिमेंट को और सपोर्ट किया है।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Fund	Return
Quant Small Cap Fund(G)	21.48
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	21.39
Kotak Nifty PSU Bank ETF	21.34
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	20.04
Nippon India Small Cap Fund(G)	20.01

4 March 2016 to 4 March 2026 | % ANNUALISED RETURNS As on: 5 March 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Fund	Return
ICICI Pru Retirement Fund-Pure Equity Plan(G)	24.78
SBI Children's Fund-Investment Plan-Reg(G)	20.95
UTI Retirement Fund	11.59
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund	11.48
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	9.86

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN | % ANNUALISED RETURNS AS ON 5 March 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटेगरी मे रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले शीर्ष 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल	Return	फिसड्डी	Return
Nippon India Large Cap Fund(G)	17.76	PGIM India Large Cap Fund(G)	10.24
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	16.86	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.79
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	16.77	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	11.63
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	16.60	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	11.76
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	16.33	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	11.90

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल	Return	फिसड्डी	Return
HDFC Flexi Cap Fund(G)	20.78	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	1.15
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.52	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.08
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.38	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.79
Motilal Oswal Flexi Cap Fund	19.49	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.95
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.23	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.40

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल	Return	फिसड्डी	Return
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	25.24	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.44
Nippon India Growth Mid Cap	24.73	Quant Mid Cap Fund(G)	12.97
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	24.59	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	13.71
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	24.45	SBI Midcap Fund-Reg(G)	15.54
ICICI Pru Midcap Fund(G)	24.16	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.12

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल	Return	फिसड्डी	Return
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	27.53	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	11.59
Invesco India Smallcap Fund	22.52	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	11.76
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	22.29	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	12.68
Mahindra Manulife Small Cap	21.55	Kotak Small Cap Fund(G)	13.30
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.24	Canara Robeco Small Cap Fund-Reg(G)	14.62

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल	Return	फिसड्डी	Return
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	18.03	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	9.87
BOI Mid & Small Cap Equity Fund	17.83	Tata Aggressive Hybrid Fund	10.51
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.86	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	10.57
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	15.69	HDFC HybridEquityFund(G)(Adjusted)	10.57
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.59	ShriramAggressiveHybrid Fund	10.94

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 5 March 2026

गोल्ड-सिल्वर रैली के बाद स्मार्ट एग्जिट कैसे करें...

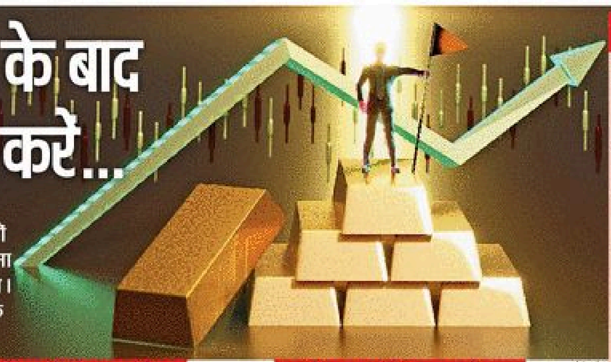

अभिनव कौल
Abhinav.Kaul@timesofindia.com

सोना और चांदी ने इस साल बड़े उतार-चढ़ाव और मजबूत रिटर्न दोनों दिए है। ऐसे माहौल मे सिर्फ यह देखना काफी नही कि लाभ हुआ या नुकसान। असली समझदारी यह है कि टैक्स के बाद आपके हाथ मे कितना बचा।

iStock

सोना-चांदी मे पिछले एक साल मे जोरदार तेजी देखने को मिली है। सोने ने लगातार मजबूती दिखाई, जबकि चांदी ने तेज रफ्तार से दौड़ लगाई और फिर उतनी ही तेजी से गिरावट भी देखी। ऐसे मे कई निवेशक बड़े मुनाफे मे है, तो कई हाल मे निवेश करने वाले नुकसान मे। वित्त वर्ष खत्म होने से पहले यह सही समय है कि निवेशक सिर्फ 'बेचना या होल्ड करना' ही न सोचें, बल्कि यह भी देखें कि टैक्स कैसे कम किया जा सकता है। सही तरीके से 'टैक्स हार्वेस्टिंग' अपनाकर आप मुनाफे का बड़ा हिस्सा अपने पास रख सकते है या नुकसान को भविष्य के टैक्स बचत मे बदल सकते है, वह भी अपनी लंबी अवधि की निवेश रणनीति बदले बिना।

सोना और चांदी: दो अलग तस्वीरें
पिछले कुछ महीनों मे चांदी मे काफी उतार-चढ़ाव रहा। इससे हाल मे निवेश करने वाले कई लोग नुकसान मे आ गए, जबकि पुराने निवेशक अभी भी अच्छे लाभ मे है। विशेषज्ञों के अनुसार, अभी दो तरह के निवेशक है- एक वे जिनके पास बड़ा मुनाफा है, और दूसरे वे जिनके पास बड़ा नुकसान है। यही अंतर टैक्स प्लानिंग के लिए मौका बनाता है।

मार्च आते-आते ज्यादातर निवेशक सालभर के कैपिटल गेन और कैपिटल लॉस का हिसाब लगाते है। ऐसे मे सोना और चांदी के फंड टैक्स हार्वेस्टिंग के लिए खास तौर पर उपयोगी साबित हो सकते है।

टैक्स कैसे लगता है?

टैक्स ट्रीटमेंट इस बात पर निर्भर करता है कि निवेश इन्वेस्टमेंट एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ETF) या फंड ऑफ फंड (FoF) के जरिए किया गया है। गोल्ड और सिल्वर ETF अगर आपने ETF 12 महीने से कम समय के लिए रखा है, तो टैक्स आपकी आयकर स्लैब के अनुसार लगेगा। अगर आपने 12 महीने से ज्यादा समय तक रखा है, तो इस पर 12.5% की दर से टैक्स लगेगा। अगर होल्डिंग 24 महीने से कम है, तो लाभ आपकी आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स होगा।

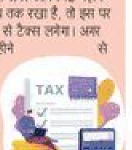

टैक्स हार्वेस्टिंग क्या है?

टैक्स हार्वेस्टिंग का मतलब टैक्स से बचना नहीं है, बल्कि टैक्स का असर कम करना है। यानी ऐसा तरीका अपनाना जिससे आपके निवेश पर टैक्स कम से कम लगे।

यह दो मुख्य तरीकों से काम करता है

1 लाभ को नुकसान से एडजस्ट करना
अगर आपने सोना या चांदी बेचकर लाभ कमाया है, तो उस लाभ को अपने पोर्टफोलियो मे कहीं और हुए नुकसान से समायोजित कर सकते है। उदाहरण के लिए, अगर आपको सोने मे 2 लाख रुपये का लाभ हुआ और शेयर बाजार मे 1 लाख रुपये का नुकसान है, तो आप उस नुकसान को लाभ से घटा सकते है।

2 पुराने नुकसान का उपयोग
पुराना शॉर्ट टर्म नुकसान, नए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म लाभ दोनों से एडजस्ट हो सकता है।

- **जिनके पास लाभ है, वे क्या करें?** अगर आप सोना या चांदी मे अच्छे मुनाफे पर बैठे है, तो टैक्स हार्वेस्टिंग से फायदा मिल सकता है। इससे आप कम टैक्स देकर ज्यादा लाभ अपने पास रख सकते है।
- **जिनके पास नुकसान है, वे क्या करें?** टैक्स हार्वेस्टिंग सिर्फ लाभ वालों के लिए नहीं है। अगर आप खासकर चांदी मे नुकसान मे है, तो यह मौका और भी उपयोगी हो सकता है।

समय का महत्व

टैक्स प्लानिंग मे टाइमिंग बहुत अहम है। म्यूचुअल फंड और ETF मे टैक्स तब तक नहीं लगता जब तक आप यूनिट बेचते नहीं। अगर लाभ बड़ा है, तो पूरा निवेश किस्तों मे बेचना बेहतर हो सकता है।

टैक्स कम करने के तरीके..

- **दो वित्त वर्षों मे निकासी:** पूरा निवेश एक साथ रिडीम न करें। आंशिक निकासी से टैक्स बोझ फैलाया जा सकता है।
- **नुकसान से लाभ समायोजित करें:** पोर्टफोलियो मे जहां नुकसान है, उसे लाभ से एडजस्ट करें।
- **पुराने नुकसान का उपयोग करें:** 8 साल तक कैरी फॉरवर्ड किए गए नुकसान का इस्तेमाल कर टैक्स कम करें।

टैक्स हार्वेस्टिंग से क्या फायदा?

लाभ पर कम टैक्स लगेगा। नुकसान बेकार नहीं जाएगा, भविष्य मे टैक्स बचाएगा। पोस्ट-टैक्स रिटर्न बेहतर होगा। आप अपनी लंबी अवधि की एसेट एलोकेशन बदले बिना टैक्स प्लानिंग कर सकते है। सावधानी भी जरूरी विशेषज्ञ मानते है कि टैक्स हार्वेस्टिंग को अलग रणनीति की तरह नहीं अपनाना चाहिए।

PF-NPS का कॉम्बो, जिसे चुनने के बाद कहीं और क्यों जाना

2 दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

EPF की निश्चितता और NPS की बेहतर रिटर्न क्षमता को मिलाकर बना कॉम्बो न केवल आपके निवेश को सुरक्षित रखता है, बल्कि शेयर बाजार के एक्सपोजर के जरिए महंगाई को मात देने वाला एक बड़ा फंड तैयार करने मे भी मदद करता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग कैसे हो, इस सवाल का जवाब प्राइवेट सेक्टर मे नौकरी करने वाले शुरू मे नहीं सोच पाते। इसके बावजूद उनके लिए रिटायरमेंट प्लानिंग कुछ हद तक खुद ब खुद हो जाती है। प्रॉविडेंट फंड उनकी पूरी करियर यात्रा का एक स्वाभाविक साथी होता है। इसे एम्प्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (EPFO) चलाता है, जिसने हाल ही मे लगातार तीसरे साल 8.25 फीसदी सालाना ब्याज देने की सिफारिश की है। EPFO के करीब साढ़े सात करोड़ ग्राहकों के लिए इसका रिटर्न टैक्स फ्री रहेगा। इसके मुकाबले पब्लिक सेक्टर बैंक इस वक्त फिक्स्ड डिपॉजिट पर करीब 6 फीसदी ब्याज दे रहे है, जिस पर टैक्स हर साल देना पड़ता है। प्रॉविडेंट फंड पर ज्यादा रिटर्न मिलने की वजह है। EPFO के पास जो निवेश योग्य रकम होती है, उसका 15 फीसदी तक शेयरों मे लगाया जा सकता है। हालांकि अब तक यह हिस्सा 10 फीसदी के करीब पहुंचा है। फिर भी खबरें बताती है कि EPFO के पास इतना सरप्लस है कि वो आने वाले बरसों मे 8.50 फीसदी ब्याज भी देने पर विचार कर सकता है। प्रॉविडेंट फंड के साथ पेंशन और इंश्योरेंस की सुविधा भी मिलती है। कई मामलों मे बेसिक सैलरी कम होने पर प्रॉविडेंट फंड मे योगदान कम होता है। इस स्थिति मे हम एम्प्लॉयर को वॉलंटरी प्रॉविडेंट फंड के तहत अतिरिक्त योगदान दे सकते है। इस फंड मे पैसा लॉक होता है, लेकिन गंभीर जरूरतों के लिए तुरंत मदद मिल सकती है।

आप प्रॉविडेंट फंड की जमा रकम का ब्याज हासिल कर ज्यादा समय नहीं काट सकते। जैसे-जैसे महंगाई बढ़ रही है और रहन-सहन का तरीका बदल रहा है, सिर्फ प्रॉविडेंट फंड के भरोसे बुढ़ापे के लिए मोटी रकम जोड़ पाना मुश्किल होता जा रहा है। इसीलिए समझदार निवेशक अब डबल-इंजन वाला रास्ता चुन रहे है। इसमे वे EPF की सुरक्षा और NPS (नैशनल पेंशन सिस्टम) से बेहतर रिटर्न की संभावनाओं को साथ जोड़ देते है। प्रॉविडेंट फंड बिना किसी रिस्क के एक तय ब्याज देता है, जो यह पक्का करता है कि रिटायरमेंट पर आपके पास एक तय रकम जरूर होगी। जो लोग जिंदगी मे रिस्क लेना कम पसंद करते है, उनके लिए यह निवेश का अचूक हथियार रहा है। जो लोग रिस्क ले सकते है, उनके लिए NPS अपना पैसा शेयर बाजार मे लगाने की छूट देता है। नई व्यवस्था के तहत कोई चाहे तो NPS का अपना पूरा पैसा शेयर बाजार मे लग सकता है। पुराने रिकॉर्ड बताते है कि NPS ने इतना रिटर्न दिया है, जो महंगाई को पछाड़ने मे आपकी मदद करता है।

प्रॉविडेंट फंड और NPS का मेल एक ऐसा पोर्टफोलियो बनाने के लिए है, जहां आपका पैसा सुरक्षित भी रहेगा, महंगाई से तेज बढ़ सकता है और टैक्स मे भी पूरी बचत होगी। अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग को खाने की थाली की तरह समझें। जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अलग-अलग पोषक तत्व चाहिए, वैसे ही पैसों के लिए भी विविधता जरूरी है। लेकिन यह तालमेल आपकी उम्र के साथ बदलना चाहिए। यूं तो शेयर बाजार का एक्सपोजर लेने के लिए म्यूचुअल फंडों का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन दोनों की लागत मे बड़ा फर्क है। एनपीएस मे फंड मैनेज करने का खर्च काफी कम होता है। दूसरे, इसमे पैसा लॉक इन मे होता है तो आप मार्केट की गिरावट से भयभीत होकर पैसे नहीं निकाल पाते। एनपीएस मे लॉक इन से कुछ दिक्कत है तो उसका भी उपाय है। इसमे दो तरह के अकाउंट होते है। पेंशन के लिए जहां टीयर -1 अकाउंट है, वहीं टीयर-2 अकाउंट मे जमा पैसा आप कभी भी निकाल सकते है। इस तरह एनपीएस आपकी शॉर्ट और लॉन्ग टर्म, दोनों तरह की जरूरतों को पूरा करता है।

प्रॉविडेंट फंड और NPS का मेल एक ऐसा पोर्टफोलियो बनाने के लिए है, जहां आपका पैसा सुरक्षित भी रहेगा, महंगाई से तेज बढ़ सकता है और टैक्स मे भी पूरी बचत होगी।

लंबे समय का फायदा लेने के लिए करियर की शुरुआत मे ज्यादा से ज्यादा हिस्सा एनपीएस के जरिये शेयर बाजार (इक्विटी) मे रखा जा सकता है। मिड-करियर यानी 40 साल की उम्र के बाद दोनों के बीच बैलेंस बना सकते है। तब NPS मे इक्विटी कम कर सकते है। NPS साल मे चार बार इक्विटी को घटाने या बढ़ाने का मौका देता है। रिटायरमेंट के करीब आने पर जोखिम कम कर सकते है। NPS मे इक्विटी का हिस्सा घटाकर बॉन्ड्स मे शिफ्ट कर सकते है। रिटायरमेंट पर आप प्रॉविडेंट फंड का पूरा पैसा एक साथ निकाल सकते है और उस पर कोई टैक्स नहीं लगता। NPS मे आपको कुल पैसे का सिर्फ 20% हिस्सा पेंशन (एन्युटी) के लिए छोड़ना होगा, जिससे आपको हर महीने कमाई होती रहे।

देश मे जहां ज्यादातर लोग रिटायरमेंट के बाद दूसरों पर निर्भर हो जाते है, NPS + EPF का यह कॉम्बो सबसे करीब है आपको आत्मनिर्भर बनाने के लिए। रिटायरमेंट प्लानिंग ऐसे संतुलित निवेश पोर्टफोलियो के निर्माण के बारे मे है, जो कई दशकों तक बदलते आर्थिक चक्रों का सामना कर सके। कर्मचारियों को केवल अनिवार्य ईपीएफ मे योगदान करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने करियर की शुरुआत से ही एनपीएस पर भी विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 03-07-2026 22:48 Color:

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम क्यों होते हैं रिजेक्ट? समझिए प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज का नियम

बीमारी छिपाना यानी क्लेम अटकाना!

अभिषेक मिश्र
NBT wealth @timesofindia.com

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्शन से बचने के लिए प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज (PED) और मेडिकल हिस्ट्री का खुलासा करना जरूरी है। अक्सर बीमारी छिपाना 'तथ्य छिपाने' की श्रेणी में आता है।

इसके चलते इमरजेंसी के समय क्लेम खारिज हो सकता है। सुरक्षित भविष्य और मानसिक शांति के लिए पॉलिसी लेते समय पूरी ईमानदारी बरतना ही सबसे समझदारी भरा निर्णय है।

जयपुर के राकेश दो महीने पहले सड़क हादसा के शिकार हो गए थे। पहले उन्हें पास के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। मगर, बाद में बेहतर ट्रीटमेंट के लिए घरवाले उन्हें शहर के एक बड़े हॉस्पिटल में ले गए। परिवार को लगा कि उनका हेल्थ इंश्योरेंस है, तो कैशलेस इलाज हो जाएगा। लेकिन, उन्हें झटका तब लगा जब अस्पताल ने भारी-भरकम बिल देकर चुकाने के लिए कहा क्योंकि इंश्योरेंस कंपनी ने क्लेम रिजेक्ट कर दिया।

अक्सर इंश्योरेंस कंपनियां कहती हैं पॉलिसी लेने से पहले ग्राहक ने उन्हें पहले से हुई किसी बीमारी के बारे में नहीं बताया था। राकेश के मामले में भी ऐसा ही कुछ हुआ। बीमा कंपनी ने कहा कि राकेश लंबे समय से डायबिटीज और हाइपरटेंशन की दवा खा रहे थे, लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी नहीं दी। बीमा कंपनी ने आशंका जताई कि इस वजह से ही राकेश की तबीयत बिगड़ी होगी और वह हादसे का शिकार हुए होंगे।

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के इस नियम को लेकर पॉलिसीधारकों और कंपनियों के बीच आजकल काफी विवाद बढ़ रहे हैं। ग्राहक कंज्यूमर फोरम का रुख कर रहे हैं और कई बार फैसला उनके हक में आ रहा है, लेकिन ऐसे कई मामले हैं जो लंबे समय से लंबित हैं। फाइनैंशल प्लानिंग फर्म सहज मनी के संस्थापक और SEBI के रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट अडवाइजर (RIA) अभिषेक कुमार बताते हैं कि पॉलिसी लेने से पहले उसकी शर्तों को अच्छी तरह से पढ़ना चाहिए। जो बातें समझ नहीं आएं उसे तब ही इंश्योरेंस अडवाइजर या एजेंट से अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए। अभिषेक कहते हैं, 'अगर पॉलिसी लेते वक्त आपने जानबूझकर अपनी कोई बीमारी छिपाई है, तो हो सकता है कि कंपनी क्लेम रिजेक्ट कर दे। कई बार वेटिंग पीरियड के दौरान अगर आपको कोई बीमारी होती तब भी क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। कई बीमारियां पॉलिसी में कवर नहीं होती हैं, इसलिए पॉलिसी खरीदते वक्त इन बारीकियों का खास ध्यान रखना चाहिए।'

दि रिचनेस अकादमी के संस्थापक और और सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर (CFP) तारेश भाटिया समझाते हैं कि बीमारियों का खुलासा नहीं करना तथ्य छिपाने की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि अगर कंपनी को ऐसा लगता है कि आपने जानकर ऐसा किया है, तो वह आपका पूरा क्लेम रिजेक्ट कर सकती है।

क्या है नियम?

- बीमा नियामक IRDAI पॉलिसी लेने के दो साल पहले तक अगर आपको कोई बीमारी है तो वह प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज (PED) की श्रेणी में आएगी। आमतौर पर इन बीमारियों के लिए 2-4 साल का वेटिंग पीरियड होता है। यह पूरा होने पर ही बीमारी कवर हो सकती है।
- CA मनीष कुमार सिन्हा बताते हैं कि पिछले साल अप्रैल से सितंबर 2025 के करीब दो लाख हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम किए गए, जिनमें से करीब 30,000 खारिज कर दिए गए। इनमें से कई मामले प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज का खुलासा नहीं करने के कारण रिजेक्ट हुआ। मनीष कहते हैं, 'हम इसलिए इंश्योरेंस पॉलिसी लेते हैं ताकि इमरजेंसी में इलाज के खर्च को लेकर चिंता न रहे। लेकिन, यह तब बड़ी चिंता बन जाती है जब हमारी गलती के कारण कंपनी क्लेम ठुकरा देती है।'

क्या है PED?

- तारेश का कहना है कि किसी भी हेल्थ इंश्योरेंस में इंश्योरर प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज को काफी तवज्जो देते हैं। बीमा कंपनियों का सीधा कहना है कि अगर ग्राहक को पॉलिसी लेने से पहले किसी बीमारी का पता था या उसका इलाज चल रहा था, तो उसे पॉलिसी फॉर्म में इसकी जानकारी देना जरूरी होता है।
- तारेश का कहना है कि अक्सर विवाद तब होता है जब कंपनी दावा करती है कि बीमारी की जानकारी नहीं दी गई थी, लेकिन क्लेम किसी दूसरी वजह से किया गया है।
- मनीष बताते हैं कि ऐसे मामले में प्रॉक्सिमेट कॉज यानी निकटतम कारण का सिद्धांत लागू होता है। यदि छिपाई गई बीमारी और इलाज के बीच सीधा संबंध नहीं है, तो क्लेम खारिज करना उचित नहीं माना जाता।

अदालत से मिलता है न्याय

- हाल के वर्षों में कई ऐसे मामलों में उपभोक्ता फोरम और अदालतों से बीमाधारकों को राहत मिली है। न्यायालयों ने कई मामलों की सुनवाई के दौरान कहा है कि सिर्फ बीमारी न बताने के आधार पर क्लेम को खारिज नहीं किया जा सकता है।
- लीगल ऐड मेंटल हेल्थ असिस्टेंस (LAMHA) वेंचर की संस्थापक एडवोकेट शिवानी सिंह बताती हैं कि अब कई मामलों में कंज्यूमर फोरम भी डॉक्टरों की राय लेने लगे हैं।

> पॉलिसी लेते वक्त आपने जानबूझकर कोई बीमारी छिपाई है तो बीमा कंपनी क्लेम रिजेक्ट कर सकती है। इसलिए मेडिकल हिस्ट्री की पूरी जानकारी देना जरूरी है। **-अभिषेक कुमार, संस्थापक-सहज मनी**

> बीमा कंपनियां प्रीमियम तय करते समय उम्र और स्वास्थ्य जोखिम का आकलन करती हैं। बीमारी छिपाने से जोखिम का सही आकलन नहीं हो पाता और क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। **-मनीष कुमार सिन्हा, चार्टर्ड अकाउंटेंट**

> स्वास्थ्य बीमा का लाभ तब मिलता है जब पॉलिसी लेते समय पूरी ईमानदारी रखी जाए। जानकारी छिपाना बाद में महंगा साबित होता है। **-तारेश भाटिया, संस्थापक- दि रिचनेस अकादमी**

> कई बार लोग 20 साल से बीमार रहते हैं, लेकिन मामूली समझकर बताते नहीं। इंश्योरेंस में यह ग्रे एरिया है, इसलिए पॉलिसी लेते समय पूरी मेडिकल हिस्ट्री बताना जरूरी है। **-शिवानी सिंह, एडवोकेट**

काम की तारीखें

MF निवेशक अब खुद लॉक कर सकेंगे अपना फोलियो

AI Image

म्यूचुअल फंड निवेशकों के पैसे को और सुरक्षित बनाने के लिए बाजार नियामक सेबी (SEBI) ने एक बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने शुक्रवार को म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए 'वॉलंटरी डेबिट फ्रीज' (अपनी मर्जी से निकासी रोकने) की सुविधा पेश की है। यह सुविधा डीमैट और बिना डीमैट वाले दोनों तरह के फोलियो पर लागू होगी। इसका मकसद निवेशकों की डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत करना है। यह सुविधा 30 अप्रैल से शुरू होगी। यह सुविधा सिर्फ उन्हीं निवेशकों को मिलेगी जिनका KYC पूरा है, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है।

अहम क्यों?

- **सुरक्षा:** लॉक होने के बाद फोलियो से यूनिट्स तब तक नहीं निकलेंगी जब तक निवेशक उसे अनलॉक न कर दे।
- **कब से लागू:** 30 अप्रैल, 2026 से प्रभावी।
- **कैसे होगा काम:** शुरुआत में 'MF सेंट्रल' प्लेटफॉर्म के जरिए निवेशक अपना फोलियो लॉक कर सकेंगे।
- **किनके लिए:** डीमैट और नॉन-डीमैट (दोनों तरह के फोलियो के लिए)।

HDFC ने लॉकर के नियम किए सख्त

AI Image

कई बैंकों में चोरी की घटनाओं को देखते हुए HDFC बैंक ने अपने लॉकर के नियमों को और कड़ा कर दिया है। अब लॉकर ओनर के लिए इसे खोलने से पहले आधार से जुड़ा बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन (अंगूठे का निशान या स्कैन) अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा 1 अप्रैल से मेट्रो शहरों में छोटे लॉकर की सालाना फीस 5,000 रुपये होगी, जो अभी 2,250 रुपये है। वहीं बड़े लॉकर की फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है।

रिटायरमेंट के बाद NPS से निकासी SLW या SUR

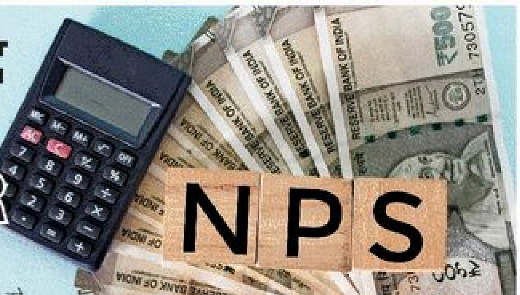

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

Gain Guide

एक गलत फैसला आपके पेंशन फंड को उम्मीद से ज्यादा तेजी से खाली कर सकता है। रिटायरमेंट के बाद सबसे अहम सवाल यह नहीं होता कि आपने कितना पैसा जमा किया, बल्कि यह होता है कि उसे कैसे निकाला जाए। एनपीएस में दशकों तक निवेश करने के बाद जब बड़ा कॉर्पस तैयार होता है, तब निकासी का तरीका खासकर 'सिस्टेमैटिक लम्पसम विड्रॉल' (SLW) और 'सिस्टेमैटिक यूनिट रिडेम्प्शन' (SUR) के बीच सही विकल्प चुनना बेहद जरूरी है।

निकासी के नियम: पहले समझें बुनियादी ढांचा

एनपीएस से निकासी का तरीका आपके कुल कॉर्पस पर निर्भर करता है।

- **अगर कॉर्पस ₹8 लाख या उससे कम है**
आप पूरी रकम एक साथ निकाल सकते हैं। चाहे तो लम्पसम लें या SLW, SUR जैसे विकल्प चुनें।
- **अगर कॉर्पस ₹8 लाख से ज्यादा और ₹12 लाख तक है**
₹6 लाख लम्पसम निकाल सकते हैं। शेष रकम को कम से कम 6 साल में SUR के जरिए निकालना होगा या उससे एन्युटी खरीदनी होगी।
- **अगर कॉर्पस ₹12 लाख से ज्यादा है** *(गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए)*
अधिकतम 80% तक लम्पसम, SLW या SUR के जरिए निकासी संभव है, लेकिन कम से कम 20% से एन्युटी खरीदना अनिवार्य है।
- *सरकारी कर्मचारियों के लिए सामान्य रिटायरमेंट पर कम से कम 40% राशि से एन्युटी खरीदना जरूरी है। एन्युटी का मतलब है बीमा कंपनी से आजीवन पेंशन योजना खरीदना, जिससे जीवन भर तय आय मिलती रहती है।*

नाम मिलते-जुलते, असर बिल्कुल अलग

*सीधी भाषा में समझें तो **SLW** तय सैलरी जैसा है, जबकि **SUR** शेयर बेचने जैसा है, जहां कीमत बदलती रहती है।*

SLW क्या है?
- SLW में आप हर महीने एक तय राशि निकालते हैं।
- मान लीजिए आपको हर महीने ₹50,000 चाहिए। बाजार ऊपर जाए या नीचे, आपको ₹50,000 ही मिलेंगे।

SUR क्या है?
- SUR में आप हर महीने तय संख्या में यूनिट बेचते हैं।
- यहां मिलने वाली रकम बाजार की 'एनएवी' यानी 'नेट असेट वैल्यू' पर निर्भर करती है।

उदाहरण से समझें पूरा गणित

- मान लीजिए रिटायरमेंट के समय आपके पास ₹1 करोड़ का कॉर्पस है।
- एनएवी ₹10 है, यानी आपके पास 10 लाख यूनिट हैं। आप हर महीने लगभग ₹50,000 निकालना चाहते हैं।

अगर आपने SLW चुना
- एनएवी ₹10 है, तो 5,000 यूनिट बेचनी होंगी।
- एनएवी ₹12 हो गया, तो लगभग 4,167 यूनिट बेचकर भी ₹50,000 मिल जाएंगे।
- एनएवी ₹8 हो गया, तो ₹50,000 पाने के लिए 6,250 यूनिट बेचनी पड़ेंगी।

अगर आपने SUR चुना
- हर महीने 5,000 यूनिट बेचेंगे।
- एनएवी ₹10 है, तो ₹50,000 मिलेंगे।
- एनएवी ₹12 है, तो ₹60,000 मिलेंगे।
- एनएवी ₹8 है, तो ₹40,000 मिलेंगे।
- यहां यूनिट तय है, लेकिन मिलने वाली रकम बदलती रहती है।

बाजार गिरा तो क्या होगा?

- SLW में बाजार गिरने पर ज्यादा यूनिट बेचनी पड़ती हैं। इसे 'सीक्वेंस रिस्क' कहा जाता है। अगर बाजार कमजोर रहा, तो आपका कॉर्पस तेजी से घट सकता है।
- SUR में यूनिट की संरचना सुरक्षित रहती है, लेकिन मासिक आय कम हो सकती है।

संक्षेप में कहें तो
- SLW आय को स्थिर रखता है, लेकिन कॉर्पस पर दबाव डाल सकता है।
- SUR कॉर्पस की यूनिट संरचना को बचाता है, लेकिन आय में उतार-चढ़ाव लाता है।

SLW चुनें अगर
- आपके पास दूसरी नियमित आय नहीं है।
- हर महीने तय खर्च है, जैसे ईएमआई या मेडिकल बिल।

SUR चुनें अगर
- आपके पास किराया, पेंशन या डिविडेंड जैसी अतिरिक्त आय है।
- आप बाजार के उतार-चढ़ाव को झेल सकते हैं।

टैक्स का पहलू भी समझें

- एनपीएस से कुल 60% तक निकासी टैक्स-फ्री है।
- अगर 80% तक निकालते हैं, तो अतिरिक्त 20% उस साल की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स योग्य होगी। SLW निकासी को समय के साथ फैलाता है।

आय में अंतर, कैसे निपटें?

- अगर आप SUR चुनते हैं, तो विशेषज्ञ 'बकेट स्ट्रैटेजी' अपनाने की सलाह देते हैं।
- इसका मतलब है कि 6 से 12 महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम बचत खाते में रखें। इससे बाजार गिरने पर आपको कम कीमत पर यूनिट नहीं बेचने होंगे।

रिटायरमेंट में रणनीति जरूरी

- रिटायरमेंट के बाद निकासी का तरीका सिर्फ तकनीकी फैसला नहीं है, यह आपकी पूरी जीवनशैली और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा है।
- अगर आपको हर महीने तय आय चाहिए तो SLW बेहतर हो सकता है।
- अगर आप आय में उतार-चढ़ाव झेल सकते हैं और पूंजी बचाना चाहते हैं तो SUR उपयोगी हो सकता है।
- *एक गलत विकल्प, खासकर बाजार गिरावट के समय, आपके एनपीएस कॉर्पस को उम्मीद से ज्यादा तेजी से घटा सकता है। इसलिए निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं को समझें और जरूरत पड़े तो विशेषज्ञ सलाह लें। यही समझदारी आपकी रिटायरमेंट को सचमुच सुरक्षित बनाएगी।*

कमाई पर टैक्स कितना लगेगा और मैं टैक्स कैसे बचा सकता हूं?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई भी सवाल आपके मन में है, तो हमें भेजिए। हमारे एक्सपर्ट उसका सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में देंगे।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth @timesofindia.com

Q यूट्यूबर की आय पर टैक्स कैसे लगता है? मुझे क्रिप्टोकरंसी में निवेश से लाभ हुआ है। कितना टैक्स देना होगा? क्या पिछले नुकसान की भरपाई इस लाभ से की जा सकती है?
- राजू पासवान, गाजियाबाद

क्रिप्टोकरंसी से होने वाली आय पर 30% की दर से टैक्स लगता है। इसके अतिरिक्त सरचार्ज और हेल्थ एंड एजुकेशन सेस भी देना होता है। इसमें आप केवल परचेज कॉस्ट यानी खरीद मूल्य को घटा सकते हैं। किसी भी अन्य प्रकार का खर्च या छूट की अनुमति नहीं है। क्रिप्टो से हुए नुकसान को क्रिप्टो के लाभ से एडजस्ट नहीं किया जा सकता और न ही उसे आगे के वर्षों में कैरी फॉरवर्ड किया जा सकता है। इसमें लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म का भी कोई अंतर नहीं किया जाता। माइनिंग से हुई आय पर भी 30% की दर से ही टैक्स लगेगा। रिटर्न फाइल करते समय आप फॉर्म 2 या फॉर्म 3 का उपयोग कर सकते हैं। इन दोनों फॉर्म्स में वर्चुअल डिजिटल असेट (VDA) के लिए अलग शेड्यूल होता है। उसी शेड्यूल में खरीद की तिथि, बिक्री की तिथि, परचेज कन्सिडरेशन, सेल कन्सिडरेशन और प्रॉफिट का पूरा विवरण भरना होता है। इसे बिजनेस इनकम के रूप में भी दिखा सकते हैं, लेकिन टैक्स दर 30% ही लागू रहेगी।

Q अगर कोई फ्रीलांसर या यूट्यूबर है, तो उसकी आय पर टैक्स कैसे तय होगा? क्या उसे GST रजिस्ट्रेशन लेना जरूरी है?
- मेनका शर्मा, ग्रेटर नोएडा

फ्रीलांसिंग या यूट्यूब से होने वाली आय बिजनेस इनकम की कैटिगरी में आती है। बिजनेस इनकम में से आप वे सभी खर्च घटा सकते हैं जो आय अर्जित करने के लिए किए गए हों। बिजनेस से होने वाले प्रॉफिट और अन्य स्रोतों से आय पर टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स लगेगा। आप अनुमानित कराधान यानी Presumptive Taxation (सरल कर योजना) का लाभ भी ले सकते हैं। यदि आपका टर्नओवर टैक्स ऑडिट लिमिट से कम है और सारी रिसिप्ट बैंकिंग चैनल्स से प्राप्त हुई है, तो धारा 44AD के तहत कुल रसीद का 6% आय के रूप में घोषित किया जा सकता है। इस स्थिति में अलग से खर्च का दावा नहीं किया जा सकता। GST रजिस्ट्रेशन तभी जरूरी है जब वार्षिक टर्नओवर 20 लाख से अधिक हो। यदि आपकी आय विदेश से प्राप्त हो रही है, तो 20 लाख की सीमा लागू नहीं होगी और तुरंत GST रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता होती है। यदि आप ऑडिट की श्रेणी में आते हैं, तो ऑडिट कराना जरूरी होगा। समय पर कंप्लायंस सुनिश्चित करने के लिए टैक्स अडवाइजर की सहायता लेना उपयोगी रहता है।

Q AIS में ऐसी इनकम दिख रही है जो मेरी नहीं है, अब क्या करूं?
- रुद्र प्रताप, ग्रेटर नोएडा

AIS (Annual Information Statement) में अगर ऐसी इनकम दिख रही है जो आपकी नहीं है, तो घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन तुरंत जांच करना जरूरी है। सबसे पहले पूरी डिटेल ध्यान से मिलान करें कि कहीं बैंक अकाउंट, पैन या TDS (Tax Deducted at Source) एंट्री में कोई गड़बड़ी तो नहीं है। साफ हो जाए कि वह आय आपसे संबंधित नहीं है, तो आप इनकम टैक्स पोर्टल पर AIS में जाकर Feedback का ऑप्शन चुनकर सही स्थिति दर्ज कर सकते हैं, जैसे 'यह जानकारी मेरी नहीं है'।

Q अगर आयकर विभाग से नोटिस आ जाए तो क्या करना चाहिए और किन दस्तावेजों को तैयार रखना चाहिए, जिनकी जरूरत पड़ सकती है? - अभिनव सिंह, फरीदाबाद

नोटिस मिलने पर घबराने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले उसकी प्रामाणिकता जांचें। नोटिस पर DIN नंबर होना चाहिए और वह आपके ई-फाइलिंग पोर्टल पर भी उपलब्ध होना चाहिए। नोटिस विभिन्न कारणों से आ सकता है, जैसे रिटर्न में कमी, डिमांड बकाया, असेसमेंट ऑर्डर या किसी अन्य जांच के संदर्भ में पुष्टि के लिए। पूरा कारण समझने के बाद ही उचित कार्रवाई करें। यदि समय कम हो, तो 15 दिन का एडजर्नमेंट लिया जा सकता है।

Q सीनियर सिटीजन के लिए टैक्स नियमों में क्या विशेष छूटें हैं? - दिवाकर मिश्रा, गुड़गांव

ओल्ड टैक्स रेजीम में 60 से 80 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिकों को 3 लाख तक की आय पर और 80 वर्ष से अधिक आयु वालों को 5 लाख तक की आय पर आयकर से छूट मिलती है। धारा 80TTB के तहत ब्याज आय पर 50,000 तक की कटौती उपलब्ध है। धारा 80D के तहत चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 50,000 तक की कटौती मिलती है। 60 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति जिनकी कोई व्यवसाय आय नहीं है, उन्हें अडवांस टैक्स से छूट मिलती है। इसके अलावा पेंशन से 50,000 का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी ले सकते हैं। यदि अनुमानित कर देयता शून्य है, तो बैंक में फॉर्म 15H जमा करके TDS कटौती से बचा जा सकता है। 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनभोगी, जिनकी आय केवल पेंशन और उसी बैंक से ब्याज तक सीमित है, उन्हें आयकर रिटर्न दाखिल करने से छूट दी गई है। गंभीर बीमारियों के इलाज पर 80 वर्ष से कम आयु वालों के लिए 1 लाख तक की अतिरिक्त कटौती का प्रावधान है। : न्यू टैक्स रेजीम में बेसिक छूट 4 लाख तक है और 75,000 तक का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। इस रेजीम में धारा 80TTB और 80D का लाभ उपलब्ध नहीं है। यदि कुल आय 12 लाख तक है, तो रिबेट के माध्यम से कुल टैक्स शून्य हो सकता है।

Q गिफ्ट में मिले पैसे या प्रॉपर्टी पर कब टैक्स लगता है? किन रिश्तों से मिला गिफ्ट टैक्स फ्री होता है? वैशाली, फरीदाबाद

करीबी रिश्तेदारों से मिले गिफ्ट पर कोई सीमा नहीं है और उस पर टैक्स नहीं लगता। शादी के अवसर पर मेहमानों से मिले गिफ्ट भी टैक्स फ्री होते हैं। हालांकि गिफ्ट देने वाले व्यक्ति की पहचान स्पष्ट होनी चाहिए और उसकी आय और पूंजी इतनी होनी चाहिए कि वह गिफ्ट देने में सक्षम हो। करीबी रिश्तेदारों में शामिल हैं: माता-पिता और पति या पत्नी के माता-पिता, पति या पत्नी, भाई-बहन और पति या पत्नी के भाई-बहन और उनके जीवनसाथी, माता या पिता के भाई-बहन और उनके जीवनसाथी, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री और उनके जीवनसाथी, पोता-पोती। इन रिश्तों और शादी के अवसर के अलावा यदि किसी अन्य व्यक्ति से एक वित्तीय वर्ष में कुल 50,000 से अधिक का गिफ्ट (कैश, प्रॉपर्टी, ज्वैलरी) प्राप्त होता है, तो वह 'अन्य स्रोतों से आय' के रूप में टैक्स योग्य होता है।

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।

इन 7 वजहों से कायम है गुड़गांव की प्रॉपर्टी का जलवा

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

गुरुग्राम यानी गुड़गांव में रियल एस्टेट की कीमतें देश में सबसे तेजी से बढ़ी हैं। यह सच है कि हर मॉनसून में कई इलाकों में जलभराव होता है, ट्रैफिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर की समस्याएं भी दिखती हैं। फिर भी प्रॉपर्टी महंगी क्यों है?

रियल एस्टेट मार्केट में हो रही रिकॉर्ड-तोड़ डील की खबरें सुनना अब जैसे आम बात हो गई है। अमूमन हर साल होने वाली ऐसी बड़ी डील बताती है कि मंदी की आहट के बीच भी गुड़गांव का रियल एस्टेट मार्केट जोरों पर है।

■ **खबर:** एनसीआर के एक बड़े उद्योगपति ने गुरुग्राम (गुड़गांव) डीएलएफ के नए लग्जरी प्रोजेक्ट में चार फ्लैट खरीदे हैं। यह डील करीब 380 करोड़ रुपये में हुई है, जो देश के सबसे महंगे फ्लैट सौदों में से एक है।

■ **सवाल:** आखिर ऐसा क्या है कि गुड़गांव की प्रॉपर्टी की कीमत इतनी ज्यादा बढ़ गई है और बढ़ती ही जा रही है? अमूमन हर साल ऐसी बड़ी डील और कुछ इससे छोटी डील गुड़गांव के नाम चली जाती है, ऐसा क्यों है?

1 हाई-इनकम डिमांड यानी हाई प्राइस

गुरुग्राम की आबादी का बड़ा हिस्सा उच्च आय वर्ग से जुड़ा है। इनमें कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव, फॉरेन प्रोफेशनल्स, इंटरप्रेन्योर्स और सीनियर मैनेजमेंट स्टाफ शामिल हैं। इनकी आय हमारे देश की राष्ट्रीय औसत आय से कहीं अधिक होती है। जब खरीदारों की भुगतान क्षमता अधिक हो तो बाजार उसी के अनुसार कीमत तय करता है। रियल एस्टेट में कीमतें केवल निर्माण लागत से तय नहीं होतीं बल्कि खरीदने की क्षमता से भी प्रभावित होती हैं। अगर किसी इलाके में लोग 3-4 करोड़ रुपये तक देने को तैयार हैं तो डिवेलपर्स उसी स्तर पर प्रोजेक्ट लॉन्च करेंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर की खामियां होते हुए भी, उच्च आय वर्ग सुविधा और स्टेटस को प्राथमिकता देता है, जिससे कीमतें स्थिर या बढ़ती रहती हैं।

2 निवेशकों की बड़ी भूमिका

गुरुग्राम के रियल एस्टेट मार्केट में इन्वेस्टर्स की काफी ऐक्टिव भागीदारी रही है। कई लोग प्रॉपर्टी को खुद रहने के लिए नहीं बल्कि निवेश के रूप में खरीदते हैं। प्री-लॉन्च ऑफर में बुकिंग करके बाद में ऊंची कीमत पर बेच देना एक आम रणनीति रही है। एनआरआई निवेशकों ने भी यहां बड़ी मात्रा में पूंजी लगाई है। इससे बाजार में अतिरिक्त मांग पैदा हुई, जिसे कुछ विशेषज्ञ आर्टिफिशल डिमांड भी कहते हैं। जब एक ही प्रॉपर्टी बार-बार खरीदी-बेची जाती है तो कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। हालांकि यह रणनीति जोखिमपूर्ण भी होती है, लेकिन इससे बाजार में ऊंचे दाम का माहौल बना रहता है और कीमतें नीचे नहीं आतीं।

3. दिल्ली से सटा प्रीमियम लोकेशन

गुरुग्राम की सबसे बड़ी ताकत इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह सीधे नई दिल्ली से जुड़ा हुआ है और एनसीआर का अहम हिस्सा है। दिल्ली में जमीन की कमी, जमीन की ज्यादा कीमत की वजह से बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस वहां विस्तार नहीं कर पाए, इसलिए कंपनियों ने गुरुग्राम को चुना। यहां से IGI एयरपोर्ट की दूरी भी कम है, जिससे विदेश के लिए उड़ान भरने के लिए एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ती। मेट्रो कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे और हाईवे की पहुंच ने इसे और पसंदीदा बनाया। जब कोई शहर राजधानी के बिलकुल पास हो और इंटरनैशनल कनेक्टिविटी रखता हो तो वहां लोकेशन वैल्यू अपने आप प्रॉपर्टी की कीमत में जुड़ जाती है।

4 ब्रैंडेड डिवेलपमेंट और लग्जरी पोजिशनिंग

गुरुग्राम के कई इलाकों को जानबूझकर लग्जरी इमेज के साथ विकसित किया गया है। गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर 42-54 जैसे क्षेत्रों को हाई-एंड रिहाइश के रूप में ब्रांड किया गया। यहां गेटेड कम्युनिटी, क्लबहाउस, स्विमिंग पूल, जिम, स्पा, लैंडस्केप गार्डन और 24x7 सुरक्षा जैसी सुविधाएं दी गईं। डिवेलपर्स ने इसे लाइफस्टाइल सिटी की तरह प्रस्तुत किया, जहां रहना एक स्टेटस सिंबल बन गया। मार्केटिंग और ब्रैंड वैल्यू ने भी कीमतों को ऊपर रखा। कई खरीदार सिर्फ सुविधा ही नहीं बल्कि सोशल स्टेटस के कारण भी वहां निवेश करते हैं।

5 कॉर्पोरेट और एमएनसी हब

गुरुग्राम को देश का प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्र माना जाता है। DLF द्वारा विकसित साइबर सिटी जैसे बिजनेस डिस्ट्रिक्ट ने इसे ग्लोबल पहचान दी। यहां हजारों मल्टीनैशनल कंपनियां, आईटी फर्म, फिनटेक स्टार्टअप और बीपीओ चल रहे हैं। हर दिन लाखों प्रोफेशनल्स यहां काम करने आते हैं। बड़ी कंपनियों की मौजूदगी से शहर में जॉब स्टेबलिटी भी है और सैलरी भी अच्छी मिलती है। यही वजह है कि उच्च आय वर्ग के लोग यहां रहना पसंद करते हैं।

6 जमीन की सीमित सप्लाई

शहर का विस्तार बहुत तेजी से हुआ, लेकिन नियोजन उतनी तेजी से नहीं हो पाया। कई क्षेत्रों में ड्रेनेज और बुनियादी ढांचा बाद में विकसित हुआ। भूमि सीमित है और कॉर्पोरेट हब के कारण मांग लगातार बढ़ती रही। भले ही गुरुग्राम के आसपास नए क्षेत्र विकसित हो रहे हों, लेकिन प्राइम लोकेशन की कीमत अलग ही स्तर पर रहती है। प्राइम माइक्रो-मार्केट में जमीन की उपलब्धता सीमित होने से वहां की संपत्ति प्रीमियम पर बिकती है।

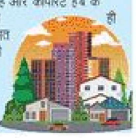

7 इन्फ्रास्ट्रक्चर की समस्या

यह सच है कि मॉनसून में कई जगह जलभराव होता है, लेकिन हर सेक्टर समान रूप से प्रभावित नहीं होता। कुछ पॉकेट्स में प्राइवेट डिवेलपर्स ने बेहतर आंतरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। खरीदार अक्सर सोसाइटी के भीतर की सुविधाओं- जैसे पावर बैकअप, सुरक्षा, पार्किंग और ड्रेनेज को प्राथमिकता देते हैं, पूरे शहर की स्थिति को नहीं। लोकेशन का मूल्य स्थायी माना जाता है, जबकि इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार संभव है। यही सोच कीमतों को स्थिर बनाए रखती है।

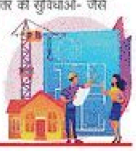

कार लोन तो चुका दिया, क्या RC से हटवाया बैंक का नाम?

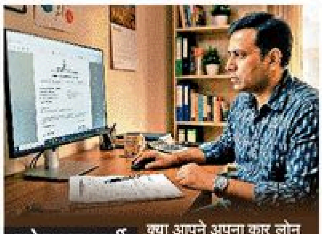

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth@timesofindia.com

क्या आपने अपना कार लोन चुका दिया है, लेकिन RTO से NOC और हाइपोथेकेशन हटवाने में परेशानी हो रही है? अब आप इसे परिवहन पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते हैं। हम यहां आपको वह प्रोसेस बता रहे हैं।

जब आप लोन पर कार खरीदते हैं, तो आपकी गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) में एक हाइपोथेकेशन (Hypothecation) क्लॉज लिखा होता है। इसका मतलब है कि कानूनी तौर पर आपकी गाड़ी लोन देने वाले बैंक या कंपनी के पास गिरवी है। एक बार जब आप लोन पूरा चुका देते हैं, तो आरसी पर दर्ज इस क्लॉज को हटवाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो सरकारी रेकॉर्ड में बैंक का नाम आपकी गाड़ी के सामने दिखता रहेगा।

आरसी पर दर्ज बैंक के नाम को हटवाने की प्रक्रिया को 'हाइपोथेकेशन टर्मिनेशन' कहा जाता है। यह तब बहुत जरूरी हो जाता है, जब आप गाड़ी बेचना चाहते हों, मालिकाना हक ट्रांसफर करना चाहते हों या अपनी आरसी पर खुद का नाम देखना चाहते हों। अब यह सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध है। हालांकि, कुछ राज्यों में अब भी यह नियम है कि आप हाइपोथेकेशन फॉर्म (फॉर्म-35) ऑनलाइन तो भर सकते हैं, लेकिन उसकी एक हार्ड कॉपी (प्रिंटेड कॉपी) आरटीओ और बैंक में जमा करनी पड़ती है, तभी आरसी से बैंक का नाम हटता है।

यह क्यों जरूरी है?

अगर आप कार बेचना चाहते हैं, ओनरशिप ट्रांसफर करना चाहते हैं, री-रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं या बस यह दिखाना चाहते हैं कि गाड़ी के इकलौते मालिक आप ही हैं, तो इसे हटाना जरूरी है।

कोई फीस लगती है?

हां, आवेदन जमा करते समय ऑनलाइन एक तय फीस देनी होती है। यह फीस अलग-अलग राज्यों में अलग हो सकती है।

डॉक्युमेंट्स?

- बैंक से NOC
- आरटीओ फॉर्म-35
- वैलिड इंश्योरेंस सर्टिफिकेट
- ओरिजिनल RC

स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस समझें

- **स्टेप 1:** सबसे पहले vahan.parivahan.gov.in/vahaneservice/ पर लॉगिन/रजिस्टर करें।
- **स्टेप 2:** Online Services पर क्लिक करें और Vehicle Related Services को चुनें।
- **स्टेप 3:** अपनी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर डालें और 'Generate OTP' पर क्लिक करें।
- **स्टेप 4:** आपके मोबाइल पर एक OTP आएगा। उसे भरकर Submit बटन दबाएं।
- **स्टेप 5:** अब Hypothecation Termination चुनें और सबमिट करें।
- **स्टेप 6:** Service Details के अंदर Hypothecation Termination पर क्लिक करें और Delete करें।
- **स्टेप 7:** स्टेटस ब्लॉक में Insurance Details पर जाएं। वहां जानकारी भरें और Submit बटन दबाएं।
- **स्टेप 8:** जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के लिए DMS (Upload Docs) पर क्लिक करें।
- **स्टेप 9:** अपलोड करने के लिए मनचाही फाइल चुनने के लिए Select दबाएं। जब आपका काम हो जाए तो ऊपर दाईं ओर 'x' बटन दबाएं।
- **स्टेप 10:** अंत में 'Fee Details' पर फीस भरें।

बाजार में क्लिप ईयरबड्स तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, कई बड़े टेक ब्रैंड भी इन्हें लॉन्च कर रहे हैं

क्या आपको क्लिप वाले ईयरबड्स की ज़रूरत है?

गैजेट गुरु

आकृति राणा

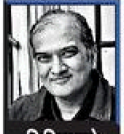

निमिष दुबे
NBTwealth@timesofindia.com

अलग डिजाइन और ओपन ऑडियो अनुभव के कारण ये ट्रैडिशनल ईयरबड्स से अलग हैं। लेकिन क्या ये आपके लिए सही हैं? जानिए इनके फायदे, कमियां और यह कि किसे इन्हें खरीदना चाहिए।

बाजार में आजकल एक नए प्रकार के ईयरबड्स (Earbuds) की धूम मची हुई है। ये हैं क्लिप वाले ईयरबड्स। लगभग दो साल पहले अपने शानदार ऑडियो के लिए मशहूर कंपनी Bose ने ईयरबड्स की इस डिजाइन को दुनिया के सामने पेश किया था, अपने बोस अल्ट्रा ओपन के साथ। ऐसी डिजाइन का प्रयोग इससे पहले भी हुआ था, लेकिन बोस जैसे जाने-माने ब्रैंड के एक प्रीमियम फ्लैगशिप में दिखने से इसमें काफी रुचि बढ़ गई। देखते ही देखते कई ब्रैंड इस नए डिजाइन के ईयरबड्स बाजार में उतारने लगे। अब हाल यह है कि कई बड़े टेक ब्रैंड ऐसे ईयरबड्स बना और लॉन्च कर रहे हैं। सुनने में आया है कि Apple भी ऐसे डिजाइन के एयरपॉड्स (AirPods) बाजार में अगले एक-दो साल में ला सकता है। आखिर क्या खास है इनमें? क्लिप ईयरबड्स की सबसे खास बात है इनकी अलग दिखने वाली बनावट। ज्यादातर ईयरबड्स में एक हिस्सा बड्स का होता है, जो या तो कान के अंदर जाता है या कान के ऊपर टिका रहता है।

दूसरा हिस्सा स्टेम (Stem) का होता है, जो तने की तरह नीचे लटकता है, या ईयरहुक (Earhook) होता है, जो कान के बाहरी हिस्से के ऊपर पहना जाता है। लेकिन क्लिप वाले ईयरबड्स में कफ डिजाइन होती है। ये ईयरबड्स छोटे और हल्के घुमावदार होते हैं। इनका एक हिस्सा कान के ऊपर और दूसरा हिस्सा कान के पीछे बैठता है। इनकी पकड़ कान पर मजबूत रहती है और सिर हिलाने पर भी इनके गिरने की संभावना बहुत कम होती है। इनकी डिजाइन ओपन यानी खुले प्रकार की होती है। इसका मतलब है कि ये कान के अंदर नहीं जाते, बल्कि उसके ऊपर रहते हैं। इस कारण इनसे आपको बाहर की आवाज भी सुनाई देती है।

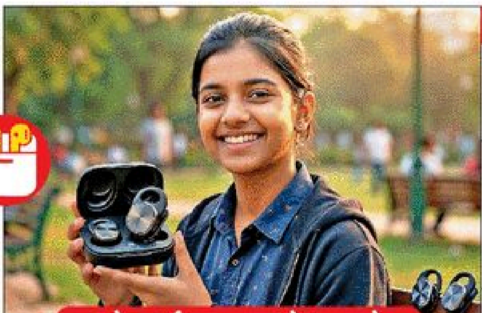

ओपन ईयरबड्स के फायदे

ओपन ईयरबड्स के फायदे ये हैं कि बिना ईयरहुक की झंझट के ओपन ईयरबड्स में बाहर की आवाज भी सुनाई देती है, जो कई लोगों के लिए फायदेमंद होती है। इन-ईयर ईयरबड्स थोड़े भारी होते हैं और इनके साथ ईयरहुक लगा होता है। ईयरहुक कान पर पकड़ तो मजबूत रखता है, लेकिन ईयरबड्स को पहनना और उतारना थोड़ा झंझट वाला बना देता है। इनका आकार बड़ा होने की वजह से इनके साथ आने वाला बैटरी केस भी दूसरे टीडब्ल्यूएस (True Wireless Stereo) ईयरबड्स की तुलना में बड़ा होता है। क्लिप ईयरबड्स इन दिक्कतों को कम कर देते हैं। ये छोटे और हल्के होते हैं, इसलिए इन्हें लगाना और निकालना आसान है। देखने में भी स्टाइलिश लगते हैं और सामान्य इस्तेमाल में कान से गिरते नहीं हैं। हां, इनमें कमियां भी हैं। खुले डिजाइन के कारण इनमें ANC (Active Noise Cancellation) नहीं होता है। इनकी ऑडियो क्वॉलिटी भी इन-ईयर ईयरबड्स जितनी दमदार नहीं होती। खासकर Bass पसंद करने वालों को ये कम संतोषजनक लग सकते हैं। ये उन लोगों के लिए हैं जो ऑडियो का आनंद लेना चाहते हैं और साथ ही दुनिया से पूरी तरह कटना नहीं चाहते।

कैसे करें सिलेक्शन?

शुरुआत में इनकी कीमत काफी ज्यादा थी, लेकिन अब आप 5 हजार रुपये के आसपास भी अच्छा क्लिप डिजाइन वाला ईयरबड्स खरीद सकते हैं। अगर आप क्लिप ईयरबड्स खरीदना चाहते हैं, तो ये तीन विकल्प अलग-अलग बजट में अच्छे माने जा सकते हैं।

1 Bose Ultra Open

इन ईयरबड्स ने क्लिप डिजाइन को लोकप्रिय बनाया। अगर आप सबसे बेहतरीन क्लिप ईयरबड्स अनुभव चाहते हैं, तो ये मजबूत विकल्प हैं। इनमें बोस का शानदार साउंड और बेहतरीन कॉल क्वॉलिटी मिलती है।

Rs ₹24,990

2 Moto Buds Loop

अगर आप ऐसे क्लिप ईयरबड्स चाहते हैं जो सुनने और दिखने में शानदार हों, तो यह अच्छा विकल्प है। इनमें बोस द्वारा ट्यून किया गया ऑडियो है और इनमें स्वारोवस्की (Swarovski) क्रिस्टल्स भी लगे हैं।

Rs ₹8,999

3 JLab Flex Open

अगर आप क्लिप ईयरबड्स को आजमाना चाहते हैं और ज्यादा खर्च नहीं करना चाहते, तो यह अच्छा विकल्प है। दिखने में साधारण है, लेकिन ऑडियो और कॉल क्वॉलिटी अच्छी है और बैटरी सात घंटे से ज्यादा चलती है।

Rs ₹3,999

kotak
Kotak Mahindra Bank
कोटक महिन्द्रा बैंक

डबल रिटर्न की गारंटी?
सावधान, यह एक स्कैम है।

अगर आपको कोई मैसेज मिलता है या आपको किसी ऐसे ग्रुप में जोड़ा जाता है जिसमें निवेश करने पर बहुत ज़्यादा रिटर्न का वादा किया जाता है, तो सावधान रहें। वे आपको नकली ऐप्स पर छोटे शुरुआती मुनाफ़े दिखाकर फंसाने की कोशिश करेंगे और फिर आपको और ज़्यादा निवेश करने के लिए उकसाएंगे। **सावधान रहें, और ऐसे स्कैम का शिकार न बनें।**

याद रखें:
- असत्यापित लिंक, ग्रुप या व्यक्तियों के ज़रिए निवेश न करें
- अनजान ऐप या एपीके फाइल डाउनलोड न करें
- असली निवेश ज़्यादा रिटर्न की गारंटी नहीं देते
- सही प्लेटफ़ॉर्म आपके अपने फ़ंड को विद्ड्रॉ करने के लिए कभी भी पैसे नहीं मांगेंगे
- कभी भी व्यक्तिगत जानकारी या बैंक विवरण, ओटीपी, पिन या पासवर्ड ना दें

धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए, 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर जाएं।

हौसला ऑन! स्कैम गॉन!

www.kotak.bank.in

यह एक एआई-जनरेटेड इमेज है। वास्तविक व्यक्तियों से कोई भी समानता सिर्फ़ संयोग है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK2 User: cci Time: 03-08-2026 23:30 Color:

"भारत और न्यूजीलैंड के बोलर्स के बीच सबसे बड़ा फर्क यह रहा कि भारतीयों ने स्लोअर और शॉर्ट-पिच बॉल्स का अच्छे से इस्तेमाल किया। उन्होंने अपनी गेंदों की लेंथ को बेहतर तरीके से बदला। - सचिन तेंडुलकर, टीम इंडिया के पूर्व कप्तान

कुल मैच 55 | टोटल रन 17582 | विकेट गिरे 699 | 1434 (4) | 780 (6) बाउंड्री मीटर

प्लेयर हाईएस्ट स्कोर: 110 (युवराज समरा, कनाडा) | टीम: 256/4 (भारत Vs जिम्बाब्वे)

बैटर नंबर-1: 383 एस फरहान (पाकिस्तान) | बोलर नंबर-1: 14 जसप्रीत बुमरा (भारत)

*आंकड़े सडे़ को भारत vs न्यूजीलैंड फाइनल तक

52 मैचों में मेंस टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन की है ऑस्ट्रेलिया के रॉड टकर ने। यह एक रेकॉर्ड है

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने बैट और बॉल से दबदबे वाला प्रदर्शन कर हासिल किया मिशन

सैमसन-किशन ने पूरा किया खिताबी अभिषेक

वर्ल्ड कप स्पेशल QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है

1. सबसे ज्यादा ICC ट्रॉफी जीतने वाली टीम कौन-सी है?
A) भारत B) वेस्टइंडीज
C) इंग्लैंड D) ऑस्ट्रेलिया

2. टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे तेज शतक का रेकॉर्ड किस बल्लेबाज के नाम है?
A) क्रिस गेल
B) फिन एलेन
C) जैकब बेथेल
D) युवराज समरा

कल के जवाब
1. B) 30
2. D) केन विलियमसन

लकी WINNERS

1 रवि माथुर, गुरुग्राम, हरियाणा

2 जिया जैन, राजा पार्क, दिल्ली

3 रविप्रकाश सिंह, आजमगढ़, यूपी

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

अहमदाबाद से लाइव

Rupesh.Singh@timesofindia.com

■ **अहमदाबाद:** खिताब बरकरार रखने और अपनी मेजबानी में खिताब जीतने के दोहरे करिश्मे को टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड पर 96 रन की जीत के साथ पूरा कर लिया। करीब तीन साल पहले इसी मैदान पर वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय फैंस का दिल टूटा था, लेकिन इस बार टीम इंडिया ने टी20 में सर्वाधिक तीसरा खिताब हासिल कर बुरी यादों को इसी मैदान में दफन कर दिया। बैटिंग पिच पर चार विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमरा प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि संजू सैमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

तिकड़ी का कमाल: टूर्नामेंट में टीम इंडिया का सफर उतार-चढ़ाव वाला रहा। एक समय वह टूर्नामेंट से बाहर होने से सिर्फ एक हार दूर थी। ऐसे में भारतीय प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन की एंट्री हुई और इस ओपनर ने अपने दो जोरदार अर्धशतक से टीम को फाइनल में पहुंचाया। संजू का बल्ला फाइनल में भी नहीं थमा और उन्होंने यहां भी 89 रन (46 बॉल, 5 फोर, 8 सिक्स) की मैच में सबसे प्रभावशाली पारी खेली। संजू वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। यहां उन्हें साथ मिला अभिषेक शर्मा (52 रन, 21 बॉल, 6 फोर, 3 सिक्स) का जिन्होंने टूर्नामेंट के सबसे अहम मुकाबले में इस टूर्नामेंट की फास्टेस्ट फिफ्टी लगाकर अपनी खूबी बताई। वहीं आखिरी लम्हों में भारत की वर्ल्ड कप टीम में शामिल हुए ईशान किशन (54 रन, 25 बॉल, 4 फोर, 4 सिक्स) ने एक और धुआंधार अर्धशतक जड़कर टीम को 255/5 के उस टोटल तक पहुंचाया, जहां टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में कोई दूसरी टीम नहीं पहुंच सकी थी। साल 2023 वनडे वर्ल्ड कप में इसी मैदान पर भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 240 रन बनाए थे, लेकिन इस बार टीम इंडिया की टॉप ऑर्डर की तिकड़ी ने सिर्फ 20 ओवर में बोर्ड पर 15 अतिरिक्त रन रखकर हार की गुंजाइश को ना के बराबर कर दिया था।

अक्षर को पढ़ नहीं सके कीवी: टोटल अभी तक के टी20 फाइनल इतिहास का सबसे बड़ा था, लेकिन कीवी टीम के विध्वंसक ओपनर्स का डर सभी भारतीय के भीतर था। पारी के पहले ही ओवर में जब शिवम दुबे ने फिन एलेन का कैच टपका दिया, तो स्टेडियम में सन्नाटा पसर गया। भारतीय कप्तान ने तीसरे ही ओवर में 'लोकल बॉय' अक्षर पटेल को अटैक पर लगा दिया। सेमीफाइनल में दो सनसनीखेज कैच लेने वाले अक्षर ने अपनी चौथी ही गेंद पर एलेन को आउट कर फैंस के चेहरों पर चमक लौटा दी। अक्षर दूसरा ओवर लेकर लौटे तो इस बार ग्लेन फिलिप्स उनके जाल में फंस गए। इस बीच जसप्रीत बुमरा ने रचिन रविंद्र और हार्दिक पंड्या ने मार्क चैपमैन को आउट कर आठवें ओवर में विपक्षी का स्कोर 70/4 कर दिया। लड़ाई यहां से एकदम एकतरफा हो चुकी थी, लेकिन टिम सीफर्ट ने एक छोर से कुछ बड़े शॉट्स के साथ रन बनाने का काम जारी रखा। भारत को नौवें ओवर में सीफर्ट से छुटकारा वरुण चक्रवर्ती ने दिलाया। इसके बाद अक्षर ने डेरिल मिचेल के रूप में अपना तीसरा विकेट निकालकर टीम की जीत पक्की कर दी। यहां से कीवी टीम 159 के स्कोर तक ही पहुंच पाई।

सैमसन ने दी 'सिक्सी' स्टार्ट: इससे पहले, संजू और अभिषेक की जोड़ी ने टीम को जोरदार शुरुआत दिलाई। पारी का पहला ओवर डालने आए मैट हेनरी इससे पहले टी20 में संजू को दो बार आउट कर चुके थे और उनका बल्ला भी कुछ खास नहीं चला था। उन्होंने हेनरी की शुरुआती चार गेंदों पर संयम बनाए रखा। संजू ने पांचवीं गेंद को मिड-ऑन के ऊपर से सीधे सिक्स के लिए भेज कर टीम को 'सिक्सी स्टार्ट' दिलाई। टी20 वर्ल्ड कप के पावरप्ले में संजू के बल्ले से निकला यह 10वां सिक्स था। इस मुकाम को हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बैटर हैं। अभिषेक दूसरे ओवर में स्ट्राइक पर थे और सामने थे स्पिनर ग्लेन फिलिप्स, जो टी20I करियर में पहली बार पावरप्ले में बॉलिंग करने आए थे।

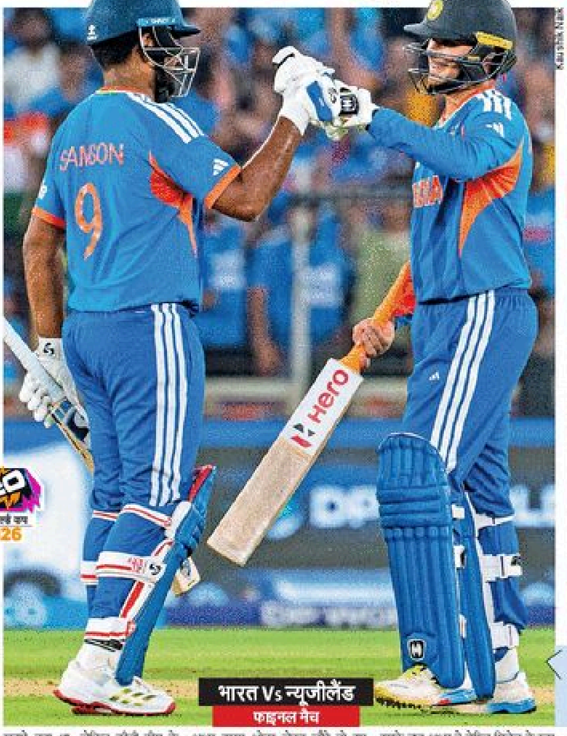

भारत Vs न्यूजीलैंड
फाइनल मैच

संजू सैमसन (बाएं) और अभिषेक ने पहले विकेट के लिए 43 बॉल पर 98 रन की साझेदारी की

टी20 वर्ल्ड कप में फास्टेस्ट फिफ्टी (भारतीय)

बॉल	खिलाड़ी
12	युवराज 2007
18	केएल राहुल 2021
18	अभिषेक शर्मा 2026
19	रोहित शर्मा 2024

टी20 वर्ल्ड कप के हाईएस्ट टोटल

टोटल	टीम	खिलाफ	साल
260/6	श्रीलंका	केन्या	2007
256/4	भारत	जिम्बाब्वे	2026
255/5	भारत	न्यूजीलैंड	2026
254/6	वेस्टइंडीज	जिम्बाब्वे	2026
253/7	भारत	इंग्लैंड	2026

321 रन बनाए संजू सैमसन ने इस वर्ल्ड कप में। वह टूर्नामेंट के किसी एक एडिशन सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर बने। पुराना रेकॉर्ड विराट कोहली (319 रन) के नाम था

3 तीसरे बैटर बने संजू सैमसन टी20I में तीन लगातार 80 प्लस पारी खेलने वाले। उनसे पहले महेला जयवर्धने और मुस्ताक मैकेओन ने खेली थी

8 सिक्स जड़े संजू सैमसन ने अपनी इनिंग्स में। यह टी20 वर्ल्ड कप की इनिंग्स में किसी भारतीय द्वारा लगाए गए संयुक्त सर्वाधिक सिक्स हैं

स्कोरकार्ड

भारत: संजू सैमसन को मैकोंची बो नीशम 89, अभिषेक शर्मा को सीफर्ट बो रविंद्र 52, ईशान किशन को चैपमैन बो नीशम 54, हार्दिक पंड्या को सैंटनर बो हेनरी 18, सूर्यकुमार यादव को रविंद्र बो नीशम 0, तिलक वर्मा नॉट आउट 8, शिवम दुबे नॉट आउट 26 **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 20 ओवर्स में 5 विकेट पर 255 रन **विकेट:** 1-98, 2-203, 3-204, 4-204, 5-226 **बोलिंग:** मैट हेनरी 4-0-49-1, ग्लेन फिलिप्स 1-0-5-0, जैकब डफी 3-0-42-0, लॉकी फर्ग्युसन 2-0-48-0, मिचेल सैंटनर 4-0-33-0, रचिन रविंद्र 2-0-32-1, जेम्स नीशम 4-0-46-3

न्यूजीलैंड: टिम सीफर्ट को ईशान बो वरुण 52, फिन एलेन को तिलक बो अक्षर 9, रचिन रविंद्र को ईशान बो बुमरा 1, ग्लेन फिलिप्स बो अक्षर 5, मार्क चैपमैन बो हार्दिक 3, डेरिल मिचेल को ईशान बो अक्षर 17, मिचेल सैंटनर बो बुमरा 43, जेम्स नीशम बो बुमरा 8, मैट हेनरी बो बुमरा 0, लॉकी फर्ग्युसन नॉट आउट 6, जैकब डफी को तिलक बो अभिषेक 3 **एक्स्ट्राज:** 12 **टोटल:** 19 ओवर्स में 159 रन **विकेट:** 1-31, 2-32, 3-47, 4-70, 5-72, 6-124, 7-141, 8-141, 9-152, 10-159 **बोलिंग:** अर्शदीप सिंह 4-0-32-0, हार्दिक पंड्या 4-0-36-1, अक्षर पटेल 3-0-27-3, जसप्रीत बुमरा 4-0-15-0, वरुण चक्रवर्ती 3-0-39-1, अभिषेक शर्मा 1-0-5-1

ईशान ने भी बजाई धुन

पावरप्ले खत्म होते ही कप्तान सैंटनर खुद अटैक पर आए और दूसरे छोर से रचिन रविंद्र को लगाया। रचिन की पहली ही गेंद पर अभिषेक बदकिस्मती से आउट हो गए। हालांकि, तूफान ने थमने का नाम नहीं लिया। ईशान किशन ने पारी को वहीं से शुरू किया जहां अभिषेक ने खत्म किया था। आते ही उन्होंने दो रन के साथ टोटल को तीन अंकों में पहुंचाया और फिर इसी ओवर में दो फोर के साथ अपने हाथ खोले। उन्होंने फर्ग्युसन, हेनरी और सैंटनर पर पावरफुल सिक्स लगाते हुए सिर्फ 23 गेंद में 50 गेंदों का सफर पूरा कर डाला।

नंबर-1 बैटर का रुतबा

जब चौथे ओवर में लॉकी फर्ग्युसन आए तो अभिषेक खुल गए। इस ओवर में टी20I के नंबर-1 बैटर अभिषेक और संजू दोनों के बल्ले के किनारे को उनकी गेंदों ने चूमा, लेकिन दोनों ही बार भारत के खाते में बाउंड्री आई। इसी ओवर में सीधे बल्ले से अभिषेक का लगाया सिक्स उनके लौटे आत्मविश्वास की झलक भी दे गया। फर्ग्युसन खासे महंगे साबित हुए और इस ओवर में भारत ने 24 रन ठोककर अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। यह टूर्नामेंट में भारतीय ओपनर्स की पहली हाफ सेंचुरी वाली पार्टनरशिप थी।

शिवम की पावरहिटिंग

एक समय 270 के टोटल तक पहुंचती दिख रही टीम इंडिया के लिए अब 250 को भी पार कर पाना मुश्किल लग रहा था। अंतिम ओवर के लिए सैंटनर ने अपने सबसे सफल नीशम को बुलाया। शिवम ने नीशम की पहली गेंद पर चौका बटोरने के बाद दो लगातार सिक्स जड़े। बैकफुट पर अपनी पोजिशन पर रहते हुए कवर के ऊपर से सिक्स लगाया। अंतिम तीन गेंदों पर भी शिवम ने दो फोर मारे। उनके आठ गेंदों पर 26 रन और अंतिम ओवर से आए 24 रन की बदौलत भारत ने बोर्ड पर पांच विकेट पर 255 रन टांग दिए।

फटाफट खबरें

किप्लिमो का वर्ल्ड रेकॉर्ड

■ **लिस्बन:** युगांडा के जैकब किप्लिमो ने लिस्बन हाफ मैराथन 57 मिनट 20 सेकंड में पूरी की। यह नया वर्ल्ड रेकॉर्ड है। तीन बार के वर्ल्ड क्रॉस-कंट्री चैंपियन किप्लिमो ने इथियोपिया के योमिफ केजेलचा के 57:30 के रेकॉर्ड को 10 सेकंड से बेहतर किया। इथियोपिया की सिने मेकरसेलामा (1:04:48) ने विमिंस रेस जीती।

भारतीय बॉक्सर्स चमके

■ **बैंकॉक:** भारतीय बॉक्सर्स ने वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप में दमदार शुरुआत की। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में जॉयश्री देवी थिरोम ने ताजिकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी को रेफरी द्वारा मुकाबला रोकने से हराया। पुरुष वर्ग में अबेकर मीतेई लैरेनलकपम (50 किग्रा) और साहिल दुहान (60 किग्रा) ने भी जीत दर्ज की।

ताहुहु का संन्यास

■ **वेलिंगटन:** न्यूजीलैंड की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहुहु ने रविवार को विमिंस वनडे इंटरनैशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। पैंतीस साल की ली ने 15 साल के अपने करियर में 103 मैच में 125 विकेट चटकाए जो न्यूजीलैंड के लिए वनडे क्रिकेट का रेकॉर्ड है।

यमाल ने दिलाई जीत

■ **बार्सिलोना:** लामिन यमाल के गोल से बार्सिलोना ने शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हरा दिया। यमाल ने 68वें मिनट में गोल दागा।

रिकी और सुखी ने कराया पैसा वसूल

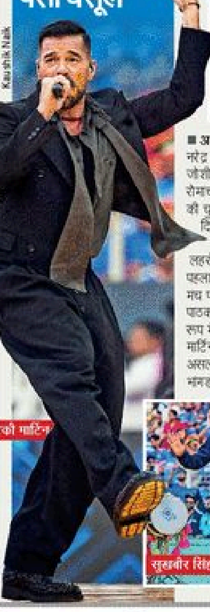
रिकी मार्टिन

फाल्गुनी पाठक

■ **अहमदाबाद:** फाइनल से पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाहर गूंजते जोशीले नारों और भीतर नसों में रोमांच भरते संगीत ने 40 डिग्री की चुभती गर्मी को भी बेअसर कर दिया। जैसे-जैसे समय बीता, स्टेडियम 'नीले समंदर' की लहरों-सा दिखने लगा। शोर का पहला बड़ा धमाका तब हुआ जब मंच पर 'गरबा क्वीन' फाल्गुनी पाठक उतरीं। अंतरराष्ट्रीय तड़के के रूप में दो बार के ग्रैमी विजेता रिकी मार्टिन ने भी महफिल जमाई, लेकिन असली 'शो-स्टॉपर' तो 'प्रिंस ऑफ भांगड़ा' सुखबीर सिंह ही रहे।

सुखबीर सिंह

फिर अधूरा रहा खिताबी 'लक्ष्य'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** भारतीय युवा शटलर लक्ष्य सेन एक बार फिर ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने से चूक गए। इस भारतीय प्लेयर को फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यीन ने सीधे गेम में 21-15, 22-20 से मात दी। यह सेन की लिन के खिलाफ लगातार पांचवीं हार है। लिन इस खिताब को जीतने वाले पहले चीनी ताइपे के प्लेयर हैं। साथ ही, सेन की यह इस टूर्नामेंट की फाइनल में दूसरी हार है। इससे पहले लक्ष्य के पास 2022 में ही इस खिताब को जीतने का मौका था, लेकिन तब उन्हें डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से हार का सामना करना पड़ा था।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट

विजेता लिन (दाएं), रनर अप लक्ष्य

दिखी थकान: सेन का फाइनल तक का सफर शानदार रहा था। उन्होंने इस सफर में वर्ल्ड नंबर-1 शी यू की और वर्ल्ड नंबर-6 लि शी फेंग जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को मात दी थी। फाइनल से पूर्व सेन ने पांच घंटे 16 मिनट कोर्ट पर बिताए थे, जिसका असर देखने को मिला। सेन कुछ थके दिखाई दिए। लिन के स्मैश दमदार थे, जिसकी बदौलत वो अंततः चैंपियन बनने में सफल रहे।

> सच कहूं तो, मेरी शारीरिक स्थिति आदर्श नहीं थी। लेकिन जब मैं कोर्ट पर खेल रहा था, तो मेरा ध्यान सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने पर था। कल मुझे थोड़ी ऐंठन हो रही थी। मैं पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाया। – लक्ष्य सेन

'भेदभाव' पर डीकॉक और मिलर ने उठाए बड़े सवाल

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** साउथ अफ्रीकी टीम के प्लेयर क्विंटन डीकॉक और डेविड मिलर ने ICC की आलोचना की है कि उसने कथित तौर पर साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बजाय इंग्लैंड के यात्रा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी। टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत से शिकस्त झेलने वाला इंग्लैंड शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए सीधी चार्टर्ड उड़ान से रवाना हुआ। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम अब भी भारत में ही हैं और स्वदेश नहीं लौट पाई हैं। डीकॉक ने लिखा, 'इंग्लैंड हमसे पहले कैसे जा रहा है? वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका तो बस अंधेरे में हैं। अजीब है कि अलग-अलग टीम का दूसरों से अधिक असर होता है।'

ICC के फैसले की आलोचना

साउथ अफ्रीका के क्विंटन डीकॉक

हॉकी वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर

भारत ने पहले मैच उरुग्वे को दी मात

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** भारतीय महिला हॉकी टीम ने हैदराबाद में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर के अपने पहले मैच में उरुग्वे को 4-0 से हरा दिया। भारत के लिए सुनेलीता टोप्पो ने 21वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल दागा। मैच के 40वें मिनट में इशिका ने बढ़त को दोगुनी कर दिया। लालरेमसियामी (49वें मिनट में) और रुतुजा दादासो पिसल (58वें मिनट में) ने एक के बाद एक गोल कर टीम जीत पर मुहर लगा दी। भारत अपना दूसरा मैच आज स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेगा। स्कॉटलैंड ने संडे को वेल्स को 1-0 से हराकर अपना पहला मैच जीता था।

World Cup Special Reel

भारत के नाम 8वीं ICC ट्रॉफी

न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय मेंस टीम ने न सिर्फ टी20 वर्ल्ड कप जीता है बल्कि दुनिया की दूसरी सबसे सफल क्रिकेट टीम भी बन गई है। भारत का यह इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) टूर्नामेंट्स का कुल आठवां खिताब है। एक नजर ICC के 'टॉप ट्रॉफी विनर्स' पर:

ऑस्ट्रेलिया

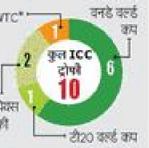

भारत

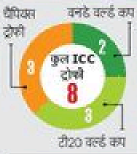

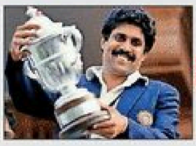

वेस्टइंडीज

पाकिस्तान

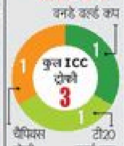

श्रीलंका

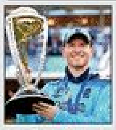

इंग्लैंड

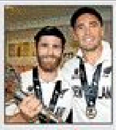

न्यूजीलैंड

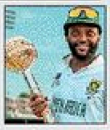

सा. अफ्रीका

*वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से दी शिकस्त

ऑस्ट्रेलिया Vs भारत
विमिंस पिंक बॉल टेस्ट

■ **एजेंसियां, पर्थ:** ऑस्ट्रेलिया ने एकमात्र विमिंस पिंक बॉल (डे/नाइट) टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण रखते हुए आसानी से जीत दर्ज की। भारत की दूसरी पारी 149 रन पर सिमट गई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 25 रन का लक्ष्य मिला। ओपनर जॉर्जिया वोल (16* रन) और फीबी लिचफील्ड (11* रन) ने टीम को जीत दिला दी। यह ऑस्ट्रेलियन कप्तान एलिसा हीली के लिए शानदार विदाई रही।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 198 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाकर बढ़त हासिल की थी।

ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया की टीम

कई कीर्तिमान ध्वस्त हो गए 30 दिन के सफर में

ऐसा पहली बार हुआ

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** क्रिकेट का हर वर्ल्ड कप अपने साथ कुछ नई कहानियां और नायक लेकर आता है। ICC मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 भी कई मायनों में ऐसा ही साबित हुआ। इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजों ने जहां आक्रामकता की नई मिसाल पेश की, वहीं कई ऐसे कीर्तिमान बने जो पहले कभी नहीं देखे गए थे। व्यक्तिगत प्रदर्शन से लेकर टीम उपलब्धियों और प्रसारण तक, इस एडिशन ने टी20 क्रिकेट की सीमाओं को और आगे बढ़ा दिया।

एडिशन में सर्वाधिक रन

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने 7 मैचों में 383 रन बनाकर एक एडिशन में सर्वाधिक रन बनाने का नया रेकॉर्ड कायम किया। उन्होंने विराट कोहली के साल 319 रन (2014 में) के रेकॉर्ड को तोड़ा। फरहान ने नामीबिया और श्रीलंका के खिलाफ दो शतक जड़कर टी20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में दो शतक लगाने वाले पहले बैटर बने।

383 रन

सबसे तेज शतक

फिन एलेन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में 33 गेंद में शतक जड़ दिया। यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक है। इससे पहले सबसे तेज शतक का रेकॉर्ड क्रिस गेल (47 बॉल) के नाम था।

33 बॉल

सबसे युवा शतकवीर: उन्नीस वर्ष कनाडा के युवराज सामरा न्यूजीलैंड के खिलाफ 110 रन बनाकर टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कम उम्र में शतकवीर हैं।

नॉकआउट की सबसे बड़ी पारी: जैकब बेथेल भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में 105 रन बनाकर नॉकआउट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले प्लेयर बन गए।

मैच में सर्वाधिक रन: भारत और इंग्लैंड के सेमीफाइनल में कुल 499 रन बने, जो टूर्नामेंट इतिहास में किसी एक मुकाबले में सर्वाधिक रन का रेकॉर्ड है।

अगर बैंक की लापरवाही से कोई घटना होती है, तो बैंक की जवाबदेही बनती है

बैंक लॉकर से चोरी होने पर क्या करें?

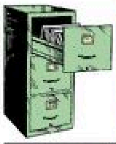

चंद्रप्रकाश पांडेय
Chandra.Pandey1 @timesofindia.com

बैंक लॉकर को लोग अपनी सबसे कीमती चीजें, गहने, जमीन के कागज, वसीयत सुरक्षित रखने के लिए किराये पर लेते हैं। वैसे तो बैंक लॉकर बेहद सुरक्षित माना जाता, लेकिन फिर भी अगर लॉकर से सामान चोरी हो जाए या उसकी चाबी गुम हो गई तो ग्राहकों नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नए नियमों ने बैंक लॉकर से जुड़ी जिम्मेदारियों को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। इसके तहत, बैंक को ग्राहक के सामान की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना होगा और चोरी या नुकसान होने पर मुआवजा भी देना होगा।

कैसे तय होता है किराया?

बैंक के लॉकर का किराया बैंकों की नीतियों के अलावा लॉकर के आकार और जगह पर भी निर्भर करता है। जैसे ग्रामीण इलाकों में आपको लॉकर के लिए कम किराया देना पड़ सकता है। निजी और सार्वजनिक बैंकों की फीस स्ट्रक्चर में अंतर होता है। कुछ बैंक रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, या देर से भुगतान पर पेनल्टी भी लगाते हैं। छोटे लॉकर का किराया ग्रामीण बैंक शाखाओं में 1000 रुपये सालाना से शुरू होता है। वहीं, बड़े लॉकर का किराया मेट्रो सिटी में वार्षिक 10 हजार रुपये के आसपास हो सकता है।

5 साल में विजिट जरूरी

बैंक लॉकर किराये पर लेने के लिए आपका उस बैंक में अकाउंट होना जरूरी है। आपका बैंक अकाउंट लॉकर से लिंक होता है। आप चाहें तो लॉकर में रखी वस्तुओं का बीमा भी ले सकते हैं। लॉकर का इस्तेमाल केवल बैंक के काम के घंटों में ही किया जा सकता है। बैंक हर विजिट का रिकॉर्ड रखता है। लॉकर धारक को 5 साल में कम से कम एक बार विजिट करना होता है।

क्या कदम उठाने जरूरी?

लॉकर से चोरी होने पर सबसे पहले तुरंत बैंक शाखा को लिखित शिकायत दें। कोशिश करें कि शिकायत की रिसीविंग कॉपी आपके पास रखें। बैंक से घटना की पूरी जानकारी लें। मसलन, सीसीटीवी फुटेज, सुरक्षा व्यवस्था और जांच की स्थिति के बारे में पूछें। अगर बैंक टालमटोल करे तो आप बैंक के नोडल अधिकारी से शिकायत कर सकते हैं। संतोषजनक जवाब न मिले तो बैंकिंग लोकपाल के पास जा सकते हैं।

तत्काल उठाएं ये 5 कदम...

- बैंक को लिखित शिकायत दें
- शिकायत की कॉपी संभालकर रखें
- बैंक से सीसीटीवी फुटेज और जांच रिपोर्ट मांगें
- जरूरत हो तो एफआईआर दर्ज कराएं
- बैंकिंग लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं

एक्सपर्ट
पूर्णेन्दु उपाध्याय
एक्स बैंकर

चाबी गुम हो गई तब क्या?

अगर लॉकर की चाबी गुम हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचित करें। बैंक आमतौर पर लॉकर को तोड़कर नया लॉक लगवाता है। अहम बात यह है कि डुप्लीकेट चाबी वही वेंडर बनाएगा, जिसको बैंक ने लॉकर का काम दिया होता। इस प्रक्रिया में होने वाला खर्च ग्राहक को देना पड़ता है। बैंक की मौजूदगी में लॉकर खोला जाएगा और अंदर का सामान ग्राहक को दिया जाएगा। अगर लॉकर जॉइंट है तो दोनों की मौजूदगी जरूरी हो सकती है। इसलिए पहले बैंक से नियम साफ कर लें। अगर चोरी बैंक की सुरक्षा में कमी की वजह से हुई है, तो बैंक को मुआवजा देना पड़ सकता है।

ये कदम उठाने जरूरी

- तुरंत बैंक को सूचना दें
- खुद ताला तोड़ने की कोशिश न करें
- बैंक की मौजूदगी में ही लॉकर खुलवाएं
- खर्च और प्रक्रिया की लिखित जानकारी लेना बेहद जरूरी है

क्या है नियम, कितना मिलेगा मुआवजा?

RBI के नियमों के मुताबिक, बैंक को मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, CCTV, रिकॉर्डिंग और निगरानी अनिवार्य रूप से करनी होगी। अगर बैंक की सुरक्षा में कमी हो, CCTV काम न कर रहा हो, लॉकर रूम में अनधिकृत प्रवेश हो, बैंक कर्मचारी की लापरवाही से चोरी हुई हो, आग या फिर डिफॉल्ट या प्राकृतिक आपदा से नुकसान हुआ हो, जहां बैंक सुरक्षा में चूक साबित हो तो मुआवजा देना होता। नियमानुसार, लॉकर के वार्षिक किराये का अधिकतम 100 गुना तक मुआवजा बैंक को देना होता है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि अगर लॉकर का किराया एक साल का पांच हजार रुपये है तो बैंक की अधिकतम जिम्मेदारी 5,000×100 = 5,00,000 रुपये बनती है। यानी, अधिकतम 5 लाख रुपये तक मुआवजा मिल सकता है।

कब बैंक जिम्मेदार नहीं?

अगर ग्राहक ने लॉकर ठीक से बंद नहीं किया हो, किसी और को चाबी दे दी हो। ग्राहक की अपनी लापरवाही से सामान गायब हुआ हो या फिर चोरी बैंक की सुरक्षा चूक के कारण साबित नहीं हो।

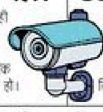

CCTV का अहम रोल

RBI ने यह भी अनिवार्य किया है कि बैंक लॉकर रूम में 24×7 CCTV चालू रहेगा। फुटेज कम से कम 180 दिन तक सुरक्षित रखनी होगी। CCTV फुटेज से पता चलेगा कि बैंक की गलती है या नहीं।

कैश की मनाही, फिर भी क्यों रखते हैं लोग?

बैंक लॉकर में वैसे तो कैश रखना मना है, फिर भी कई लोग कैश रखते हैं। इसकी वजह भरोसा, गोपनीयता और सुरक्षा की भावना है। कई लोग घर में बड़ी रकम रखना असुरक्षित समझते हैं, जबकि बैंक लॉकर उन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प लगता है। वहीं, कुछ लोग आय के स्रोत को सार्वजनिक नहीं करना चाहते या अचानक जरूरत के लिए कैश सुरक्षित रखना चाहते हैं। लेकिन, नकदी रखने पर कोई आधिकारिक सुरक्षा या जिम्मेदारी बैंक नहीं लेता। इसके बावजूद यह प्रथा लंबे समय से जारी है। एक कारण यह भी है कि आप लॉकर में क्या रखते हैं, यह बैंक देखता नहीं है।

कई बार रहती है वेटिंग

कई बार बैंक लॉकर मिलना इतना आसान भी नहीं होता है। एक तो डिमांड काफी ज्यादा रहती है, दूसरे बैंकों में लिमिटेड लॉकर होते हैं। बैंक इसमें अपना बिजनेस इंटरेस्ट भी देखते हैं।

क्या है चाबी का चक्कर?

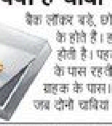

बैंक लॉकर बड़े, छोटे और मध्यम आकार के होते हैं। हर लॉकर की दो चाबियां होती हैं। पहली मास्टर की, जो बैंकर के पास रहती है और दूसरी चाबी ग्राहक के पास। लॉकर तभी खुलता है, जब दोनों चाबियां एक साथ मुड़ती हैं।

लॉकर सरेंडर के बाद क्या?

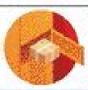

उदाहरण के तौर पर, 72 नंबर का लॉकर किसी ग्राहक ने सरेंडर किया है तो इसे सीधे किसी और को अलॉट नहीं किया जाता है। इसका लॉकर सिस्टम किसी दूसरे नंबर के लॉकर से रिप्लेस कर दिया जाता है।

लॉकर लेते वक्त क्या है ध्यान रखने वाली बातें?

- किराये के अलावा रजिस्ट्रेशन, मेंटिनेंस और देर से भुगतान की पेनल्टी की जानकारी लें।
- मेट्रो शहरों में लॉकर की डिमांड ज्यादा होने के कारण वेटिंग लिस्ट हो सकती है।
- ज्यादातर बैंकों में लॉकर लेने के लिए खाता होना जरूरी है।
- लॉकर की सुरक्षा सुविधाओं और नियमों को समझें जैसे कितनी मुफ्त विजिट मिलेंगी।

बीमा-कागजी तैयारी जरूरी?

बहुत से लोग लॉकर में रखे सामान की लिस्ट नहीं बनाते। यह बड़ी गलती है। कोशिश करें कि कीमती सामान की लिस्ट और फोटो लेकर अपने पास रखें।

पहले से रखें ये तैयारी

- लॉकर में रखे सामान की लिस्ट बनाएं
- गहनों के फोटो और बिल सुरक्षित रखें
- लॉकर एग्रीमेंट की कॉपी संभालकर रखें
- नॉमिनी जरूर जोड़ें

लॉकर से चोरी के कुछ केस

कीर्ति नगर, दिल्ली: इसी साल फरवरी में पीएनबी में महिला के लॉकर से 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी गायब हो गई। बैंक कर्मचारियों की मौजूदगी में लॉकर खोला गया था। केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

फरीदाबाद: पिछले साल फरीदाबाद में एक लोहा व्यापारी का पीएनबी के लॉकर से 950 ग्राम सोना (करीब 1.40 करोड़ की कीमत) गायब हो गया। वह 20 साल से लॉकर का उपयोग कर रहे थे।

लखनऊ: पिछले साल लखनऊ के इंडियन ओवरसीज बैंक में लॉकर से चोरी के मामले में ग्राहकों को केवल 10% ज्वेलरी ही वापस मिली। जबकि, करोड़ों रुपये के गहने गायब होने की बात कही गई थी।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(9 मार्च-15 मार्च 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth @timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
इस सप्ताह की शुरुआत में आपको आर्थिक मदद मिलेगी एवं बिजनेस पार्टनरशिप में जो भी साझेदारी में निवेश किए गए हैं उनसे फायदे होंगे। जीवन साथी द्वारा भी आपको इस सप्ताह आर्थिक मदद मिल सकती है। सोमवार से लेकर बुधवार तक समय कठिन रहेगा एवं खर्चों की स्थितियां बढ़ेंगी। सोमवार से लेकर बुधवार तक आपको अपने निवेश पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
सप्ताह की शुरुआत में धन आगमन के शुभ संयोग बनते जाएंगे एवं जीवन में धन वृद्धि होगी। इस सप्ताह आय के नए स्रोत खुलेंगे एवं धन वृद्धि के संयोग बनते जाएंगे। सप्ताह जैसे-जैसे आगे बढ़ता जाएगा वैसे-वैसे उन्नतिकारक स्थितियां होती जाएंगी। बिजनेस पार्टनरशिप शुभ रहेगी एवं धन लाभ की स्थितियां बनाएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में यानी की गुरुवार और शुक्रवार को खर्च अधिक हो सकते हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)
इस सप्ताह की शुरुआत में आय के नए स्रोत खुलेंगे। अचानक से धन आगमन की स्थितियां बनती जाएंगी एवं शेयर मार्केट द्वारा भी विशेष धन लाभ प्राप्त हो सकता है। सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ता जाएगा धन लाभ की स्थितियां भी बनती जाएंगी एवं निवेशों द्वारा फायदे होंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में साझेदारी में किए गए निवेश धन वृद्धि के संयोग बना रहे हैं। शनिवार और रविवार को धन व्यय अधिक हो सकते हैं।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
सप्ताह की शुरुआत में, सोमवार से ये स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं धन आगमन के चांसेस भी बढ़ेंगे। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में धन वृद्धि के शुभ संयोग आपके लिए बनते जाएंगे। सोमवार से लेकर बुधवार तक शेयर मार्केट द्वारा आपके लिए अच्छे संयोग बन रहे हैं। गुरुवार से आय के नए स्रोत खुलेंगे एवं कर्जों से मुक्ति के द्वार भी खुलते जाएंगे। सप्ताहांत में आपको अपने जीवन साथी की कुछ आर्थिक मदद मिल सकती है।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत में व्यय अधिक हो सकते हैं एवं सप्ताह जैसे-जैसे आगे बढ़ता जाएगा आपके लिए समय कठिन रहेगा। सोमवार से लेकर बुधवार तक का स्थितियां कठिन रहेंगी एवं अचानक से घर परिवार या वाहन पर खर्च अधिक हो सकते हैं। इस सप्ताह अपनी माता की सेहत पर ध्यान दें। सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल होता जाएगा और धन लाभ के कई संयोग आपको प्राप्त होंगे।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
इस सप्ताह की शुरुआत में धन आगमन की स्थितियां बनेंगी और आप अपनी वाकपटुता एवं व्यवहार कुशलता द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह की नई नेटवर्किंग आपको भविष्य में अच्छे परिणाम देगी एवं निवेशों द्वारा धन लाभ प्राप्त करवाएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में कुछ खर्च अधिक हो सकते हैं। सप्ताह अंत में हालांकि स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं अचानक धन वृद्धि के संयोग भी बनेंगे।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
सप्ताह के शुरू में शुभ संयोग बनेंगे एवं आप अपनी सूझ-बूझ द्वारा जीवन में सफलता हासिल करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह धन वृद्धि के अचानक से संयोग बन रहे हैं एवं निवेशों द्वारा भी धन लाभ प्राप्त होगा। इस सप्ताह अपनी व्यवहार कुशलता द्वारा एवं अपनी नेटवर्किंग द्वारा भी धन वृद्धि करवाने में सक्षम रहेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में जीवन में सफलता हासिल होगी, सप्ताह अंत में स्थितियां कठिन होंगी।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार से स्थितियां बेहतर होती जाएंगी और जीवन में तरक्की के नए आयाम खुलेंगे। धन आगमन के शुभ संकेत मिल रहे हैं एवं आप अपनी सूझ-बूझ द्वारा धन वृद्धि प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ता जाएगा धन लाभ की स्थितियां बनती जाएंगी एवं आप अपनी व्यवहार कुशलता द्वारा एवं अपनी वाकपटुता द्वारा भी अन्य लोगों को प्रभावित करेंगे एवं सकारात्मक निवेशों की तरफ प्रेरित करेंगे।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
सप्ताह की शुरुआत में सोमवार से लेकर बुधवार तक स्थितियां थोड़ा सा डांवाडोल रहेंगी एवं खर्च अधिक होंगे। सोमवार से बुधवार तक समय कठिन है एवं इस समय आपको अपने निवेशों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में स्थितियां प्रबल होती जाएंगी एवं जीवन में सुख समृद्धि के संयोग बनेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में गुरुवार से आप अपनी सूझ-बूझ द्वारा अच्छे निवेश करेंगे।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ता जाएगा स्थितियां बेहतर होती जाएंगी और सोमवार से बुधवार तक अचानक से धन वृद्धि के संयोग बनेंगे। सप्ताह की शुरुआत अच्छी है और धन लाभ की स्थितियां आपके लिए बन रही है। इस सप्ताह आप प्रॉपर्टी द्वारा, पैतृक संपत्ति द्वारा या फिर शेयर मार्केट द्वारा धन प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में गुरुवार और शुक्रवार को व्यय अधिक हो सकता है और इस तरफ ध्यान दें।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में धन वृद्धि के संयोग बन रहे हैं, इस सप्ताह आप अपनी मेहनत द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत आपके लिए अच्छी है एवं लाभकारी स्थितियां भी लेकर आ रही है। आपके बॉस आपको अच्छी राय देंगे। जिनके मशवरे से आर्थिक उन्नति के संयोग भी बनते जाएंगे।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत अच्छी है एवं धन आगमन के शुभ संयोग लेकर आ रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार से स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं आय के नए स्रोत खुलेंगे। इस सप्ताह, भाग्य आपका साथ देगा एवं धन लाभ की स्थितियां भी बनती जाएंगी। इस सप्ताह की गई यात्राएं आपके लिए शुभ संयोग लेकर आएंगी एवं धन संबंधित मामलों में सफलता दिलवाएंगी।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

काम की तारीखें

इन IPOs में मौका

IPO (Initial Public Offering) वह प्रक्रिया होती है, जिसके तहत कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को अपने शेयर बेचती है और शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी बन जाती है। IPO के बाद कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड होने लगते हैं और आम निवेशक भी उसमें हिस्सेदारी ले सकते हैं।

AI Image

- **Apsis Aerocom IPO**
  11 Mar 2026
- **Innovision IPO**
  10 Mar 2026
- **Rajputana Stainless IPO**
  9 Mar–11 Mar
- **Srinibas Pradhan Constructions IPO**
  6 Mar–10 Mar

GDP की चमक और बढ़ती आर्थिक असमानता के पीछे का सच बताती है यह किताब

पैसा बनाने के लिए वैल्यू क्रिएशन को समझें

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray @timesofindia.com

मात्जुकातो की किताब 'The Value of Everything' बताती है कि आधुनिक अर्थशास्त्र ने वैल्यू के निर्माण और एक्सट्रैक्शन के बीच का फर्क भुला दिया है। इस बुक में 17वीं सदी से लेकर आज तक वैल्यू थिअरी के विकास के बारे में बताया गया है, जिसमें गोल्ड, कृषि, और फिर लेबर को वैल्यू का आधार माना गया।

'The Value of Everything' मैरियाना मात्जुकातो (Mariana Mazzucato) की लिखी किताब है, जिसमें उन्होंने आधुनिक पूंजीवाद के वैल्यू क्रिएशन बनाम वैल्यू एक्सट्रैक्शन में फर्क बताया है। मैरियाना लिखती हैं कि आधुनिक अर्थशास्त्र ने इस बात पर ध्यान देना बंद कर दिया है कि वास्तविक वैल्यू किस चीज से क्रिएट होती है। मॉडर्न इकॉनमिक्स में इसे कीमत से जोड़कर रख दिया गया है। मैरियाना बताती हैं कि एडम स्मिथ और कार्ल मार्क्स जैसे क्लासिकल इकॉनमिस्टों का मानना था कि वैल्यू श्रम, संसाधनों और प्रोडक्शन प्रोसेस से क्रिएट होती है। हालांकि, आज इसे लोगों की पसंद और मार्केट प्राइस से जोड़ दिया गया है। मैरियाना का कहना है कि इसका फायदा कुछ फाइनैंशियर्स और टेक्नॉलजी इंटरमीडियरीज उठा रहे हैं। ये कंज्यूमर के लिए कोई वैल्यू क्रिएट नहीं कर रहे और इससे समाज में गैरबराबरी बढ़ रही है।

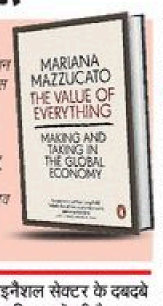

मात्जुकातो ने वैल्यू एक्सट्रैक्शन पर अधिक टैक्स लगाने और शेयरहोल्डिंग मॉडल को लॉन्ग-टर्म वैल्यू क्रिएशन से जोड़ने का सुझाव दिया है।

■ **गोल्ड में वैल्यू:** मैरियाना ने किताब में 17वीं सदी से लेकर अभी तक की वैल्यू थिअरी के बारे में जानकारी दी है। वह लिखती हैं कि शुरुआती व्यापारियों को गोल्ड में वैल्यू दिखी थी। इसलिए उनका जोर इसे इकट्ठा करने पर होता था। फिर जानकारों के एक वर्ग का जोर एग्रीकल्चर पर था। वैसे भी, जब दुनिया में मुद्रा नहीं थी, तब बार्टर ट्रेड यानी चीजों की अदला-बदली के जरिये व्यापार होता था और इसमें कृषि उपज की भूमिका होती थी।

■ **GDP बना मानक:** वह लिखती हैं कि क्लासिकल स्कूल ने श्रम और सर्विसेज के बीच फर्क किया। जो लोग इस विचार से सहमत थे, उनका मानना था कि श्रम का इस्तेमाल चीजों के निर्माण में होता है, इसलिए वह वैल्यू क्रिएशन के लिए अहम है। यह स्कूल सेवाओं यानी सर्विसेज को अनप्रोडक्टिव मानता था। हालांकि, 19वीं सदी में मांग और सप्लाई के आधार पर वैल्यू तय की जाने लगी। फिर 20वीं सदी आते-आते ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) अहम मानक बन गए, जिसमें कीमतों से जुड़ी किसी भी तरह की एक्टिविटी को शामिल किया गया था। यहां वैल्यू बनाने या उसे खत्म करने का विमर्श अब नहीं रह गया था।

> मैरियाना ने फाइनैंशल सेक्टर के दबदबे की आलोचना किताब में की है। वह लिखती है कि 1950 में जहां GDP में इसका योगदान 4% था, वह 2008 में बढ़कर 30% हो गया था।

■ **फाइनैंशल सेक्टर का रोल:** मैरियाना ने फाइनैंशल सेक्टर के दबदबे की आलोचना किताब में की है। वह लिखती है कि 1950 में जहां GDP में इसका योगदान 4% था, वह 2008 में बढ़कर 30% हो गया था। वह बताती है कि इसके लिए इस इंडस्ट्री ने हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेड, कॉम्प्लेक्स डेरिवेटिव प्रोडक्ट्स और सर्विसेज के लिए फीस पर फोकस किया। 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट ने इस रास्ते की कमियां दुनिया के सामने जाहिर कर दीं। तब कई बैंकों को बचाने के लिए सरकार को आगे आना पड़ा। सरकार का कहना था कि इन बैंकों को डूबने नहीं दिया जा सकता क्योंकि ये फाइनैंशल सिस्टम के लिए अहम हैं। इसके बावजूद लीमैन ब्रदर्स जैसे बैंक दिवालिया भी हुए। मैरियाना यह भी बताती हैं कि इकॉनमी में फाइनैंशल सेक्टर की भूमिका बढ़ने से समाज में गैरबराबरी भी बढ़ी।

■ **प्लैटफॉर्म कैपिटलिज़म:** उन्होंने किताब में इस भ्रम को भी दूर किया है कि इनोवेशन सिलिकॉन वैली की जागीर रही है। वह लिखती हैं कि GPS टेक्नॉलजी अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की वजह से दुनिया को मिली। वहीं, अमेरिकी गवर्नमेंट ने DARPA को बनाने में जो निवेश किया, उससे इंटरनेट का रास्ता बना। इसी तरह मैरियाना ने बायोटेक के लिए NIH की भूमिका का भी जिक्र किया है। मैरियाना का कहना है कि सरकार ने ऐसी टेक्नॉलजी को क्रिएट करने के लिए जो निवेश किया, उससे प्राइवेट सेक्टर को वो टूल मिले, जिसकी बदौलत उसने बेइंतहा पैसा बनाया।

वह बताती हैं कि उबर या Airbnb जैसे प्लैटफॉर्म ऐसे बिजनेस हैं, जिनमें असेट्स को दूसरों के साथ साझा करके वैल्यू जनरेट होती है, लेकिन ये कंपनियां कमिशन के जरिये कमाई कर रही हैं। यानी उन्होंने कोई ऐसा इनोवेशन नहीं किया है, जिससे कोई वैल्यू क्रिएट हो रही है। इस तरह के प्लैटफॉर्म कैपिटलिज़म का आधार नेटवर्क इफेक्ट है, लेकिन इसमें असेट क्रिएट करने वाले के हाथ बहुत कुछ नहीं लगता।

■ **टैक्स से भूल सुधार:** इस गलती को दूर करने के लिए वह वैल्यू एक्सट्रैक्शन पर अधिक टैक्स लगाने की वकालत करती हैं। वह यह भी लिखती हैं कि इससे जो पैसा आएगा, सरकारें उसे ग्रीन टेक्नॉलजी में लगा सकती हैं, जिससे बड़े पैमाने पर इंसानों का भविष्य जुड़ा है। मैरियाना लिखती हैं कि शेयरहोल्डर्स के लिए वैल्यू क्रिएशन पर जोर के कारण कंपनियां रिसर्च एंड डिवेलपमेंट से अधिक ध्यान बायबैक जैसे टूल पर करती हैं। इससे मुट्ठी भर लोगों को ही फायदा होता है। वह लिखती हैं कि शेयरहोल्डिंग मॉडल को लॉन्ग टर्म वैल्यू क्रिएशन के साथ जोड़ना बेहतर होगा। वह लिखती हैं कि वैल्यू को प्रोसेस की तरह लिया जाना चाहिए न कि प्राइस की तरह।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 03-09-2026 00:12 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 9 मार्च 2026 > फाल्गुन 18 शक संवत 1947 चैत्र कृष्ण षष्ठी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 57 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

भारत ने कई रेकॉर्ड किए अपने नाम

संजू सैमसन

89 रन

46 बॉल

05 फोर

08 सिक्स

तीसरी बार T20 वर्ल्ड कप का सरताज भारत

भारत ने T20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार इस कप पर कब्जा किया। वह पहली ऐसी टीम है, जिसने तीन बार T20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया। खिताबी मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं:

AFP

■ पीटीआई, अहमदाबाद: भारत ने न्यूजीलैंड को T20 वर्ल्ड कप फाइनल में 96 रन से हरा दिया। उसके सामने 256 रन का टारगेट था, लेकिन पूरी टीम 159 रन बनाकर आउट हो गई। आखिरी मैच में फॉर्म में लौटे अभिषेक शर्मा और लगातार भारत के 'मैच विनर' साबित हो रहे संजू सैमसन के अर्धशतकों की मदद से भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ T20 वर्ल्ड कप के फाइनल में 5 विकेट पर रेकॉर्ड 255 रन बनाए। देखें पेज 2, खेल पेज

अभिषेक शर्मा

52	21	6	3
रन	बॉल	फोर	सिक्स

ईशान किशन

54	25	4	4
रन	बॉल	फोर	सिक्स

खिताबी मैच में 18 सिक्स का रेकॉर्ड

भारत की पारी में कुल 37 बाउंड्री (18 सिक्स और 19 चौके) लगे। यह T20 वर्ल्ड कप के फाइनल में सर्वाधिक बाउंड्री का रेकॉर्ड है। यह T20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में सर्वाधिक छक्कों का भी रेकॉर्ड है। खिताबी मैच में भारत से पहले किसी भी टीम ने 18 छक्के नहीं लगाए थे। भारत ने T20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमी में इंग्लैंड के खिलाफ 37 बाउंड्री लगाई थी।

पावरप्ले में भारत ने बनाए 92 रन

भारत ने खिताबी मुकाबले के प्लेऑफ में बगैर कोई विकेट गंवाए 92 रन बनाकर वर्ल्ड रेकॉर्ड की बराबरी कर ली। भारत से पहले T20 वर्ल्ड कप 2024 में वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ कप मैच के शुरुआती 6 ओवरों में 1 विकेट गंवाकर 92 रन बनाए थे।

युवराज को इंसाफ का इंतजार

51 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

फटाफट खबरें

आज स्पीकर हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा!

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है और पहले ही दिन लोकसभा में सियासी टकराव देखने को मिल सकता है। विपक्ष की ओर से

लोकसभा स्पीकर को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। कांग्रेस और सहयोगी दलों ने स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव का नोटिस दिया है। पेज 6

केदार में हेलिकॉप्टर बुकिंग अप्रैल से

19 अप्रैल से शुरू हो रही चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर के टिकटों की बुकिंग अप्रैल के पहले हफ्ते से IRCTC के जरिए ऑनलाइन शुरू होगी। 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। केदारनाथ और बद्रीनाथ में हेलिकॉप्टर के लिए लाइव ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जा रहा है।

मुर्मु के अपमान पर बरसे PM, देश माफ नहीं करेगा

2 मेट्रो कॉरिडोर समेत दिल्ली को मोदी से कई सौगात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार की फिर आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश और राज्य की जनता देश की राष्ट्रपति का अपमान करने के लिए पार्टी को कभी माफ नहीं करेगी। देश का आदिवासी समाज भी कभी माफ नहीं करेगा। पीएम ने रविवार को दिल्ली में मेट्रो के दो नए कॉरिडोर और दूसरे प्रोजेक्ट्स की शुरुआत के बाद ये बातें कहीं। प्रोजेक्ट्स की लागत 33,500 करोड़ रुपये है।

पीएम ने कहा, 'आज जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है,

कहा, राष्ट्रपति के कार्यक्रम का बहिष्कार किया गया

यह बेहद चिंताजनक है कि कल ही पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपमान किया।' उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के कारण न केवल आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम में कुप्रबंधन देखने को मिला, बल्कि यह राष्ट्रपति, संविधान और देश में लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। राष्ट्रपति संथाल आदिवासी परंपरा के सम्मान में आयोजित एक महत्वपूर्ण समारोह में हिस्सा लेने के लिए बंगाल गई थीं। TMC ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करना चुना, जिसका राष्ट्रपति और आदिवासी समुदाय दोनों के लिए बहुत महत्व है। उनकी यह टिप्पणी राष्ट्रपति की ओर से शनिवार को पश्चिम बंगाल में आदिवासी समुदाय के सम्मेलन के जगह में बदलाव और उनके दौरे के दौरान सीएम ममता बनर्जी की गैरहाजिरी पर नाराजगी जताने के बाद आई है।

यह राष्ट्रपति, संविधान और देश में लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। -नरेंद्र मोदी, पीएम

PTI

पीएम ने कहा BJP सरकार आने से चौतरफा विकास में तेजी आई है।

देश के पहले रिंग मेट्रो की शुरुआत

12 किलोमीटर लंबे मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क मेट्रो कॉरिडोर की शुरू होने से रिंग मेट्रो पूरा।

10 किमी. लंबे दीपाली चौक से मजलिस पार्क मेट्रो कॉरिडोर की शुरुआत।

2722 सरकारी फ्लैट्स की सरोजिनी नगर और कस्तूरबा नगर में चाबी सौंपी गई।

तीन मेट्रो लाइन की आधारशिला रखी

9.9 किलोमीटर लंबे रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ मेट्रो कॉरिडोर।

2.3 किलोमीटर लंबे एयरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल-1 मेट्रो रूट का शिलान्यास।

3.9 किमी. तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज मेट्रो लाइन का भी शिलान्यास किया गया। पेज 3

राष्ट्रपति का अपमान मोदी ने किया था: ममता

■ पीटीआई, कोलकाता: पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर किए गए मोदी के हमले का खंडन किया। अपने दावे के समर्थन में बनर्जी ने सीनियर BJP नेता लाल कृष्ण आडवाणी के साथ बैठे हुए पीएम मोदी की एक बड़ी तस्वीर दिखाई, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके बगल में खड़ी हैं। यह तस्वीर कथित तौर पर मार्च 2024 के उस कार्यक्रम की है, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मु ने आडवाणी को उनके घर पर भारत रत्न से सम्मानित किया था। तस्वीर में दिख रहा है कि पीएम बैठे हैं, जबकि राष्ट्रपति खड़ी हैं। ममता ने कहा, 'हम ऐसा कभी नहीं करते। राष्ट्रपति का अपमान करने की संस्कृति BJP की है, हमारी नहीं।' पेज 6

बिहार की राजनीति

JDU में शामिल हुए नीतीश के बेटे निशांत कुमार

PTI

पिता से निशांत ने की मुलाकात

■ पीटीआई, पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार को जनता दल यूनाइटेड (JDU) में शामिल हो गए। इंजिनियरिंग में ग्रैजुएट निशांत को पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में JDU में शामिल किया गया। निशांत ने कहा, 'मेरे पिता ने राज्यसभा सदस्य बनने का फैसला लिया, उनका व्यक्तिगत निर्णय था। हम उनके मार्गदर्शन में काम करेंगे।' पेज 6

पंजाब में महिलाओं को ₹1,000/माह

■ पीटीआई, चंडीगढ़: पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ₹2,60,437 करोड़ का बजट पेश किया। बजट में पात्र महिलाओं के खातों में सीधे 1,000 से 1,500 रुपये हर महीने ट्रांसफर का प्रस्ताव है। इसके लिए 9,300 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। पेज 12

बवाना में युवक को मारी कई गोलियां

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: बवाना थाना क्षेत्र के पूठ खुर्द इलाके में रविवार सुबह एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि मृतक की पहचान भूपेंद्र (24) के रूप में हुई है। भूपेंद्र के शरीर पर गोली के कई निशान पाए गए हैं। रंजिश में मर्डर का शक है। पेज 2

तेल डिपो पर हमलों से तेहरान में अंधेरा, ईरान का पलटवार

AFP

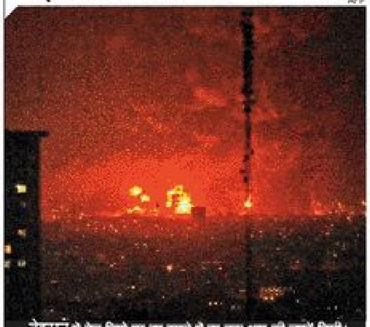

तेहरान में तेल डिपो पर हुए हमले में दूर तक आग की लपटें दिखीं।

उनकी (US) सोच थी कि वेनेजुएला जैसा होगा। हमला करेंगे, कंट्रोल कर लेंगे, लेकिन अब खुद फंस गए हैं। -अली लारीजानी, सिक्योरिटी चीफ, ईरान

ईरान की सेना लगभग टूटने की स्थिति में है। उनकी मिलिट्री लगभग खत्म हो चुकी है। उनकी नेवी और एयरफोर्स भी खत्म कर दी है। -डॉनल्ड ट्रंप, US प्रेसिडेंट

■ एपी/एएफपी, दुबई/तेहरान

अमेरिका और इस्राइली सेना ने शनिवार रात ईरान की राजधानी तेहरान में कई जगह एयरस्ट्राइक की। हमलों का मुख्य निशाना ईरान की लाइफलाइन माने जाने वाले तेल डिपो रहे। देर रात हुए इन हमलों के बाद तेहरान के कई इलाकों में जोरदार धमाके सुनाई दिए। दूर तक आग की लपटें दिखीं। दिन में धुएं से अंधेरा छाया रहा। हमलों में 4 तेल स्टोरेज टैंकर और एक पेट्रोलियम ट्रांसफर टर्मिनल निशाने पर रहे और 4 लोगों की इस हमले में मौत हुई। दावा किया कि यह पहली बार है जब देश के भीतर किसी बड़े सिविल इंडस्ट्रियल फैसिलिटी को सीधे तौर पर निशाना बनाया गया है। तेहरान में तेल डिपो पर हमले के बाद रेड क्रिसेंट ने एसिड रेन को लेकर चेतावनी जारी की है। इससे त्वचा में जलन, आंखों में संक्रमण और फेफड़ों को गंभीर नुकसान हो सकता है। वहीं, ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए संयुक्त अरब अमीरात (UAE), बहरीन, कुवैत में ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। पेज 7

और अपडेट

■ सऊदी में जंग में पहली बार 1 भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक के मारे जाने की सूचना दी।

■ इस्राइली सेना ने रविवार को बताया कि साउथ लेबनान में उनके 2 सैनिक मारे गए।

■ लेबनान से 100 से ज्यादा ईरानी नागरिकों, डिप्लोमैट को रूसी विमान से निकाला गया।

मुकद्दस रमज़ान

इफ्तार सोमवार

सुन्नी 6:25 pm

शिया 6:38 pm

सहरी मंगलवार

सुन्नी 5:20 am

शिया 5:09 am

हैपी मॉर्निंग

टीचर: कोई ऐसा वाक्य बताओ जिसमें उर्दू, हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी का प्रयोग होता हो?

गप्पू: इश्क दी गली विच No Entry.

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°

16.7° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त सोमवार 6:26 | सूर्योदय मंगलवार 6:37

दो से तीन दिन में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है।

आरोपी के तीन मंज़िला घर पर चला बुलडोज़र

PTI

उत्तम नगर मर्डर केस

■ दिल्ली नगर निगम (MCD) ने रविवार को उत्तम नगर में होली के दिन हुई हत्या के आरोपी के घर के अवैध हिस्से पर बुलडोजर चलाया।

■ विरोध को देखते हुए MCD की टीम भारी फोर्स के साथ जेजे कॉलोनी पहुंची थी। मकान तक पहुंचने वाले सभी रास्तों को पुलिस ने सील कर दिया था।

■ 4 मार्च को होली के गुब्बारे का पानी पड़ने के बाद हुई हिंसा में तरुण की मौत हो गई थी। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को पकड़ा है। एक आरोपी नाबालिग है। पेज 2

NBT वुमन बाइक रैली ने करीब 15 किमी. की दूरी तय की

जोश-जुनून के साथ सड़कों पर उतरीं बाइकर्स

Photos: Tarun Rawat, Sunil Kataria

उत्साह बाइक रैली में सैकड़ों महिलाओं ने रविवार को पूरे उत्साह के साथ दमखम दिखाया।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

NBT वुमन बाइक रैली में जोश, जज्बे और जुनून का संगम नजर आया। रविवार को हुई रैली में बड़ी तादाद में महिलाओं ने हिस्सा लिया। कनॉट प्लेस से शुरू हुई यह रैली इंडिया गेट होते हुए करीब 15 किमी. की दूरी तय कर कनॉट प्लेस में ही आकर खत्म हुई। रैली में बाइक के साथ महिलाओं का उत्साह देखते बनता था। सुबह 6:30 बजे से रजिस्ट्रेशन के लिए महिलाएं आने लगी थीं। उनके चेहरों पर आत्मविश्वास की चमक थी। अलग-अलग पोशाक और वेशभूषा में महिलाओं ने रैली में हिस्सा लिया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता आईं तो बाइकर्स महिला और लड़कियों का उत्साह बढ़ गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का जोरदार स्वागत किया गया। सीएम और लोकसभा स्पीकर के रैली को झंडी दिखाई तो बाइक-स्कूटर सवार महिलाएं साहस और सपनों की रफ्तार के साथ सड़कों पर उतर आईं। पेज 8,9

NBT ALL WOMEN BIKE RALLY 2026

कनॉट प्लेस की गलियों और सड़कों पर जो गूंज है वह भारत की बदलती हुई तस्वीर है। देश नारी शक्ति के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। -रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

भारत की महिलाओं के शौर्य, स्वाभिमान, आत्मविश्वास की यहां पर झलक मिल रही है। भारत की महिलाएं कहीं भी पीछे नहीं हैं। -ओम बिरला, स्पीकर, लोकसभा

दिल्ली की CM रेखा गुप्ता, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, NDMC वाइस चेयरमैन कुलजीत चहल, सांसद कमलजीत सेहरावत और बांसुरी स्वराज के साथ प्रियंका चतुर्वेदी (बाएं से दाएं) मौजूद थीं। सांसद स्वाति मालीवाल भी बाइक रैली का हिस्सा बनीं। (नीचे की लाइन में)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 03-08-2026 23:24 Color:

टी20 का ताज, इंडिया गेट पर जश्न का सैलाब

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ **जैसे ही** भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया, दिल्ली की सड़कों पर जश्न का सैलाब उमड़ पड़ा। अहमदाबाद के स्टेडियम से उठी जीत की गूंज कुछ ही देर में इंडिया गेट और कनॉट प्लेस तक सुनाई देने लगी। आलम यह रहा है कि जीत के कुछ देर में इंडिया गेट के आसपास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी जमा हो गए। हाथों में तिरंगा लहराते लोग 'भारत माता की जय' और 'इंडिया-इंडिया' के नारे लगाते नजर आए। इस दौरान युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। मैच में संजू के शानदार प्रदर्शन को लेकर भी खूब चर्चा रही। इंडिया गेट पर कई जगहों पर 'संजू-संजू' के नारे सुनाई दे रहे थे। क्रिकेट प्रेमी जीत की खुशी में ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते नजर आए। कनॉट प्लेस की सड़कों पर भी जश्न का माहौल दिखा।

इंडिया-इंडिया के नारों गूंजी सीपी, सड़कों पर फैला संजू के नाम का शोर

होली-दिवाली एक साथ

भारत की जीत से पहले ही क्रिकेट प्रेमियों ने इंडिया गेट पर चौक कर दिया और जैसे ही भारत चैंपियन बना आसमान में पटाखे छोड़े गए, गुलाल से एक दूसरे को रंगा गया। गाड़ियों पर चढ़कर झंडा लहराते हुए जमकर लोगों ने डांस किया। बच्चों से लेकर बड़ों तक सबने इंडिया इंडिया, भारत माता की जय के नारे लगे। लोगों ने जमकर आतिशबाजी कर जश्न मनाया।

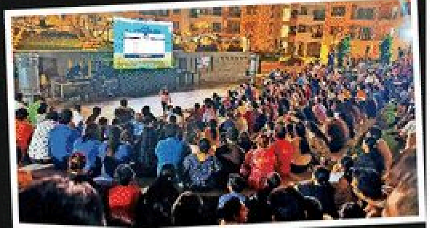

आईफोन के नकली पार्ट्स का रैकेट पकड़ा, पांच अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : रोहिणी इलाके में आईफोन के नकली स्पेयर पार्ट्स और एक्सेसरीज बेचने वाले एक बड़े रैकेट का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच दुकानों पर छापेमारी कर करीब 1.60 करोड़ रुपये का नकली माल बरामद किया है। इस मामले में पांच दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान दिनेश, शिवम सिंघल, शिवम, पुनीत और रामकरण के रूप में हुई है।

डीसीपी (क्राइम) पंकज कुमार के मुताबिक 6 मार्च को सूचना मिली थी कि रोहिणी इलाके की कुछ दुकानों पर आईफोन के नकली स्पेयर पार्ट्स को असली बताकर बेचा जा रहा है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने रोहिणी के विकास सूर्या शॉपिंग मॉल और मंगल प्लेस स्थित 5 दुकानों पर छापेमारी की।

रोहिणी की 5 दुकानों पर छापा, 1.60 करोड़ रुपये के नकली स्पेयर पार्ट्स बरामद

दुकानदार सामानों की खरीद-बिक्री से जुड़ा कोई बिल या एपल कंपनी की इजाजत नहीं दिखा सके। इंस्पेक्टर अजय शर्मा की देखरेख में एसआई मनीष कुमार, हितेश भारद्वाज, एसआई नरेंद्र सिंह, हेड कॉन्स्टेबल मंदीप, नीरज, आकाश, शब्बीर खान और मंजू सिंह की टीम ने छापेमारी के दौरान करीब 1000 आईफोन बैक पैनल, 150 बैक बॉडी, 228 बैटरी, 738 बैक कवर बरामद किए।

NICU बच्चों की माताओं को सहारा देगा 'मदर्स नेस्ट'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एचसीएल फाउंडेशन ने एम्स और डॉक्टर्स फॉर यू के बीच 'मदर्स नेस्ट' प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन (MOU) साइन किया। इस पहल का उद्देश्य एम्स में नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (NICU) में भर्ती नवजात शिशुओं की माताओं को बेहतर सहयोग और देखभाल उपलब्ध कराना है।

जानकारी के मुताबिक, एमओयू पर साइन एम्स निदेशक परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किए गए। इस मौके पर एम्स के निदेशक प्रो. एम श्रीनिवास, HCL टेक की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (ग्लोबल सीएसआर) और एचसीएल फाउंडेशन की निदेशक डॉ. निधि पुंढीर और डॉक्टर्स फॉर यू के अध्यक्ष डॉ. रजत जैन मौजूद रहे। दावा है कि 'मदर्स नेस्ट' के पहल से एनआईसीयू में भर्ती नवजात की माताओं को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगी। इससे माताओं की देखभाल और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं, महिला दिवस के मौके पर एचसीएल फाउंडेशन ने एम्स को 100 सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें भी दान की।

HCL फाउंडेशन ने एम्स और डॉक्टर्स फॉर यू के बीच किया MOU

तरुण हत्याकांड एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी थी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

आरोपियों के घर पर बुलडोज़र का ऐक्शन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उत्तम नगर में तरुण की हत्या में रविवार को एमसीडी ने बड़ा ऐक्शन लिया। शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। एमसीडी की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उत्तम नगर जेजे कॉलोनी स्थित तीन मंजिला मकान को बुलडोजर और हथौड़े की मदद से ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने पूरे इलाके को सील किया और किसी को भी मकान के आसपास जाने की इजाजत नहीं दी। एमसीडी ने पूरे मामले को लेकर चुप्पी साधी हुई है। वेस्ट जोन के डिप्टी कमिश्नर कर्नल विनोद अत्री, पीएंडआई डायरेक्टर अनिल कुमार यादव और बिल्डिंग विभाग के अधिकारी फोन नहीं उठा रहे।

एमसीडी ने पूरे मामले को लेकर चुप्पी साधी हुई है

दरअसल, हत्या में शामिल लगभग सभी आरोपी उत्तम नगर जेजे कॉलोनी स्थित इसी तीन मंजिला मकान में रहते हैं। दो दिन पहले लोगों ने हत्याकांड का विरोध करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग की थी। लोगों के भारी विरोध को देखते हुए एमसीडी की टीम रविवार सुबह भारी पुलिस फोर्स लेकर उत्तम नगर जेजे कॉलोनी स्थित उस मकान के बाहर पहुंच गई, जिसमें ज्यादातर आरोपी रह रहे थे। पुलिस ने मकान तक पहुंचने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया। पूरे इलाके को छावनी में तब्दील करने के बाद एमसीडी की टीम ने मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी। ग्राउंड फ्लोर पर बुलडोजर से एक्शन लिया गया, जबकि बीच की मंजिल के लिंटर को काटने के लिए कटर का इस्तेमाल किया गया। टॉप फ्लोर को एमसीडी ने हथौड़ों की मदद से ध्वस्त किया। लोगों ने बताया कि मकान तोड़ने की कार्रवाई सुबह 10 के करीब शुरू हो गई थी। देर शाम तक काम चल रहा था। निजामुद्दीन नाम का आरोपी है, जिसके घर पर बुलडोजर एक्शन लेते हुए अवैध निर्माण को तोड़ा गया।

Photos: PTI

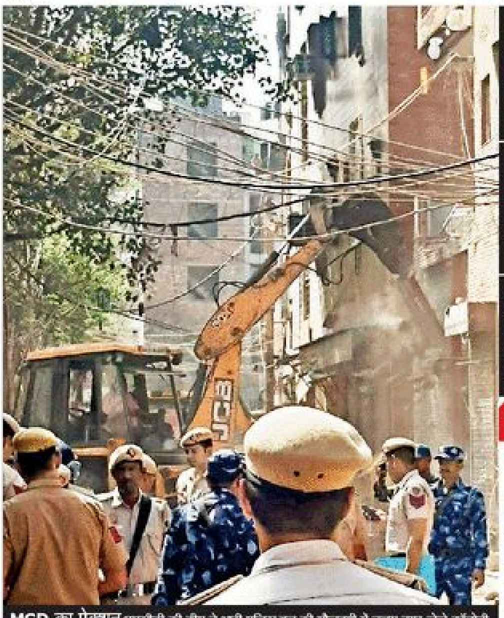

MCD का ऐक्शन एमसीडी की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उत्तम नगर जेजे कॉलोनी स्थित तीन मंजिला मकान को बुलडोजर और हथौड़े की मदद से ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की

रविवार को एमसीडी ने लिया ऐक्शन, मौजूद रहा भारी पुलिसबल

उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में स्थित है यह तीन मंजिला मकान

दो दिन पहले लोगों ने हत्याकांड का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया था

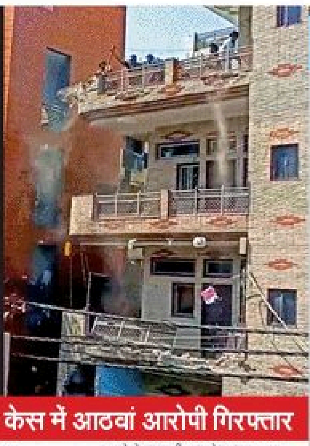

तरुण मर्डर केस में आठवां आरोपी गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, उत्तम नगर

उत्तम नगर में तरुण की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को आठवें आरोपी को गिरफ्तार किया। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान इमरान उर्फ बंटी (32) के रूप में हुई है। वह भी जेजे कॉलोनी, हस्साल रोड, उत्तम नगर इलाके का ही रहने वाला है। इस मामले में हत्या की धारा के अलावा SC/ST प्रिवेंटिव एक्ट पहले ही जोड़ा जा चुका है। जिले के डीसीपी के अलावा रविवार को जॉइंट पुलिस कमिश्नर वेस्टर्न रेंज जतिन नरवाल भी इलाके में सुरक्षा जायजा लेने पहुंचे। उत्तम नगर थाने के अलावा द्वारका जिले के अन्य थाने की टीम और ऑपरेशन सेल की टीम की भी अलग से तैनाती करवाई गई है। खासकर जिस समय एक आरोपी के मकान को गिराने की कार्रवाई की जा रही थी।

आरोपी की पहचान इमरान उर्फ बंटी (32) के रूप में हुई है

परिवार से मिली सांसद स्वाति मालीवाल

स्वाति ने कहा, न्याय की लड़ाई में मैं इस परिवार के साथ खड़ी हूं

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने रविवार को उत्तम नगर में तरुण के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'उत्तम नगर के तरुण कुमार के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की। होली के दिन बेरहमी से तरुण को मार डाला। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और वे इंसाफ चाहते हैं। गुब्बारे के कुछ छींटे लगने को धार्मिक मुद्दा बनाकर तरुण और उनके परिवार पर बेरहमी से हमला कर दिया गया। इस न्याय की लड़ाई में मैं इस परिवार के साथ अंतिम दम तक खड़ी हूं।'

अवैध रूप से बने मकान पर चले बुलडोजर का सचदेवा ने किया स्वागत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने होली के दिन उत्तम नगर में हुई हिंसा की निंदा की है। रविवार को दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम द्वारा हिंसा और हत्या के आरोपी परिवार के अवैध रूप से बने मकान को बुलडोजर के जरिए तोड़े जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अतिवादियों ने पहले भी ऐसे कई घाव दिल्ली की माओं को दिए हैं लेकिन इस बार दिल्ली पुलिस और प्रशासन का इस तरह की सख्त कार्रवाई का फैसला अब आने वाले समय में अतिवादियों के लिए एक सबक का काम करेगा।

बुलडोज़र ऐक्शन समाज को तोड़ने वाला कदम : कासमी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जमीयत उलेमा-ए-हिंद दिल्ली के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद कासिम नूरी कासमी ने उत्तम नगर में तरुण की हत्या से बने हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि तरुण की हत्या उसी सांप्रदायिक माहौल की उपज है, जिसने देश में हजारों लोगों की जान ली है।

कासमी ने कहा कि अपराधी कोई भी हो, उसे कानून और न्याय के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। लेकिन न्याय के बजाय जंगलराज और तानाशाही का माहौल कायम करना और यदि आरोपी मुसलमान हो तो कहीं एनकाउंटर के नाम पर तो कहीं गैरकानूनी बुलडोजर चलाकर कार्रवाई करना न केवल देश के कानून और न्याय व्यवस्था का अपमान है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार जिस तरह उत्तम नगर में बुलडोजर की कार्रवाई करवा रही है, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का खुला उल्लंघन है।

कहा- हत्या दुखद, पर कानून के अनुसार मिले सजा

इलाज कराने के लिए अस्पताल आई युवती पर फेंका तेजाब!

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार रात को शहर में एक सनसनीखेज वारदात हुई। सुभाष नगर की रहने वाली 24 वर्षीय एक युवती पर सिविल अस्पताल में इलाज कराने पहुंची थी, इसी दौरान एक युवक ने पीछे से उस पर एसिड (तेजाब) फेंक दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पीड़िता को तुरंत अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, युवती के साथ पहले किसी विवाद के चलते मारपीट की गई थी। इसी मारपीट में घायल युवती इलाज कराने के लिए जब सेक्टर-10 स्थित सिविल अस्पताल पहुंची, तो वहां आरोपी युवक ने उस पर पीछे से एसिड से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में युवती के कपड़े बुरी तरह जल गए। गनीमत रही कि वह अस्पताल में थी, जिसके चलते उसे तुरंत मेडिकल सहायता मिल गई।

सेक्टर-10 स्थित सिविल अस्पताल

गुमशुदा की तलाश

मो. अरीब

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका **नाम: मो. अरीब, पुत्र: शकील** सुआर रहमान, **पता:** मकान नंबर 2304–05 जीएफ, गली मंदिर वाली कूचा चालान, दिल्ली, **लिंग:** पुरुष, **उम्र:** 31 वर्ष **कद:** 5'8'', **रंग:** सांवला, **चेहरा:** गोल, **शरीर:** मध्यम, **पहनावा:** काले रंग की टी–शर्ट, नीली जींस पैंट, जो दिनांक 07.03.2026 से मकान नंबर 2304–05 जीएफ, गली मंदिर वाली कूचा चालान, दिल्ली, थाना चांदनी महल, दिल्ली से लापता है।

इस बाबत **DD No.: 113A दिनांक: 07.03.2026** थाना: चांदनी महल, दिल्ली में दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता पुरुष के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लापता पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/3013/N/2026

थानाध्यक्ष
थाना: चांदनी महल, दिल्ली
मोबाइल: 9868370517, 011–23271751

200 की स्पीड में मोड़ी थी SUV, कई बार पलटी फॉर्च्युनर

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : डीएमई पर मसूरी क्षेत्र में शनिवार रात यूट्यूबर अनुराग डोभाल ने 200 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड में अचानक स्टेयरिंग मोड़ दी थी। इससे SUV कई बार पलटती हुई दिल्ली मेरठ साइड जा गिरी। हादसे से पहले अनुराग ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह परिवार पर आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने उन्हें मेरठ के सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात उनके साथी दिल्ली के निजी अस्पताल ले गए। वहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

शनिवार रात हुआ था अनुराग डोभाल का एक्सिडेंट

गुड़गांव : रंगदारी के लिए लग्ज़री कार शोरूम पर बरसाईं गोलियां

बाइक सवार बदमाशों ने 20 राउंड फायरिंग कर फैलाई दहशत, FIR

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

शहर में शनिवार देर शाम हीरो होंडा चौक स्थित मशहूर लग्जरी कार शोरूम 'बिग बॉय टॉयज' के बाहर बाइक सवार बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में सनसनी फैला दी। दो बदमाशों ने शोरूम पर 20 से अधिक गोलियां चलाईं। फायरिंग के दौरान एक गोली वहां मौजूद एक व्यक्ति के हाथ को छूकर निकल गई, उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। आशंका है कि करोड़ों रुपये की रंगदारी के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया। इस वारदात के तार कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ से जुड़ रहे हैं, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि वारदात में शामिल 3 आरोपियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी धरपकड़ के लिए पुलिस की टीमें दबिशें दे रही हैं।

शनिवार देर शाम एक बाइक पर सवार तीन बदमाश हीरो होंडा चौक के पास स्थित कार शोरूम पर पहुंचे। बदमाशों ने 20 से अधिक राउंड फायर किए और फरार हो गए। वहां एक बिल्डर कंपनी के मालिक की कार खड़ी थी। कार में बैठे ड्राइवर राजपाल को एक गोली छूकर निकल गई, इसे लगने से वह घायल हो गया। सूचना पर सेक्टर-37 थाना पुलिस पहुंची और घायल ड्राइवर को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

बदमाशों ने शोरूम के गेट के पास लगातार गोलियां दागीं। फायरिंग से शोरूम के एंट्रेंस के मोटे शीशे चकनाचूर हो गए। गोलियां शोरूम की दूसरी मंजिल तक गईं। वहां खड़ी कई महंगी गाड़ियों के शीशे भी टूट गए। पुलिस जांच में शोरूम की छत की सीलिंग में भी गोलियों के निशान पाए गए हैं। इस घटना से शोरूम को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के बाद आरोपियों की पहचान कर ली है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि फायरिंग करने वाले तीनों आरोपियों की पहचान हो गई है। तीनों झज्जर के रहने वाले अतुल, दीपक और नीरज हैं। आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्राइम ब्रांच और थाना पुलिस की कई विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं जो लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही तीनों शूटर सलाखों के पीछे होंगे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इन शूटरों को भाऊ गैंग ने ही सुपारी देकर भेजा था या इस वारदात में किसी और गैंग का हाथ है।

बिग बॉय टॉयज शोरूम पर फायरिंग

भाऊ गैंग के हाथ की आशंका, पोस्ट वायरल

इस हाई-प्रोफाइल फायरिंग केस में कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग का नाम सामने आ रहा है। कुछ समय पहले ही भाऊ गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिली थी और कारोबारी से करीब 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस इस घटना को रंगदारी और दहशत फैलाने के एंगल से जोड़कर देख रही है। इस मामले में कथित तौर पर एक पोस्ट भी सामने आई है। पोस्ट में लिखा है कि बीबीटी कुरुक्षेत्र पर जो गोली चली है, वो हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुर ने चलवाई है।

बवाना में युवक की गोली मारकर हत्या

■ NBT न्यूज, बवाना

आउटर-नॉर्थ दिल्ली के बवाना थाना इलाके में रविवार सुबह एक युवक का शव मिला। उनके शरीर में आधा दर्जन से ज्यादा गोलियां मारी गई थीं। मृतक की पहचान भूपेंद्र उर्फ भोलू (24) के रूप में की गई है। यह वारदात राम वाटिका, पूठ खुर्द, सुल्तानपुर रोड के पास शनिवार देर रात हुई है। रविवार सुबह सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया।

इस मामले की पुष्टि करते हुए डीसीपी आउटर नॉर्थ हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि भूपेंद्र को कई गोलियां मारी गई हैं। मृतक की पहचान उनके पिता कुलदीप ने की। बवाना थाना की पुलिस टीम ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि वारदात के पीछे की सही वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

घटना स्थल के पास ही पुलिस टीम को मृतक भूपेंद्र की स्कूटी, पर्स और मोबाइल भी बरामद हो गया है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस हत्या का कारण नहीं बता रही है। माना जा रहा है कि आपसी रंजिश, प्रॉपर्टी विवाद या गैंगवार में भूपेंद्र की हत्या की गई हो सकती है, लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि भूपेंद्र का एक नामी गैंगस्टर के कुछ लड़कों के साथ मिलना जुलना था। शायद इसी वजह से तो कहीं दूसरे गैंग ने भूपेंद्र की हत्या तो नहीं करवा दी।

पता चला कि मृतक के परिवार में पिता कुलदीप के अलावा मां, भाई और बहन भी हैं। पिता कुलदीप बिजली वितरण की एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर हैं। भूपेंद्र डीयू से ग्रेजुएशन कर रहे थे। वह शनिवार की रात को दोस्त से मिलने की बात कहकर घर से निकले थे। परिजनों की रात करीब 10 बजे भूपेंद्र से बातचीत हुई थी। उस समय उन्होंने जल्द घर आने की बात की थी। इसके बाद वह नहीं लौटे। रात 11:30 के बाद परिजन लगातार कॉल करते रहे, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद परिजनों ने दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां कॉल कर भूपेंद्र के बारे में पूछा।

पुलिस आशंका जता रही है कि उससे पहले ही बदमाशों ने भूपेंद्र की हत्या कर दी होगी। लूटपाट से पुलिस ने इनकार किया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि भूपेंद्र के परिवार का कुछ लोगों से प्रॉपर्टी का विवाद चल रहा था। रंजिश या प्रॉपर्टी विवाद में उसकी हत्या से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि पुलिस गैंगवार से भी इनकार नहीं कर रही।

रंजिश, प्रॉपर्टी विवाद या गैंगवॉर हो सकती है मर्डर की वजह

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 03-08-2026 22:55 Color:

लगातार बढ़ रहे गर्मी के सितम से फिलहाल राहत की नहीं उम्मीद

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में तापमान बीते दो दिनों से 35 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। दिन में तो यह 38 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। बीते 15 सालों में अधिकतम तापमान इस बार सबसे जल्दी इस स्तर पर पहुंचा है। पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो से तीन दिन में यह बढ़कर 38 डिग्री तक पहुंच सकता है। ऐसे में गर्मी से राहत की अगले छह से सात दिनों तक कोई संभावना नहीं है।

संडे को लगातार दूसरे दिन तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 7.2 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक है। रिज में अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री पहुंच गया। यह सामान्य से 9.5 डिग्री अधिक रहा। वहीं लोदी रोड का तापमान 35.8 डिग्री और आया नगर का 36.2 डिग्री रहा। दोनों जगहों पर तापमान सामान्य से 7.8 और 7.4 डिग्री अधिक रहा। रिज का न्यूनतम तापमान भी 18.3 डिग्री पर पहुंच गया है।

पूर्वानुमान के अनुसार अगले 6 से 7 दिन आंशिक बादल छाए रहेंगे, लेकिन धूप या गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। अगले दो से तीन दिन तापमान काफी तेजी से बढ़ेगा। सोमवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री तक रह सकता है।

RAJESH MEHTA
सेंट्रल पार्क के फाउंटेन के नीचे लड़कियों ने कुछ इस अंदाज में गर्मी को मात दी

संडे के दिन भी हवा रही खराब

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : **राजधानी** में प्रदूषण का स्तर रविवार को भी खराब रहा। आज और अगले कुछ दिनों तक इसके खराब स्तर पर ही रहने का अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के एयर बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई रविवार को 247 दर्ज किया गया। मुख्य प्रदूषक ओजोन और पीएम 2.5 रहा। फरीदाबाद का एक्यूआई 230, गाजियाबाद का एक्यूआई 309, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 308 गुरुग्राम का एक्यूआई 273 और नोएडा का एक्यूआई 274 रहा। सात जगहों पर एक्यूआई बेहद खराब रहा। वजीरपुर का एक्यूआई 309, पूसा का एक्यूआई 317, मुंडका का एक्यूआई 326, द्वारका सेक्टर-8 का एक्यूआई 307, बुराड़ी का एक्यूआई 305, अशोक विहार का एक्यूआई 302, आनंद विहार का एक्यूआई 306 रहा। 29 जगहों पर एक्यूआई खराब रहा। 8 जगहों पर एक्यूआई सामान्य रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 9 मार्च को एक्यूआई सामान्य रहेगा। 10 मार्च को यह वापस खराब स्तर पर हो जाएगा।

संडे को दिल्ली का AQI 247 दर्ज किया गया

फास्ट ट्रैक पर आगे बढ़ने को तैयार दिल्ली

महिला दिवस पर PM ने दिल्ली को दिया 33500 करोड़ का 'गिफ्ट'

Photos : PTI

PM नरेंद्र मोदी के अलावा इस दौरान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और बीजेपी के कई नेता मौजूद रहे

- PM नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में अलग-अलग कई प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया
- दिल्ली का विकास पूरे देश की छवि को दर्शाता है: PM मोदी
- कहा, बीजेपी सरकार में दिल्ली में विकास ने पकड़ी रफ्तार
- अपने भाषण में पीएम ने पिछली 'आप' सरकार को भी घेरा

इन योजनाओं का किया उद्घाटन

- मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क तक 12KM लंबे मेट्रो कॉरिडोर का।
- दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक 10 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का।
- सरोजनी नगर व कस्तूरबा नगर में बने 2722 सरकारी फ्लैट्स का।

इनका किया शिलान्यास

- रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक 9.9 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का।
- एयरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक 2.3 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का।
- तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक 3.9 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का।
- 6000 से अधिक सरकारी फ्लैट्स के निर्माण का।

Brijesh.Singh
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के विकास के लिए 33,500 करोड़ रुपये के अलग-अलग प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली केवल एक राजधानी नहीं है, बल्कि यह भारत की पहचान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली का विकास महज एक शहर का विकास नहीं होता, बल्कि यह पूरे देश की वैश्विक छवि को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया और तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास कर मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को नई गति दी। इसके साथ ही, उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के लिए बनने वाले 6 हजार नए फ्लैट्स के निर्माण कार्य की आधारशिला भी रखी। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित कई अन्य गेस्ट मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने एक साल पहले जिस नई उम्मीद और संकल्प के साथ बीजेपी की 'डबल इंजन' सरकार चुनी थी, उसका सुखद परिणाम आज धरातल पर दिखाई दे रहा। आज का दिन इसलिए भी खास है क्योंकि पूरा विश्व 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' मना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत महिला सशक्तिकरण की एक नई गाथा लिख रहा है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देश की समस्त नारी शक्ति को महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा रही महिलाओं से भी बातचीत की। इसमें आयुष्मान कार्ड, पीएम स्वनिधि योजना की लाभार्थी महिलाएं शामिल थीं।

'आपदा सरकार से मुक्ति थी जरूरी'

पीएम ने दिल्ली की पिछली सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि एक वर्ष पहले दिल्ली ने जिस आपदा से मुक्ति पाई, वह कितना जरूरी था। आपदा सरकार न होती तो मेट्रो फेज 4 बहुत पहले पूरा हो चुका था। आपदा वालों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दिल्ली के लाखों लोगों की सुविधा को ताक पर रखा था। बीजेपी सरकार आने से चौतरफा विकास में तेजी आई है। करीब दस साल तक आपदा सरकार ने हर काम ठप किया। अब फर्क साफ है। आपदा वालों का मॉडल था, 'काम कम, बहाने ज्यादा'। अब दिल्ली में विकास का मॉडल है 'बहाने बंद, काम शुरू'।

'3 करोड़ लखपति संकल्प पूरा': पीएम ने कहा कि आज महिला शक्ति देश के विकास में समान सहभागिता निभा रही है। मैंने संकल्प लिया था कि 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाऊंगा। तब मेरा खूब मजाक बनाया गया। आज गर्व हो रहा है कि 3 करोड़ लखपति दीदी का संकल्प पूरा हो चुका है। हमारी बहनों, माताओं के पास हुनर था, अवसर नहीं मिल रहे थे। हमने अवसर दिया और उन्होंने करके दिखाया। आज महिला दिवस फिर संकल्प ले रहा हूं कि तीन करोड़ और लखपति दीदी बनाऊंगा।

दिल्ली से बनती है देश की छवि

मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति जब भारत के बारे में सोचता है तो उसके मन में दिल्ली की तस्वीर आती है। दिल्ली केवल राजधानी नहीं, वह भारत की पहचान और ऊर्जा का प्रतीक है। यहां जितनी आधुनिक, सुविधाजनक और बेहतर कनेक्टिविटी होगी, भारत का आत्मविश्वास दुनिया के सामने उतना मजबूत दिखेगा। एक समय दिल्ली में खराब व्यवस्थाओं की चर्चा होती थी। अब मेट्रो का विस्तार हो रहा है। नमो भारत ट्रेन पहुंच गई है। दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क 375km से आगे बढ़ गया है। दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में मेट्रो का इतना बड़ा नेटवर्क नहीं है। केंद्र सरकार दिल्ली की ऐतिहासिक स्थलों को विकसित कर रही है। नैशनल वॉर मेमोरियल, नया संसद भवन, कर्तव्य पथ को नए सिरे से बनाना 21वीं सदी के भारत की नई सोच को दिखाता है। भारत मंडपम व यशोभूमि जैसे स्थान भारत के व्यापार क्षमता से परिचित कराते हैं तो प्रधानमंत्री संग्रहालय, युगे युगीन जैसे संग्रहालय भारत की पहचान को मजबूत कर रहे हैं।

दिल्ली भारत की पहचान और ऊर्जा का प्रतीक: PM

मेट्रो की रिंग तैयार, अब दिल्ली के किसी भी कोने तक सफर आसान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मेट्रो फेज-4 के दो कॉरिडोर मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क और दीपाली चौक से मजलिस पार्क पर यात्रियों के लिए मेट्रो ट्रेन के दरवाजे खोल दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दोपहर इनका उद्घाटन किया। दोनों कॉरिडोर के खुलने से दिल्ली में एक जगह से दूसरे जगह की आवाजाही आसान हो जाएगी। पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और नॉर्थ दिल्ली के इलाकों को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। पिंक लाइन एक्सटेंशन कॉरिडोर मौजपुर से मजलिस पार्क के खुलने से यात्री पिंक लाइन के किसी भी स्टेशन से चलकर दिल्ली-NCR के किसी भी हिस्से पर जा सकते हैं।

मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क: मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क कॉरिडोर 12 किलोमीटर लंबा है। यह फेज-3 में बने पिंक लाइन शिव विहार से मजलिस पार्क कॉरिडोर का एक्सटेंशन है। इस हिस्से के खुलने से पिंक लाइन अब एक रिंग की तरह दिखेगी। यह पूरी दिल्ली को आपस में जोड़ेगी। यह मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर से भी आपको कनेक्ट करेगी। इस पूरे कॉरिडोर पर कुल 12 इंटरचेंज स्टेशन हैं। पिंक लाइन पर सवार होने के बाद आप ब्लू, ग्रीन, मजेंटा, वायलेट, येलो लाइन से सीधे कनेक्ट होकर ना सिर्फ दिल्ली बल्कि NCR के शहरों में भी सफर कर सकते हैं। पिंक लाइन पर 71 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर है। इस पर कुल 43 मेट्रो स्टेशन हैं। इसके अलावा मौजपुर से अलग एक लाइन पर 3 स्टेशन गोकलपुरी, जौहरी एनक्लेव और शिव विहार स्टेशन भी हैं।

किन्हें होगा फायदा: इस एक्सटेंशन कॉरिडोर के खुलने से भजनपुरा, खजूरी चौक, सूरघाट, बुराड़ी, वजीराबाद, जगतपुर गांव, श्री राम कॉलोनी, करावल नगर जैसे इलाकों को भी काफी फायदा होगा। यानी पिंक लाइन पर किसी भी स्टेशन से बैठने के बाद दिल्ली के किसी हिस्से में पहुंचा जा सकता है। नॉर्थ वेस्ट दिल्ली से नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली की दूरी भी कम होगी। इससे पैसा और समय दोनों की बचत होगी।

दीपाली चौक से मजलिस पार्क

दीपाली चौक से मजलिस पार्क के बीच खुला 10 किलोमीटर का यह हिस्सा फेज-4 में मजेंटा लाइन के एक्सटेंशन कॉरिडोर जनकपुरी पश्चिमी से आरके आश्रम का हिस्सा है। यह पूरा कॉरिडोर 28.92 किलोमीटर लंबा है। इस पर कुल 22 स्टेशन हैं। अब तक इस कॉरिडोर के दो हिस्से खुल चुके हैं। पहला जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और दूसरा रविवार को दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक खुला है। इस सेक्शन पर कुल 7 स्टेशन हैं। इसके खोलने से नॉर्थ दिल्ली के कई इलाकों को फायदा मिलेगा।

इन्हें होगा फायदा: दीपाली चौक से मजलिस पार्क के खुलने से भलस्वा, प्रशांत विहार, नॉर्थ पीतमपुरा दीपाली चौक, हैदरपुर बादली जैसे कई आस-पास के इलाकों की मेट्रो से सीधे कनेक्टिविटी होगी। अभी तक इस इलाके के लोग येलो लाइन मेट्रो कॉरिडोर पर निर्भर करते थे। मजलिस पार्क से कनेक्ट होने के कारण पिंक लाइन के साथ इसकी इंटरचेंज स्टेशन बनेगा। जिससे यात्रियों को आगे सफर करने में भी आसानी होगी।

28.92 KM लंबा है मजेंटा का एक्सटेंशन कॉरिडोर

49 किलोमीटर ऑपरेशनल हो गई है मजेंटा लाइन

10 KM का हिस्सा दीपाली चौक से मजलिस पार्क खुला

स्टेशन के नाम
इस एक्सटेंशन में कुल 7 स्टेशन होंगे। इनमें दीपाली चौक, पीतमपुरा, प्रशांत विहार, नॉर्थ कैंपस, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा, मजलिस पार्क शामिल हैं।

सूरघाट स्टेशन चालू नहीं

मौजपुर-बाबरपुर से मजलिस पार्क कॉरिडोर तो गया है। इस पर कुल 8 स्टेशन हैं लेकिन इसमें एक स्टेशन सूरघाट अभी खुला नहीं है। हालांकि ट्रेन वहां से गुजर रही है लेकिन अभी इस स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट की सुविधा शुरू नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि स्टेशन पर कुछ काम बाकी होने के कारण इसे लोगों के लिए नहीं खोला गया है।

- 12 किलोमीटर लंबा है एक्सटेंशन कॉरिडोर
- 8 स्टेशन होंगे इस कॉरिडोर पर
- 71.56 किलोमीटर लंबी हो गई है पिंक लाइन
- 12 इंटरचेंज स्टेशन होंगे पिंक लाइन पर

ये स्टेशन होंगे
बुराड़ी, झड़ौदा माजरा, जगतपुरा-वजीराबाद, सूरघाट, नानकसर-सोनिया विहार, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार।

फेज 5(A) के 3 नए कॉरिडोर का शिलान्यास

प्रधानमंत्री मोदी मेट्रो के फेज-5 (A) के तीन नए कॉरिडोर के निर्माण का शिलान्यास भी किया। इनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर (9.9 किलोमीटर), एयरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 (2.3 किलोमीटर) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9) किलोमीटर कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इसकी कुल लागत 12,015 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इन्हें पूरा होने में 3 साल का समय लगेगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने से दिल्ली के प्रशासनिक, वाणिज्यिक और रिहायशी इलाकों के बीच कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। एयरपोर्ट तक मेट्रो की सीधी और तेज पहुंच सुनिश्चित होगी।

■ **NCR को होगा ज्यादा फायदा:** मेट्रो फेज 5 (A) परियोजनाओं से दिल्ली के साथ-साथ NCR के शहरों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। फरीदाबाद और बल्लभगढ़ में रहने वाले लोग वायलेट लाइन से तुगलकाबाद पहुंचकर और गोल्डन लाइन से सीधे इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक यात्रा कर सकेंगे। वहीं नोएडा के यात्री मैजेंटा लाइन से कालिंदी कुंज पहुंचकर गोल्डन लाइन से एयरपोर्ट और दक्षिण दिल्ली के कई इलाकों तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

16 KM लंबे होंगे तीनों

3 साल का समय लगेगा पूरा होने में

13 मेट्रो स्टेशन होंगे तीनों में

12,015 करोड़ रुपये की लागत

मेट्रो योजनाओं की सौगात से बढ़ेगी कनेक्टिविटी: CM

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मेट्रो योजनाओं की सौगात देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। सीएम ने कहा कि लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं से राजधानी में कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली की जनता, विशेषकर महिलाओं को यह महत्वपूर्ण उपहार मिलना बेहद खास है। सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करेगा। सीएम ने कहा कि केंद्र के सहयोग से दिल्ली में कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े कई काम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आयुष्मान योजना, यमुना की सफाई, कूड़े के पहाड़ों का समाधान और डिजिटलाइजेशन जैसी पहल इस दिशा में अहम कदम हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार गरीबों और जरूरतमंदों के लिए 70 अटल कैंटीन चला रही है, जहां हर दिन लगभग 70 हजार लोगों को सस्ते रेट पर खाना मिल रहा है। इन परियोजनाओं से दिल्ली के विकास को नया आयाम मिलेगा।

सीएम ने योजनाओं के पूरा होने पर पीएम का जताया आभार

दिल्ली का बजट सत्र 16 मार्च से हो सकता है शुरू

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली की बीजेपी सरकार का दूसरा बजट सत्र 16 मार्च से शुरू हो सकता है। हालांकि इसकी अधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन सूत्रों के मुताबिक सरकार 17 या 18 मार्च को विधानसभा में बजट पेश कर सकती है। पूरा बजट सत्र 10 दिन से अधिक समय तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

सूत्रों के मुताबिक बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर खास जोर रहने की संभावना है। कई ऐसी परियोजनाएं भी बजट में शामिल की जा सकती हैं जो पिछले कई सालों से रुकी पड़ी हैं। सूत्रों की मानें तो सरकार ज्यादा बड़ी घोषणाएं करने के बजाए पहले की योजनाओं को ही पूरा करने में ध्यान देगी। यमुना, प्रदूषण, ड्रेनेज सिस्टम और जलापूर्ति के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बजट का फोकस रहेगा। महिला समृद्धि योजना को इस बार के बजट में फिर से शामिल किया जा सकता है। सब्सिडी योजनाओं में बदलाव होने की संभावना नहीं है। बजट सत्र के बेहद हंगामेदार होने के आसार हैं।

बजट सत्र के बेहद हंगामेदार होने के आसार हैं

नरेला में बनेगा दिल्ली का सबसे बड़ा स्टेडियम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

डीडीए ने नरेला के सेक्टर-G3 और G4 में एक 'मल्टी स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड स्टेडियम' के निर्माण की योजना बनाई है। 75 एकड़ जमीन पर बनने वाले इस भव्य प्रोजेक्ट के लिए डीडीए ने रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल (RFP) जारी कर दिया है। यह स्टेडियम न केवल दिल्ली के मौजूदा अरुण जेटली स्टेडियम (55 हजार क्षमता) से बड़ा होगा, बल्कि 80 हजार दर्शकों की क्षमता के साथ अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए एक नया और आधुनिक विकल्प पेश करेगा।

इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सबसे बड़ी खासियत यहां क्रिकेट के साथ-साथ कई इंडोर खेलों की विश्वस्तरीय सुविधाएं होंगी। ओलिंपिक मानकों के अनुरूप एक स्विमिंग पूल तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वॉश और टेबल टेनिस जैसे खेलों के लिए आधुनिक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। खिलाड़ियों और विजिटर्स की सुविधा के लिए यहां एक क्लब हाउस होगा, जिसमें ठहरने के लिए लगभग 75 एग्जिक्यूटिव कमरे विकसित किए जाएंगे।

कुल एफएआर (FAR) का 65 प्रतिशत हिस्सा कमर्शल गतिविधियों के लिए आरक्षित है, जिसके तहत यहां रिटेल आउटलेट्स, आलीशान होटल, हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज और कमर्शल ऑफिस स्पेस विकसित किए जा सकेंगे। पार्किंग की व्यवस्था को भी काफी व्यापक रखा गया है, जहां हर 100 वर्ग मीटर के निर्माण पर दो कारों की जगह सुनिश्चित की जाएगी। निर्माण पूरा करने के लिए 36 महीनों की डेडलाइन तय की गई है। यह जमीन 55 वर्षों के लिए लाइसेंस के आधार पर दी जाएगी। आवेदकों के लिए बिड प्रोसेसिंग फीस 20 लाख रुपये और बिड सिक्योरिटी 28 करोड़ रुपये रखी गई है। 19.41 करोड़ रुपये की अपफ्रंट फीस और 36.12 लाख रुपये की सालाना रिजर्व प्राइस निर्धारित की गई है। प्री-बिड मीटिंग 23 मार्च को आयोजित की जाएगी। आवेदक 20 अप्रैल से साइट का निरीक्षण कर सकेंगे। प्रोजेक्ट से जुड़े सवालों को सबमिट करने की अंतिम तिथि 24 मार्च है, जिनका जवाब डीडीए 31 मार्च तक देगा। इसके बाद 21 अप्रैल को टेक्निकल बिड और 11 मई को फाइनेंशियल बिड होगी। अंततः 12 मई को ई-ऑक्शन आयोजित किया जाएगा।

AI Image

75 एकड़ में DDA बनाएगा मल्टी स्पोर्ट्स इंटीग्रेटेड स्टेडियम, क्रिकेट स्टेडियम में 80 हजार दर्शक आएंगे

महिलाओं को ₹2500 की गारंटी पर AAP ने BJP को फिर घेरा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भी बीजेपी सरकार को उनकी नीतियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। 'आप' ने कहा कि पंजाब की महिलाओं को एक हजार रुपये हर महीने देने की गारंटी पूरी कर दी, लेकिन रविवार को बुराड़ी इलाके में एक जनसभा करने पहुंचे पीएम ने एक बार फिर निराश किया।

इस मुद्दे को लेकर 'आप' के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पीएम महिलाओं को 2500 रुपये हर महीने देने की गारंटी पर कुछ नहीं बोले। सौरभ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने पंजाब चुनाव के दौरान राज्य की हर महिला को 1000 रुपये हर महीने देने का वादा किया था। रविवार को विश्व महिला दिवस पर भगवंत सिंह मान सरकार ने अरविंद केजरीवाल के इस वादे को पूरा करके दिखा दिया।

सौरभ भारद्वाज

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: vivek.tyagi@timesofindia.com Time: 03-09-2026 00:03 Color:

6 किलोमीटर स्ट्रेच को रीक्रिएशनल एक्टिविटी जोन के रूप में किया जाएगा डिवेलप

मुनक नहर पर बनेगा दिल्ली का सबसे लंबा छठ घाट

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: शालीमार बाग, पीतमपुरा, कोहाट एनक्लेव, केशवपुरम और पंजाबी बाग इलाके में रहने वाले लोगों के लिए मुनक नहर के 6 किमी लंबे स्ट्रेच को रीक्रिएशनल एक्टिविटी जोन के रूप में डिवेलप किया जाएगा। इस स्ट्रेच में सिंचाई और बाढ़ विभाग ने दिल्ली का सबसे लंबा छठ घाट बनाने की योजना तैयार की है। इस घाट के निर्माण पर करीब 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए लगभग 1.89 लाख वर्ग मीटर जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा। मुनक नहर पर बने सिंघलपुर ब्रिज को भी चौड़ा किया जाएगा, ताकि शालीमार बाग के बीएच, बीपी, बीडब्ल्यू और अन्य ब्लॉकों की रिंग रोड से कनेक्टिविटी बेहतर हो सके। दिल्ली के सिंचाई और बाढ़ विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार मुनक नहर के अलग-अलग हिस्सों के लिए अलग योजना बनाई है।

मंत्री के अनुसार शालीमार बाग झुग्गी वाले इलाके के पास मुनक नहर का एक हिस्सा काफी हद तक सूख चुका है। यहां थोड़ा बहुत पानी है लेकिन वह भी काफी गंदा है। इसी हिस्से में हर साल बड़ी संख्या में लोग छठ पूजा करते हैं। इस हिस्से में लेवलिंग का काम शुरू कर दिया गया है। यह दिल्ली का ऐसा छठ घाट होगा, जहां एक साथ करीब 33,000 लोग छठ पूजा कर सकेंगे।

सिंघलपुर ब्रिज का किया जाएगा चौड़ा: शालीमार बाग के पास स्थित सिंघलपुर ब्रिज को तोड़कर उसकी जगह डबल लेन ब्रिज बनाया जाएगा। पुल के चौड़ा होने से पीतमपुरा और शालीमार बाग के बीच लगने वाले जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है। इससे आउटर रिंग रोड तक पहुंचना भी आसान होगा। नहर के दोनों किनारों पर नई सर्विस रोड बनाने की भी योजना है। इसके साथ ही मुनक नहर के अन्य हिस्सों का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

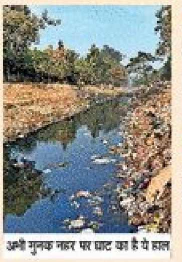
अभी मुनक नहर पर घाट का है ये हाल

कुछ इस तरह का छठ घाट बनाने की है तैयारी

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

सूखी नहर का होगा बेहतर इस्तेमाल

मुनक नहर के जिस हिस्से को रीक्रिएशनल एक्टिविटी और छठ के लिए डिवेलप किया जा रहा है, वह ओपन टॉयलेट के लिए यूज होता था। लेकिन, डिवेलपमेंट के बाद नहर का यह हिस्सा लोगों के लिए वरदान बन जाएगा। नहर में पानी लाने के साथ-साथ वॉकिंग ट्रैक बनाया जाएगा। डिवेलपमेंट के बाद शालीमार बाग जैसी एरिया की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी। ब्रिज डबल लेन के होने के बाद आउटर रिंग रोड से शालीमार बाग की कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी।

मुंगेशपुर ड्रेन पर बनेगा दो लेन चौड़ा स्टील ब्रिज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : बाहरी दिल्ली स्थित दिचाऊं कलां गांव, झड़ौदा, जय विहार, बापरौला, चंचल पार्क और रनहौला एक्सटेंशन को कनेक्ट करने के लिए मुंगेशपुर ड्रेन पर स्टील गार्डर ब्रिज बनाया जाएगा। सिंचाई व बाढ़ विभाग पहली बार दिल्ली के बड़े नाले पर कंक्रीट ब्रिज के बजाय स्टील गार्डर ब्रिज बनाएगा। ब्रिज निर्माण पर करीब 4.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

विभाग के अफसरों के अनुसार दिल्ली में शहरीकृत गांवों और उन गांवों के आसपास बसी अनधिकृत कॉलोनियों को कनेक्ट करने के लिए नजफगढ़, शाहदरा और मुंगेशपुर ड्रेन पर कई कंक्रीट ब्रिज बनाए गए हैं। इनमें से ज्यादातर कंक्रीट ब्रिज 30 से 40 साल पुराने हो चुके हैं। कुछ तो इससे भी पुराने और जर्जर हैं। मुंगेशपुर ड्रेन पर बनने वाले ब्रिज की लागत करीब 4.06 करोड़ रुपये होगी। दिल्ली में स्टील गार्डर का यह पहला ब्रिज होगा।

महिला शक्ति को समर्पित किया पौधरोपण कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को महिला शक्ति को समर्पित किया। लोधी कॉलोनी में सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज आवासीय कल्याण समिति (टाइप-थर्ड क्वॉर्टर), वीर सावरकर पार्क और खन्ना मार्केट ट्रेडर्स असोसिएशन के सहयोग से पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर चहल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पौधरोपण का यह विशेष और शुभ संयोग बना है, जिसे वे समस्त नारी शक्ति को समर्पित करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान खन्ना मार्केट ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बाजार क्षेत्र से जुड़े कुछ नागरिक मुद्दे भी उठाए। इस मौके पर आशीष कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिन्हा, जय प्रकाश सिंह, प्रतीक श्रीवास्तव और बलबीर सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

3000+ कारों की रैली, थैलेसीमिया-कैंसर के खिलाफ किया जागरूक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक नई मिसाल पेश की है। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) की 'लेडीज विंग' ने थैलेसीमिया और कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नैशनल कार रैली का आयोजन किया। 'ड्राइव विद पर्पस' नाम की इस मुहिम ने इतिहास रच दिया है, क्योंकि इसमें देश के 90 से ज्यादा शहरों की 3000 से अधिक कारों ने हिस्सा लिया। इस बड़ी उपलब्धि को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में भी दर्ज किया गया है।

इस पूरे अभियान का नेतृत्व सोनाली दुग्गर और शीतल दुग्गर ने किया। सोनाली दुग्गर, जो जीतो एपेक्स की डायरेक्टर इन-चार्ज हैं, उन्होंने इस पूरे प्रोजेक्ट की देखरेख की और संस्था के मुख्य उद्देश्यों को इस रैली के साथ जोड़ा। वहीं, जीतो लेडीज विंग की नैशनल चेयरपर्सन शीतल दुग्गर ने देशभर की महिला सदस्यों को एकजुट किया और इस आंदोलन को हर शहर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभाली।

डिजिटल प्लैटफॉर्म पर भी मचाई धूम: इस आयोजन को सफल बनाने में जीतो एपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी और प्रेसिडेंट विजय भंडारी का सहयोग रहा। लेडीज विंग की टीम- रेश्मा जैन (वाइस चेयरपर्सन), सरला भुटोरिया और शशि मंडोत (सेक्रेटरी), कविता शाह (ट्रेजरर) और रचना कानूनगो (हेल्थ कन्वीनर), स्वप्निल जैन (जेडी चेयरमैन, अलीगढ़), रमन जैन (नॉर्थ जोन चेयरमैन) और महावीर चपलोत (सेक्रेटरी जेटो एपेक्स) ने कई महीनों से इसकी तैयारी की थी।

यह अभियान केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इंस्टाग्राम पर इस कैंपेन को 3 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। इस रैली का असली मकसद लोगों को यह बताना था कि अगर समय पर जांच हो, तो थैलेसीमिया और कैंसर जैसी बीमारियों को रोका जा सकता है। यह रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं द्वारा समाज को स्वस्थ बनाने के लिए शुरू किया गया एक बड़ा आंदोलन बन गई है।

दिल्ली के बुद्धा जयंती पार्क से सुबह 6 बजे रैली शुरू हुई। शैलेश जैन, रमन जैन, स्वप्निल जैन, सोनाली दुग्गर, शीतल दुग्गर, प्रिया जैन मौजूद रहे।

दिल्ली में लीजा रे ने बढ़ाया उत्साह

रैली की शुरुआत दिल्ली के बुद्धा जयंती पार्क में सुबह 6 बजे हुई। मशहूर अभिनेत्री और खुद कैंसर को मात देने वाली लीजा रे ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने महिलाओं को बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली के इस मुख्य कार्यक्रम को सफल बनाने में नॉर्थ जोन के चेयरमैन रमन जैन और जीतो एपेक्स के सचिव महावीर चपलोत की अहम भूमिका रही।

लग्जरी कारों से दिया जागरूकता का संदेश

इस रैली की एक खास बात यह थी कि इसमें लैम्बॉर्गिनी, रोल्स-रॉयस, बेंटले, मर्सिडीज-मायबैक, रेंज रोवर, लेक्सस, मिनी कूपर और टोयोटा हिलक्स जैसी महंगी और लग्जरी गाड़ियां भी शामिल थीं। इन शानदार गाड़ियों के काफिले ने सड़कों पर सबका ध्यान खींचा, जिससे थैलेसीमिया और कैंसर की जांच और समय पर इलाज का संदेश लाखों लोगों तक पहुंचा।

डॉ. चंदन तिवारी को 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी शोध सम्मान'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जाने माने साहित्यकार डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने अपने गुरु आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा साहित्य और आलोचना शोध पर आधारित है।

डॉक्टर त्रिपाठी साहित्य अकादमी सभागार में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रथम आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी शोध सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय सलूंबर, राजस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर चंदन तिवारी के शोध प्रबंध 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का भाषा चिंतन' को पहले आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी शोध सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में साहित्यकार और हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, डीयू साउथ कैंपस में हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल राय, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर नीरज कुमार, AMU के प्रोफेसर वेद प्रकाश और राजकमल प्रकाशन के MD अशोक महेश्वरी आदि मौजूद रहे।

साई मंदिर में फ्री मेडिकल कैंप लगा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ताहिरपुर दिलशाद गार्डन, कुष्ठ आश्रम स्थित साईं मंदिर में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में डॉक्टरों ने लगभग 500 से ज्यादा लोगों की जांच की। कैंप का आयोजन माया नारायण मेमोरियल ट्रस्ट ने किया। इस दौरान महिला रोग एक्सपर्ट डॉ. अर्पणा ने कहा कि महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान रेगुलर चेकअप की कमी की वजह जागरूकता में कमी है। ज्यादातर महिलाओं में आयरन की कमी देखी गई। वहीं, GTB हॉस्पिटल की डॉक्टर सौम्या ने बताया कि युवा महिलाओं में हाइनिन की कमी देखी जा रही है। डॉ. धनंजय कुमार ने कहा कि कुष्ठ रोग के लिए महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ज्यादा काम करने की जरूरत है।

दिल्ली की शाम और पीयूष मिश्रा का जादुई हार्मोनियम

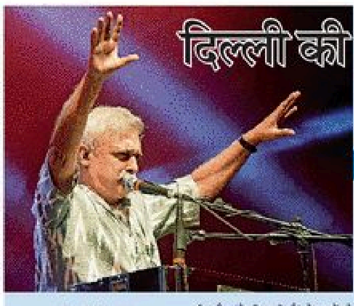

लोगों को गाने ऐसे भाए कि देर तक गूंजती रहीं तालियां

Devid.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: दिल्ली की उस शाम में एक अजब सा जादू था। चारों तरफ गूंजता शोर और बजती सीटियों के बीच जैसे ही पीयूष मिश्रा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में हार्मोनियम थामा, लोगों का उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया। इसके बाद जो शुरू हुआ, वह महज एक कॉन्सर्ट नहीं, बल्कि इमोशंस का एक खूबसूरत सफर था। दिल्लीवाले उनके गानों पर कभी मस्ती में झूमते नजर आए, कभी सीटियां बजाते तो कभी अपनी ही यादों में खोकर भावुक होते दिखे।

जैसे ही उन्होंने अपनी खुरदरी आवाज में 'वो पुराने दिन, अधिकाने दिन' गाया, पूरी ऑडियंस मानो अपने किसी बेहद खूबसूरत अतीत में गोते लगाने लगी। फिर माहौल ने करवट ली और 'ये ख्रिस्की है' के सुरों ने लोगों पर इश्क और रूमानियत का ऐसा नशा घोला कि हर कोई मदहोश हो गया। इस महफिल में एक पल ऐसा भी आया जब पीयूष की कलाकारी ने सबको चौंका कर दिया। 'हैमलेट कभी बॉम्बे नहीं गया' गाने की गहराई ने लोगों को ऐसा बांधा कि देर तक तालियां गूंजती रहीं। लेकिन जब 'आरम्भ है प्रचंड' के बोल गूंजे तो लोगों के भीतर एक गजब का जोश भर गया। दीवानगी का आलम यह था कि पीयूष मिश्रा के लिए सैकड़ों लोगों ने अपनी कुर्सियों से उठकर उन्हें एक शानदार स्टैंडिंग ओवेशन दिया।

शाम का सबसे भावुक और जादुई नजारा तब दिखा जब उन्होंने 'एक बगल में चांद होगा, एक बगल में रोटियां' गाया। लोगों ने अपने मोबाइल की फ्लैश लाइट्स जला लीं और ऐसा लगा मानो उस शानदार रात में सैकड़ों छोटे-छोटे चांद जमीन पर उतर आए हों। इसके अलावा 'हुस्ना', 'ओ रे मनवा', 'रात है नशे में', 'दबी चवन्नी', 'घर' और 'जब शहर हमारा सो गया था' जैसे गानों ने इस महफिल को मुकम्मल कर दिया।

गानों के बीच-बीच में पीयूष ने अपने खास अंदाज में जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प किस्से भी सुनाए। इससे ऑडियंस ने उनके साथ एक गहरा जुड़ाव महसूस किया। डायमंड, प्लैटिनम और गोल्डन सेक्शन में बैठे फैंस लगातार अपने इस चहेते कलाकार के लिए चीयर कर रहे थे। इस जादुई शाम का खिंचाव सिर्फ आम लोगों तक सीमित नहीं था। भारत सरकार के प्रिंसिपल इन्फर्मेशन ऑफिसर धीरेंद्र ओझा, FSSAI के CEO IAS रजित पुन्हानी और इन्फर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री से जुड़े धीरज सोमाने जैसी खास हस्तियां भी इस संगीतमय शाम का लुत्फ उठाने पहुंची थीं।

Sunil Kataria

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ वंदे मातरम-स्वर्णिम भारत कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर राजधानी स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र, ज्ञान-विज्ञान भवन, डेरावाल नगर में वंदे मातरम-स्वर्णिम भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

> ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र, ज्ञान-विज्ञान भवन, डेरावाल नगर में हुआ कार्यक्रम

महिला प्रभाग की अध्यक्ष राजयोगिनी बी के चक्रधारी ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास में नारी सदा ही गरिमामय और सम्मानित रही है। आधुनिकता के प्रभाव में भौतिक विकास को ही उन्नति या सशक्तिकरण मान लिया है, लेकिन आंतरिक विकास के बिना संपूर्ण सशक्तिकरण संभव नहीं है।

प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित बी के सुधा ने कहा कि संपूर्ण, श्रेष्ठ और भारत को विश्व गुरु भारत बनाने के लिए स्वच्छता को आंतरिक और बाहरी रूप से व्यवहार में लाना होगा, जो कि पीएम मोदी का भी एक सपना है। इस दौरान बीजेपी प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने ब्रह्माकुमारी के आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग को व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन को श्रेष्ठ और सशक्त करने वाला बताया। जब भी वह तनाव का अनुभव करती हैं तो राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करती हैं। इस मौके पर स्थानीय विधायक अशोक गोयल, तिमारपुर के विधायक सूर्य प्रकाश खत्री, पूर्व बीजेपी सांसद और महिला बीजेपी नेता सुनीता दुग्गल ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कई महिलाओं और पुरुषों को सम्मानित भी किया गया।

'जीवन के विकास में डर है सबसे बड़ी बाधा'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: हनुमान मंदिर लिंक रोड, करोल बाग सत्संग में श्रीमहंत ओमगिरि महाराज ने कहा कि मनुष्य को चाहिए कि जीवन में कुछ करना है तो सर्वप्रथम डर को बाहर निकाल दें। जिस पल डर को बाहर निकाल देंगे, सफलता मिलनी शुरू हो जाएगी।

बटुक भैरव शक्तिपीठ मंदिर नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी सत्संग में पंडित राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि दान शक्ति के अनुसार ही करें। दान से पुण्य बढ़ता है, पुण्य कमाने का कोई भी अवसर मत जाने दें।

सुंदरकांड पाठ: हरिहर उदासीन आश्रम, कमला मार्केट में महंत सुव्रत मुनिजी के जन्मोत्सव पर रविवार को सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या आयोजित की गई।

सत्संग: शिव नवग्रह मंदिर धाम चांदनी चौक में शिव शंकर महाराज ने कहा कि मंदिर में जाकर ही मन को पवित्र बनाया जा सकता है।

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I, Ravi Kant Pandey, S/o Shri Nath Pandey, R/o Flat. No. 701, Tower-3, IP Apartments - II, Sector 30-33, Faridabad, Haryana - 121003, have changed the name of my minor son from Sresth to Sresth Kumar. Henceforth he shall be known as Sresth Kumar for all purposes.

TIMES interact
TIMES SPACE CENTRES
NORTH
Amar Ved Classified 9899405222
Orient Advtg. 9313632917
Paavan Advertisers 9811288839
Sanyukt Advertisers 9811994898
Shagun Advtg. & Mktg. 9958821300
Zodiac Advtg. 9810588680
FOR MORE DETAILS, PLEASE CONTACT BELOW MOBILE NOS. 98117 90649

tender & notices

Maharaja Agrasen Group of Hospitals
West Punjabi Bagh, New Delhi - 26, Ph.:011-40777777, 40777666
Offers are invited for Chemist Shop on License basis
At Maharaja Agrasen Hospital, Punjabi Bagh, New Delhi offer may be submitted in the Trust Office, Maharaja Agrasen Hospital Charitable Trust, which should be accompanied with Pay Order/Demand draft in favour of "Maharaja Agrasen Hospital Charitable Trust" payable at "New Delhi" of Rs. 3,00,000/- as earnest money.
Application form indicating terms and conditions will be available in the Trust Office, First Floor, on working days, on payment of Rs. 2000/- + GST extra.
Application form with qualification & experience documents should reach to President's Office on or before 21/03/2026.
For any query contact 9953190907
For details log on to : www.mahdelhi.org

TIMES interact SPECIAL

WILDLIFE RESORT FOR SALE
INVESTMENT OPPORTUNITY - TADOBA TIGER RESERVE MAHARASHTRA.
Luxury running wildlife resort at prime location near core gate. Strong revenue performance, premium infrastructure, fully equipped & operational.
PRICE: 9.45CR
Contact us on +91 9730233610
SERIOUS BUYERS ONLY

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
Central Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
	Sunil Srivastava	99994 99496
Noida + East Delhi	Sumit Negi	98992 68321

TIMES TRIBUTE — PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

REMEMBRANCE — SHARING MEMORIES

In loving memory of
RAJNI MATHUR
(19.11.1952-09.03.2023)
MISSING YOU EVERY MOMENT
Sudhir
Saurabh- Shweta
Shishir-Priya
Kaashvi, Lavith, Revansh

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss."
The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE — SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019
▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.
To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088 &
PANKAJ : 81306 04727

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 03-08-2026 22:16 Color:

मुंबई में फायरिंग करने वाला लॉरेंस सिंडिकेट का शूटर!

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Shanker.Singh
@timesofindia.com

AI Image

■ **नई दिल्ली:** नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली की गैंगवॉर के अहम किरदार शाहबान कुरैशी उर्फ शब्बू (28) ने मुंबई के मुंब्रा थाना इलाके में शनिवार सुबह फायरिंग कर सनसनी फैला दी। आशंका है साबरमती जेल में बंद 'गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई' की धमकी देने पर यह गोलीबारी करवाई गई है। सूत्रों का मानना है कि इस फायरिंग के पीछे तिहाड़ जेल की 'तन्हाई' में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा के गिरोह का हाथ हो सकता है। एक समय गैंगस्टर छेनू पहलवान गिरोह के शूटर रहे शब्बू ने ठीक दो साल पहले हाशिम बाबा गैंग का दामन थाम लिया था। वो पिछले एक महीने से मुंबई में था।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 5 बजे मुंबई के मुंब्रा इलाके की अरमान को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में बाइक पर सवार होकर आए युवक ने एक कार पर दो गोली मारी। इसके बाद हवाई फायरिंग कर वहां से चला गया। पुलिस ने महज एक घंटे के बाद शूटर को खोज निकाला, जिसने पुलिस पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इसकी चपेट में आने से दो आम लोग जख्मी हो गए। इसकी शिनाख्त नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के जाफराबाद निवासी शाहबान उर्फ शब्बू के तौर हुई। दावा है कि एक बाइक सवार को गन पॉइंट पर लेकर शब्बू वहां तक आया था। इससे दो पिस्टल रिकवर हुए। खुलासा हुआ कि मुंबई के बिल्डर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर नदीम खान उर्फ बाबा खान को डराने के लिए गोलियां चलाई थीं। याद कीजिए, 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसे लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट ने अंजाम दिया था। इसका सूत्रधार लॉरेंस का छोटा भाई अनमोल बिश्नोई था। बॉलिवुड तक को हिला देने वाले इस बहुचर्चित हत्याकांड के बाद लॉरेंस के खिलाफ बाबा खान ने जमकर बयानबाजी की थी और खुली धमकी दी थी। हालांकि वो 24 घंटे के बाद ही पलट गया था और लॉरेंस की तारीफ करने वाला विडियो पोस्ट किया। इसके बावजूद अब बाबा खान के घर के बाहर फायरिंग की इस वारदात को लॉरेंस बिश्नोई को दी गई धमकी से जोड़कर देखा जा रहा है।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली गैंगवॉर का अहम किरदार है अरेस्ट शब्बू

डबल मर्डर से हुई थी शब्बू की एंट्री

छेनू पहलवान गैंग का अहम मेंबर है मोहम्मद गुलफाम, जिसे पुलिस ने तड़ीपार कर रखा है। इसी का भतीजा है शाहबाज शब्बू। अब्दुल नासिर ने गैंग शब्बू के चाचा मोहम्मद कमर और एक अन्य इमरान की अप्रैल 2017 को हत्या की थी। छेनू गैंग ने अक्टूबर 2017 में नासिर गैंग के वाजिद और आरिफ को भून डाला। इस हत्याकांड में शब्बू भी था, जो उसकी गैंगवॉर में एंट्री थी।

पुरानी रंजिश में किया था मर्डर, नाबालिग समेत दो पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

जहांगीरपुरी में 3 मार्च को हुई खूनी झड़प और फायरिंग के मामले में दिल्ली पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 23 वर्षीय हसमत उर्फ आशु के रूप में हुई है, जो पहले भी लूट के मामले में शामिल रहा है। पुलिस ने उसके साथ एक नाबालिग साथी को भी पकड़ा है, जिसने घटना के दौरान पत्थरबाजी की थी।

चश्मदीद के बयान के बाद शुरू हुई कार्रवाई: नॉर्थ वेस्ट जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव के अनुसार, घटना के प्रत्यक्षदर्शी और शिकायतकर्ता जमीर अहमद ने पुलिस को बताया कि वह शाम को सीडी पार्क के पास मौजूद थे, तभी दूसरा पक्ष वहां आ धमका। पुरानी रंजिश के कारण कहासुनी हुई और देखते ही देखते हथियारों का इस्तेमाल शुरू हो गया। आरोप है कि हसमत उर्फ आशु ने देसी पिस्टल निकालकर फायरिंग की कोशिश की, जबकि फिरदौस उर्फ चुम्मा ने रहमतुल्ला पर गोली चलाई, जो उनके सिर में जा लगी। पुलिस ने हत्या और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरोपी हसमत एक सक्रिय अपराधी है। फिलहाल पुलिस मामले के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

जहांगीरपुरी में 3 मार्च को 2 अन्य युवक भी हुए थे घायल

किशनगढ़ इलाके में डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के किशनगढ़ थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक बिना हेलमेट के बाइक चला रहा था और उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पांच मार्च को केस दर्ज किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, 4 मार्च की रात करीब 10:38 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि मुनिरका स्थित डीडीए फ्लैट के पास एक बाइक सवार डिवाइडर से टकरा गया है और उसे चोट लगी है। खबर मिलते ही किशनगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम जब घटनास्थल पर पहुंची तो वहां कोई घायल या कॉल करने वाला व्यक्ति नहीं मिला। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि घायल युवक को इलाज के लिए किसी अस्पताल ले जाया गया है। मौके पर एमसीडी कूड़ेदान के सामने बाबा गंगनाथ मार्ग पर एक दुर्घटनाग्रस्त बाइक खड़ी मिली। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एम्स ट्रॉमा सेंटर में एक घायल युवक को लाया गया था, जिसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। पुलिस तुरंत अस्पताल पहुंची, जहां मृतक की पहचान अंकित (21) के रूप में हुई। वह मुनिरका के रहने वाले थे।

जांच में पता चला है कि अंकित को उनकी मां सुषमा सरकारी एंबुलेंस से अस्पताल लेकर आई थी। मेडिकल जांच में उनके चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान पाए गए। अस्पताल में मृतक की मां का बयान लेने की कोशिश की गई, लेकिन बेटे की मौत से सदमे में होने के कारण वह बयान देने की स्थिति में नहीं थीं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

पुलिस केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच कर रही है

रोडरेज में कार सवारों ने युवक को पीटा, घायल

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सरोजनी नगर इलाके में रोडरेज का मामला सामने आया है। लीला होटल के पास कार की टक्कर के बाद कुछ युवकों ने एक युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट की। हमले में युवक घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित करण (22) सरोजनी नगर में रहता है। करण ने पुलिस को बताया कि 4 मार्च को वह अपने दोस्तों के साथ शाम करीब 6:30 बजे गाड़ी से घर लौट रहा था। करण के मुताबिक एक कार में 5-6 युवक सवार थे। कार ने पहले एक टैक्सी को टक्कर मारी और फिर उनकी गाड़ी को भी टक्कर मार दी। जब उन्होंने गाड़ी रोकी तो आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया और बुरी तरह पीटा।

आरोपियों की पहचान कर पुलिस ने जांच शुरू की

फायरिंग मामले में वॉन्टेड शूटर समेत तीन गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

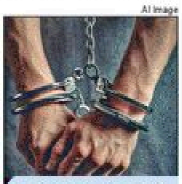

- आरोपियों से एक मेड इन इटली पिस्टल, 8 जिंदा कारतूस और दो स्कूटियां बरामद
- गिरफ्तार शूटर सोहैब मयूर विहार का घोषित बदमाश (बीसी) है।

मयूर विहार में इस साल जनवरी में एक वकील पर फायरिंग की घटना में फरार चल रहे शूटर समेत समेत तीन अपराधियों को सेंट्रल जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक मेड इन इटली पिस्टल, 8 जिंदा कारतूस और दो स्कूटियां बरामद की गई हैं, जिनमें से एक स्कूटी चोरी की मिली है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी सोहैब उर्फ अबू (23) मानिद (24) और चांदनी चौक निवासी मोहम्मद अनीस उर्फ सोनू (36) के तौर पर हुई है। गिरफ्तार शूटर सोहैब मयूर विहार का घोषित बदमाश (बीसी) है।

सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 5 मार्च को स्पेशल स्टाफ की टीम को सूचना मिली कि कुख्यात अपराधी सोहैब उर्फ अबू, जो अक्सर अवैध हथियार लेकर चलता है और मयूर विहार थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित है, रात करीब 11 बजे एमजी रोड स्थित राज गार्डन के पास अपने साथियों से मिलने आने वाला है। सूचना के बाद इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। फिर गांधी स्मारक बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर रात करीब 11 बजे दो स्कूटियों पर आए सोहैब, मो अनीस और मानिद को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी सोहैब 2024 में मुरादनगर के एचएलएम कॉलेज से स्नातक करने के बाद गाजीपुर मुर्गा मंडी में चिकन का थोक व्यापार करता था। लगभग 3 से 4 साल पहले पड़ोसी से विवाद में ईंट मारकर हमला करने के बाद वह अपराध की दुनिया में आ गया। उसके बाद कई वारदात को अंजाम दिया। 24 जनवरी 2026 को भी उसने अपने साथियों के साथ मिलकर थाना मयूर विहार क्षेत्र में एक वकील पर फायरिंग की थी।

हथियार दिखा कलेक्शन एजेंट से लूटे ₹45 लाख

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

खजूरी खास के वजीराबाद रोड पर शनिवार शाम को दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने हथियार के बल पर एक कलेक्शन एजेंट से 45 लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। पीड़ित एजेंट के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही पुलिस पीड़ित कलेक्शन एजेंट अविनाश से भी पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी कारोबारी या एजेंट के जानकार भी हो सकते हैं। इसके अलावा बाकी कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

नार्थ ईस्ट जिला के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि पीड़ित अविनाश पुराने सीलमपुर इलाके में रहते हैं और चांदनी चौक में एक डीलर के पास कैश कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। शनिवार 7 मार्च को वह दिल्ली में कई जगह से करीब 45 लाख रुपये लेकर शाम को स्कूटी से घर लौट रहे थे। जब वह वजीराबाद रोड पर एक्सिस बैंक एटीएम के पास पहुंचे तभी दो बाइक पर सवार चार बदमाश आए और उनकी स्कूटी के आगे अपनी बाइक लगा दी। फिर पिस्टल दिखाकर बदमाशों ने पीड़ित से रुपयों का बैग लूट लिया और फरार हो गए।

वजीराबाद रोड पर शनिवार को हुई थी वारदात

UDGAM · Unclaimed Deposits Gateway To Access Information

अपने बैंक में 10 वर्ष से अधिक समय से बिना दावे के पड़े अपने पैसे को उपयोग में लाने का समाधान पाएँ

UDGAM पर जाएँ और जानें कि बैंक से इसका दावा कैसे करें

- UDGAM पोर्टल पर पंजीकरण करें।
- खाताधारक का नाम, बैंक का नाम और जन्म तिथि, पैन कार्ड इत्यादि विवरण का उपयोग करके खोजें।

UDGAM केवल एक खोज सुविधा है। बिना दावे वाली जमाराशियों का दावा संबंधित बैंक(ों) से करना होगा।

आरबीआई कहता है... जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

UDGAM पोर्टल पर बैंकों की सूची उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/ud पर विजिट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

www.zalimlotion.in
जालिम लोशन
दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी
For DEALERSHIP at zalimlotion1929@gmail.com

गर्मी के दिन! अब घर में चाहिए
कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

आँखों की जलन
गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रूई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

कील-मुहाँसे
चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सुती कपड़ेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

एडियोंका फटना
पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपडे से सुखाएँ. फटी एड़ियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ, मलना नही. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एड़ियों पर असर करेगा. एड़ियों और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

बवासीर / फिशर्स
एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुहाँसे, मुँह के छाले, एड़ियों का फटना, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com
Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle
Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com
Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

A CRACKING WIN DESERVES CRACKING PISTACHIOS.

American Pistachio Growers congratulates Indian national cricket team and our Brand Ambassador **Jasprit Bumrah** on the incredible World Cup victory.

AMERICAN QUALITY PISTACHIOS® California Grown
AmericanPistachios.in

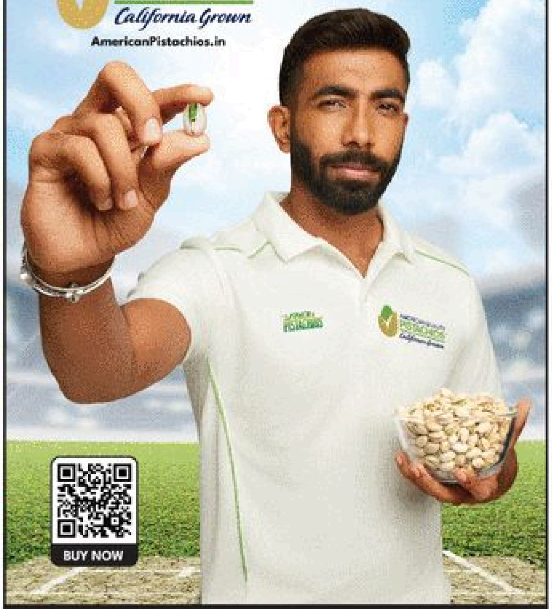

BUY NOW
Available on all major e-commerce platforms and with key retailers across India.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 03-08-2026 23:01 Color:

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर PM ने कहा- यह संविधान का अपमान

राष्ट्रपति के अपमान पर कहा- TMC सरकार ने पार कीं हदें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में महिलाओं से मुखातिब हुए।

PM नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपमान करने का आरोप लगाया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में रविवार को मोदी ने कहा कि संथाल आदिवासी परंपरा का कार्यक्रम, जिसमें राष्ट्रपति को जाना था, उसका TMC सरकार ने बहिष्कार किया। यह बहिष्कार सिर्फ कार्यक्रम या राष्ट्रपति का नहीं है। यह देश के संविधान और लोकतंत्र की परंपरा का अपमान है। मोदी ने इसे शर्मनाक और अभूतपूर्व करार दिया और TMC पर सभी हदें पार करने का आरोप लगाया।

मोदी ने इसे शर्मनाक और अभूतपूर्व करार दिया।

मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं आदिवासी समाज से हैं और संथाल आदिवासी समुदाय के विकास के लिए हमेशा चिंतित रही हैं। उनका अपमान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि आदिवासी समाज, महिलाओं और देश के संविधान की गरिमा का भी अपमान है। जीवन में संघर्ष करके आगे ऊंचाइयों तक पहुंचने वाली हर बहन-बेटी का यह अपमान है। उन्होंने कहा कि अहंकार में चूर व्यक्ति कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका पतन निश्चित है। बंगाल की जनता राष्ट्रपति, आदिवासी समाज के इस अपमान को कभी माफ नहीं करेगी। वहीं, जयशंकर ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा पर अभूतपूर्व हमला बताते हुए इसकी निंदा की है। इधर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को बंगाल सरकार से राज्य में राष्ट्रपति मुर्मु की यात्रा के दौरान हुए प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

PM हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते हैं: ममता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर पीएम मोदी के बयान के बाद ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही पत्र लिखकर बताया था कि संबंधित निजी संगठन राष्ट्रपति स्तर का कार्यक्रम आयोजित करने में सक्षम नहीं है, इसके बावजूद राष्ट्रपति ने अपने विवेक से निमंत्रण स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की व्यवस्था और उसमें आई कमियों के लिए आयोजक और एयरपोर्ट अथॉरिटी जिम्मेदार है, राज्य सरकार नहीं। ममता बनर्जी ने कहा, 'प्रधानमंत्री हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते हैं और राज्य का अपमान करते हैं। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कोलकाता के मेयर मौजूद थे, जबकि वह खुद लोगों के अधिकारों को लेकर धरने में शामिल थीं। ऐसे में मैं वहां से कैसे जा सकती थी? धरना शुरू होने से पहले मुझे इस कार्यक्रम की जानकारी नहीं थी। मैं वहां लोगों की लड़ाई लड़ रही हूं।'

वहीं, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को राज्य में उनकी पार्टी की सरकार और केंद्र सरकार के प्रदर्शन पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर आरोप लगाया कि वह राष्ट्रपति के पद को राजनीतिक मामलों में घसीटकर सस्ती राजनीति कर रही है। दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस (TMC) में दूसरे नंबर का नेता माना जाता है, ने आरोप लगाया कि बीजेपी देश के हर बच्चे को 1.4 लाख रुपये से अधिक के कर्ज के बोझ में धकेल रही है।

(इनपुट पीटीआई)

"राष्ट्रपति का पद हमारे गणतंत्र का सर्वोच्च संवैधानिक पद है और इसे हमेशा गरिमा, प्रोटोकॉल और सम्मान मिलना चाहिए। राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं में हुई चूक दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति पद की गरिमा को हमेशा बनाए रखा जाना चाहिए और उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। - राधाकृष्णन, उपराष्ट्रपति

"देश की पहली जनजातीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से इस प्रकार की पीड़ा व्यक्त किया जाना न सिर्फ पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति का पद राजनीति से परे, राष्ट्र की सर्वोच्च संवैधानिक गरिमा का प्रतीक है। - किरेन रिजिजू, केंद्रीय संसदीय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

"भारतीय संविधान के आदर्श और मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना और इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है। इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ आदिवासी समाज से भी हैं। पश्चिम बंगाल में उनके दौरे को लेकर जो कुछ हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण है। - मायावती, BSP सुप्रीमो

राष्ट्रपति के स्वागत पर सियासी विवाद, क्या कहते हैं नियम?

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 7 मार्च को पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान उनके स्वागत और प्रोटोकॉल को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चर्चा इस बात को लेकर है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न तो खुद राष्ट्रपति के स्वागत के लिए पहुंचीं और न ही अपनी ओर से किसी मंत्री को नामित किया। प्रोटोकॉल के जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री का खुद मौजूद रहना अनिवार्य नहीं होता है, लेकिन परंपरा और शिष्टाचार के तहत उनकी अनुपस्थिति में किसी मंत्री को स्वागत के लिए भेजा जाता है।

CM नहीं तो किसी मंत्री को स्वागत के लिए भेजने का प्रावधान है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे से जुड़ी व्यवस्थाएं गृह मंत्रालय की ब्लू बुक के तहत तय होती हैं। इसी दस्तावेज में वीवीआईपी दौरे के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत की पूरी व्यवस्था का उल्लेख होता है। इस दस्तावेज में इन वीवीआईपी के दौरे के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत से जुड़े सभी दिशा-निर्देश तय होते हैं। इसकी क्रमांकित प्रतियां संबंधित अधिकारियों को दी जाती हैं और जिला स्तर पर यह जिला मैजिस्ट्रेट और पुलिस प्रमुख के पास रहती है। प्रोटोकॉल के अनुसार, आम तौर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री इन गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हैं। यदि मुख्यमंत्री उपलब्ध न हों, तो वे अपने किसी मंत्री को इसके लिए नामित करते हैं।

नई दिल्ली में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु (बाएं)।

पहले भी कई बार CM नहीं पहुंचे स्वागत के लिए

■ ऐसे कई मौके रहे हैं जब मुख्यमंत्री किसी कारण से स्वागत के लिए मौजूद नहीं हो पाए, लेकिन किसी मंत्री को नामित किया। उदाहरण के तौर पर, सितंबर 2025 में राष्ट्रपति मुर्मु के मथुरा दौरे के दौरान न तो राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद थीं और न ही CM योगी। योगी ने अपने मंत्री को भेजा था।

■ UP में 2014 से 2017 के बीच जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आते थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपलब्ध नहीं होते थे तो वे अपने किसी मंत्री को स्वागत के लिए नामित कर देते थे। यही व्यवस्था उस समय के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के दौरे के दौरान भी अपनाई गई थी।

बंगाल में पहले क्या हुआ

■ बंगाल में ऐसा उदाहरण कम ही देखने को मिला है जब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का स्वागत न तो CM ने किया हो और न ही किसी मंत्री ने। मई 2021 में चक्रवात यास के बाद PM मोदी के राज्य दौरे के दौरान भले ही ममता बनर्जी ने उनकी अध्यक्षता वाली समीक्षा बैठक में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन वह एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने जरूर पहुंची थीं।

■ प्रोटोकॉल से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ब्लू बुक के नियम काफी सख्त होते हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बुलन्दशहर वृत्त, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर।

पत्रांक: 2549/96एम(IV)-बुलंदशहर वृत्त/2025-26 दिनांक:- 27.02.2026

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर द्वारा निम्नलिखित कार्य की प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से उक्त कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग में तालिका के कॉलम 12 के अनुसार सड़क निर्माण में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार द्वारा दिनांक 10.03.2026 से 16.03.2026 तक अपरान्ह 12.00 बजे तक उ0प्र0 सरकार से प्रचलित टी-2 के अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्य की तकनीकी निविदा दिनांक 16.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाईन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा वैधता पूर्ववत् होगी। ऑनलाईन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाइट पर दर्शायी जायेगी।

क्रम सं./ कार्य सं.	कार्य का नाम	कार्य पर निर्माण की लागत (रु. लाख में)	रख-रखाव की लागत (रु. लाख में)	कार्य की कुल लागत (रु. लाख में)	धरोहर धनराशि (रु. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी.एस.टी. सहित (रु. में)	सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का पता	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	102.00	7.50	109.50	7.48	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B श्रेणी कार्य
2	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	59.00	4.45	63.45	5.18	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B,C श्रेणी कार्य
3	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	54.00	3.18	57.18	4.86	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B,C श्रेणी कार्य
4	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	109.00	5.74	114.74	7.74	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B श्रेणी कार्य
5	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	103.00	7.78	110.78	7.54	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B श्रेणी कार्य
6	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	47.00	2.72	49.72	4.49	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B,C श्रेणी कार्य
7	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	85.00	6.41	91.41	6.57	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B श्रेणी कार्य
8	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 25-26 में [illegible] का नव निर्माण का कार्य।	89.00	6.72	95.72	6.79	6 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी.एस.टी. रु. 414.00 =2714.00	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि. गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि. बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता मेरठ क्षेत्र लो.नि.वि. मेरठ	A,B श्रेणी कार्य

1. उक्त कार्य पर रख-रखाव की अवधि 5 वर्ष होगी।
2. कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं0-7 में वर्षा काल सहित अंकित है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
4. समस्त पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा पिछले 5 वर्षों का टर्न ओवर जोकि सी0ए0 से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षों से सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा।
   ई-निविदा, जोकि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
5. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
6. लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू0आर0एल0 http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।
7. कार्य सम्पादन के समय ठेकेदार को उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी कोविड-19 से सम्बन्धित समस्त सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
8. ठेकेदार द्वारा रजिस्टर्ड रिफाईनरी से बिटुमिन की खरीद स्वयं अपने स्तर से की जायेगी एवं मूल में सी0आर0सी0 कार्य से सम्बन्धित ई/आई को उपलब्ध कराई जायेगी।

(कंचन सिंह) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 गौतमबुद्धनगर

UPID-247549/07.03.2026 www.upgov.nic.in

(मनीष वर्मा) अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो0नि0वि0 बुलन्दशहर

JDU में शामिल होने के बाद निशांत बोले, भरोसे पर खरा उतरने की पूरी कोशिश होगी

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: दो दशकों से बिहार के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की सियासी पारी शुरू हो गई है। नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन भरे जाने के बाद बिहार को नया मुख्यमंत्री मिलेगा और नई सरकार में निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाए जाने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं।

कार्यकर्ताओं से अपील, नीतीश कुमार में अपना विश्वास बनाए रखें।

निशांत ने की हुई है इंजिनियरिंग की पढ़ाई।

निशांत रविवार दोपहर एक बजे JDU में शामिल हुए। इस मौके पर JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह और बिहार जेडीयू अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा भी मौजूद रहे। पार्टी में शामिल होने के बाद वह अपने पिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले। इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाले निशांत राजनीति की इंजिनियरिंग में खुद को कितना फिट कर पाएंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन उनके पार्टी में शामिल होते समय तमाम बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। जेडीयू में शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने कहा कि वह इस भरोसे के लिए सभी का शुक्रिया अदा करते हैं। वह इस भरोसे पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार और देश के लिए मेरे पिता ने पिछले 20 साल में जो किया है, मुझे उस पर गर्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे नीतीश कुमार में अपना विश्वास बनाए रखें।

परिवारवाद को लेकर विपक्ष हो सकता है हमलावर

नीतीश कुमार जहां राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं, वहीं निशांत कुमार का राजनीति में आने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं थी। वर्ष 2017 में निशांत ने खुद कहा था कि उन्हें राजनीति में आने की दिलचस्पी नहीं है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में वे राजनीतिक रूप से सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। उधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार परिवारवाद के खिलाफ रहे हैं। वे खुद को परिवारवाद से अलग रखने वाले नेता के तौर पर पेश करते रहे हैं। नीतीश कुमार समय-समय पर परिवारवाद को लेकर आरजेडी पर हमला करते रहे हैं। अब जबकि उनके बेटे निशांत कुमार की राजनीतिक पारी शुरू हो गई है और उन्हें बिहार सरकार में अहम भूमिका भी मिल सकती है तो विपक्ष को हमला करने का मौका भी मिल जाएगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष मंगल वर्ष का स्वामी है। चंद्रमा सप्तम भाव में होने के कारण आपके विशेष परिश्रम और प्रयासों को उजागर करेगा। कुछ लोगों को मार्च से अप्रैल के बीच अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में अपेक्षा से अधिक सफलता मिलने की संभावना है। मई और जून के दौरान मंगल ग्रह आपके कर्म क्षेत्र को विशेष रूप से प्रभावित करेगा, जिसका प्रभाव जुलाई से 1 अगस्त तक बना रह सकता है। इस अवधि में कार्यक्षेत्र में सक्रियता और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। सितंबर से अक्टूबर तक का समय नए व्यापार या नई योजनाओं की शुरुआत के लिए अनुकूल रहेगा। नवंबर के बाद अधिकांश लोगों का भाग्योदय उनके स्वयं के परिश्रम और बुद्धि के बल पर होगा। दिसंबर से जनवरी 2027 के अंत तक धन प्राप्ति के अच्छे योग बन सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष उत्साह और प्रगति से भरा रहेगा। महिलाओं के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध दांपत्य जीवन में सुख और समृद्धि देने वाला हो सकता है। फरवरी माह में प्रत्येक शनिवार को हनुमान जी को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर अर्पित करना शुभ फलदायक रहेगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

सुडोकू

	2				9			
1		5			3			7
		6						2
	5	8		7		6		
	7		3		8		5	
		4		9		8	7	
4						7		
5			2			1		9
			5				8	

कल का पंचांग
(मंगलवार, 10 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 19, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण, सप्तमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 27, रमजान 20, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 10 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक रहेगा। सप्तमी तिथि अर्धरात्रोत्तर 1 बजकर 55 मिनट तक के बाद अष्टमी तिथि का आरंभ होगा। अनुराधा नक्षत्र शाम 7 बजकर 5 मिनट तक के बाद ज्येष्ठा नक्षत्र का आरंभ होगा। हर्षण योग सुबह 8 बजकर 21 मिनट तक के बाद वज्र योग का आरंभ होगा। विष्टि करण मध्याह्न 12 बजकर 42 मिनट तक के बाद बालव करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात वृश्चिक राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार एकनाथ षष्ठी, सर्वार्थ सिद्धि योग 1612 से।

TELEVISION

big magic

09:00 बबलू डबलू	14:30 हम पांच
10:00 बड़ी बुकसत	15:00 अजब देश की गजब कहानी
11:00 रुद्र के रक्षक	16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लाइफ
11:30 अलाद्दीन	19:30 रुद्र के रक्षक
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा	21:00 चीख
13:30 भ से भड़े	

पहचान की अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नाम: नामालूम, पुत्र: नामालूम, पता: नामालूम, उम्र: लगभग 40-50 साल, कद: 5'6", लिंग: पुरुष, रंग: सांवला, चेहरा लम्बा, शरीर: पतला, पहनावा: काली टी-शर्ट, काले रंग का लोअर (पजामा) बरामदगी स्थल: हनुमान मूर्ति गोल चक्कर चंबरी, पूसा रोड करोल बाग, दिल्ली, में, मृतक के शव को पहचान के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, मोर्चरी दिल्ली, में सुरक्षित रखा गया है

इस सम्बंध में DD No. 14A दिनांक: 05.03.2026 U/s 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 पुलिस स्टेशन: करोल बाग, दिल्ली, में दर्ज है। यदि इसके बारे में कोई सुराग या जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना निम्नलिखित पते पर दें।

थानाध्यक्ष
पुलिस स्टेशन: करोल बाग, दिल्ली
फोन: 8750870430

DP/2997/CD/2026

लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर हो सकती है चर्चा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है। विपक्ष द्वारा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है।

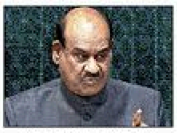

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव का नोटिस दिया है। बजट सत्र के पहले चरण में जब विपक्ष ने ये नोटिस दिया तब से स्पीकर लोकसभा में नहीं आए। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता नहीं बरती गई और कई मौकों पर विपक्षी सांसदों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। विपक्ष इस मुद्दे को संसद के भीतर प्रमुख राजनीतिक बहस बनाने की तैयारी में है।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आपकी राशि का स्वामी मंगल कुंभ राशि में होकर एकादश भाव में स्थित है, जो लाभ और बड़े भाई का स्थान माना जाता है। आज का दिन किसी विशेष व्यवस्था या योजना बनाने में बीत सकता है। किसी भी कार्य को सोच-समझकर करें, जिससे आपका आत्मसम्मान बढ़े और आपको संतोष मिले।

TAURUS 20 Apr - 20 May
आपकी राशि का स्वामी शुक्र मकर राशि में भ्रमण कर रहा है और अपनी शुभ दृष्टि से कर्क राशि को देख रहा है। यह स्थिति राज्य मान-प्रतिष्ठा और अच्छी धन-संपत्ति देने वाली मानी जाती है। आज चंद्रमा अष्टम भाव में है, जो कुछ मामलों में सावधानी बरतने का संकेत देता है, फिर भी मानसिक शांति बनी रहेगी।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपकी राशि का स्वामी बुध अष्टम भाव में सूर्य के प्रभाव से कुछ कमजोर स्थिति में है। इसके कारण आज का दिन भाग-दौड़ और थोड़ी चिंता में बीत सकता है। कार्यों को समय पर पूरा करने में थोड़ी कठिनाई महसूस हो सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान रखें।

CANCER 22 Jun - 22 July
कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं और आज चंद्रमा राशि से पंचम भाव में स्थित है। यह स्थिति सफलता या किसी महत्वपूर्ण उपलब्धि की ओर संकेत कर रही है, हालांकि इसके साथ कुछ खर्च भी हो सकता है। संतान पक्ष से प्रसन्नता देने वाली खबर मिल सकती है। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
आपकी राशि का स्वामी सूर्य कुंभ राशि में होकर सप्तम भाव में स्थित है। यह स्थिति भाग्य वृद्धि में सहायक हो सकती है। बुध के साथ सूर्य की युति के कारण कार्यस्थल पर स्थान परिवर्तन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है। आपकी सच्चाई से लोग प्रभावित होंगे।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज आपके पास कई प्रकार के लोग सहायता या सलाह लेने के लिए आ सकते हैं। अपनी बुद्धि और विवेक का उपयोग करते हुए सभी का सम्मान करें। यही लोग आगे चलकर आपके काम भी आ सकते हैं। नौकरी या व्यापार के क्षेत्र में आज शांत रहना और कम बोलना ही आपके लिए लाभकारी रहेगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आपकी राशि का स्वामी शुक्र पंचम भाव में स्थित होकर मन की संतुष्टि और आनंद का संकेत दे रहा है। आज का दिन प्रसन्नता और उत्साह के साथ बीत सकता है। चतुर्थ भाव में स्थित चंद्रमा सुख-सुविधा और सौंदर्य में वृद्धि कर सकता है। किसी करीबी मित्र की सलाह से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आपकी राशि का स्वामी मंगल चतुर्थ सुख भाव में है और चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित होकर उत्साह और विजय का संकेत दे रहा है। आज का दिन पुराने कार्यों को सुलझाने और उपलब्धि करने के लिए अनुकूल है। किसी अनुभवी या विशेषज्ञ व्यक्ति की सलाह और चलकर आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आपकी राशि का स्वामी देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में अष्टम भाव में स्थित है। आज चंद्रमा द्वादश भाव में है, जिससे अचानक धन प्राप्ति या किसी आर्थिक लाभ का संकेत मिल सकता है। अपनी समस्याओं का समाधान अपने प्रयास और बुद्धि से निकालने की कोशिश करें। आत्मविश्वास बनाए रखें।

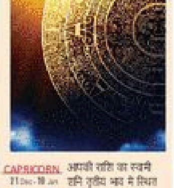

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आपकी राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में स्थित है और चंद्रमा एकादश भाव में होने से व्यस्तता बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। आज आपको व्यापार और कार्यक्षेत्र पर विशेष ध्यान देना चाहिए। दोपहर तक अपने बिखरे हुए कामों को व्यवस्थित करने का प्रयास करें, क्योंकि बाद में समय की कमी हो सकती है।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपकी राशि का स्वामी शनि द्वितीय भाव में स्थित होकर भाग्य वृद्धि के संकेत दे रहा है। धन, प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि की संभावना है। विरोधियों की चिंता समाप्त हो सकती है। आपके जीवन में कुछ सकारात्मक और मंगलमय परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति कर्क राशि में पंचम भाव में स्थित है, जो मनोरथ सिद्धि का संकेत देता है। परंतु, घर पर भी किसी शुभ या मांगलिक कार्य के आयोजन की संभावना बन सकती है। दिनभर की व्यस्तता के बाद शाम का कुछ समय परिवार के साथ बिताना आपके लिए सुखद रहेगा।

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा 15 मार्च तक संभव

■ मनीष अग्रवाल, नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 15 फरवरी को असम से शुरू हुआ चुनाव आयोग का दौरा 10 मार्च तक पश्चिम बंगाल में दौरे के साथ ही खत्म हो जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त रविवार रात कोलकाता लैंड कर गए। 10 मार्च की रात को आयोग दिल्ली आ जाएगा, जिसके बाद इन राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा। इन राज्यों में 15 मार्च तक चुनावों की घोषणा संभव है।

मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्त पहुंचे पश्चिम बंगाल।

ज्ञानेश के नेतृत्व में टीम कोलकाता में सोमवार और मंगलवार को राजनीतिक दलों समेत राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी, डीएम, एसपी और तमाम संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात करेगी। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान CM ममता बनर्जी खुद आयोग की टीम से मुलाकात नहीं करेंगी, बल्कि उनकी पार्टी की तरफ से आयोग के पास तीन नाम भेजे गए हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 09-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 03-08-2026 23:51 Color:

खाड़ी में जंग

Photos: AFP/CNN

तेल ठिकानों पर हमले से तेहरान में
तबाही का धुआं

4 तेल स्टोरेज टैंकर, एक पेट्रोलियम टर्मिनल को इस्राइल ने बनाया निशाना

ईंधन सप्लाई प्रभावित, लोगों को घरों में रहने की सलाह

आसमान काला, जहरीली गैस से स्वास्थ्य खतरे की चेतावनी

तेहरान के तेल ठिकानों पर अमेरिका-इस्राइल का बड़ा हमला

तेल डिपो तबाह, जहरीली गैस और एसिड बारिश की चेतावनी

हमले के बाद शहर का हाल

- रविवार दोपहर तक काले धुएं के बादल छाए रहे
- कई इलाकों में पानी भी काला दिखाई दिया
- हवा में जलते ईंधन की तेज गंध महसूस हुई
- लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई

तेहरान में तेल ठिकानों पर अमेरिका-इस्राइल के हमले, धुएं और जहरीली बारिश से दहशत

■ एएफपी, तेहरान

युद्ध के बीच इस्राइल ने शनिवार रात ईरान की राजधानी तेहरान और उसके आसपास स्थित तेल भंडारण ठिकानों पर बड़े हवाई हमले किए। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में चार तेल ठिकानों और पेट्रोलियम उत्पादों के एक परिवहन केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई।

नैशनल ईरानियन ऑयल प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रमुख केरामत वेसकरामी ने सरकारी टीवी को बताया कि हमले में मारे गए लोगों में कंपनी के कर्मचारी और दो तेल टैंकर चालक शामिल हैं। हमलों के बाद कई जगहों पर भीषण आग लग गई, जिसे बाद में काबू में कर लिया गया, हालांकि कई तेल भंडारण टैंक क्षतिग्रस्त हुए हैं। रविवार सुबह शहर में धुएं की मोटी परत छाई रही। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सूरज निकलने के बावजूद आसमान काला दिखाई दे रहा था और हवा में जलते ईंधन की तीखी गंध महसूस की जा रही थी।

> सूरज निकलने के बावजूद आसमान काला दिखाई दिया

तेहरान में कई जगह लगी आग: ईरानी मीडिया के अनुसार, शनिवार रात अमेरिकी और इस्राइली मिसाइलों ने तेहरान के तीन अलग-अलग इलाकों में तेल और ईंधन भंडारण टैंकों को निशाना बनाया। हालांकि यूएस ने ईरानी फ्यूल डिपो पर हमला करने से इनकार किया।

शहर में एक अन्य ईंधन भंडारण केंद्र में आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी काम कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, आग पूरी तरह बुझाने में अभी कई दिन लग सकते हैं, क्योंकि टैंकों में मौजूद ईंधन धीरे-धीरे जलकर खत्म होगा। तेहरान की आबादी लगभग 10 मिलियन है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ऐसा शायद पहली बार है जब युद्ध में किसी सिविल इंडस्ट्रियल जगह को निशाना बनाया गया है। हालांकि, ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, हमलों से देश भर में लगभग 10,000 सिविलियन स्ट्रक्चर को नुकसान हुआ है।

जहरीली गैस और एसिड बारिश की चेतावनी

- ईरानी रेड क्रिसेंट ने चेतावनी दी है कि तेल डिपो में हुए विस्फोटों से हवा में बड़ी मात्रा में जहरीले हाइड्रोकार्बन, सल्फर और नाइट्रोजन ऑक्साइड फैल गए हैं।
- संस्था के मुताबिक, अगर बारिश होती है तो इससे खतरनाक और अत्यधिक अम्लीय हो सकती है, जिससे त्वचा जलने और फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा है।
- पर्यावरण अधिकारियों ने लोगों से घरों के अंदर रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है।

ईरानी तेल मंत्रालय ने की पुष्टि: तेहरान के पश्चिम में अल्बोर्ज प्रांत के करज शहर समेत तीन इलाकों में फ्यूल डिपो पर हमला हुआ था।

'माहौल बेहद डरावना हो गया'

- CNN से बातचीत में तेहरान के एक निवासी ने कहा कि हमले के बाद शहर का माहौल बेहद भयावह हो गया है।
- कहा, शहर अंधेरे में डूबा रहा और आसमान पूरी तरह काला था। रात में विस्फोट से आसमान अचानक रोशनी से भर गया था। ऐसा लगा जैसे दुनिया खत्म हो रही हो।
- उन्हें लगता है कि सुरक्षित बच जाना महज किस्मत है।

तेहरान में ईंधन सप्लाई प्रभावित

- तेहरान के गवर्नर ने बताया कि हमलों के कारण शहर में ईंधन वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है।
- उन्होंने कहा कि पेट्रोल की कमी नहीं है, लेकिन सप्लाई नेटवर्क को पूरी तरह सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है।
- लोगों से अपील की गई है कि वे फिलहाल ईंधन का उपयोग सीमित रखें।

इस्राइली हमले में ईरान के F-14 लड़ाकू विमान नष्ट

इस्राइल डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि इस्फहान हवाईअड्डे पर किए गए हवाई हमले में ईरान के कई F-14 लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए गए। सेना के अनुसार, हमले में ऐसे डिटेक्शन और एयर डिफेंस सिस्टम भी निशाना बनाए गए जो इस्राइली वायुसेना के विमानों के लिए खतरा बन सकते थे। ये अमेरिकी निर्मित F-14 विमान 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले ईरान को दिए गए थे।

इस्फहान प्रांत में एक न्यूक्लियर एनर्जी फैसिलिटी भी है।

बेरूत के होटल पर हमला, 4 मौतें

इस्राइल ने रविवार तड़के बेरूत और दक्षिणी लेबनान में फिर हवाई हमले किए। बेरूत के एक होटल पर हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा कि बेरूत में किया गया हमला सटीक था और इसका निशाना कुर्द फोर्स के एक मुख्य कमांडर थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 400 लोगों की मौत हो चुकी है।

पानी पर भी जंग, बहरीन का वॉटर प्लांट बना निशाना

File

■ एपी/एएफपी, दुबई/तेहरान

मध्य पूर्व में जारी युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। खाड़ी देश बहरीन ने आरोप लगाया है कि ईरान के एक ड्रोन हमले में देश के एक डिसेलिनेशन प्लांट को नुकसान पहुंचा और तीन लोग घायल हो गए। यह प्लांट समुद्र के खारे पानी को साफ कर पीने योग्य बनाता है और बहरीन के लोगों को ताजा पानी उपलब्ध कराता है।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि रविवार सुबह हुए ईरानी ड्रोन हमले में नागरिक ढांचे को निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, 'ईरान की आक्रामक कार्रवाई में नागरिक ठिकानों पर अंधाधुंध बमबारी की गई, जिससे पानी के डिसैलिनेशन प्लांट को नुकसान पहुंचा।' यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ईरान अपने खाड़ी पड़ोसी देशों की ओर ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर रहा है।

> युद्ध का दायरा बढ़ा, खाड़ी में अब पानी पर भी जंग

खाड़ी देशों के लिए जीवनरेखा है ये प्लांट: डिसेलिनेशन प्लांट समुद्री पानी से नमक और अन्य तत्व हटाकर उसे पीने योग्य बनाते हैं। खाड़ी क्षेत्र के देशों में प्राकृतिक मीठे पानी के स्रोत बहुत कम हैं, इसलिए ये प्लांट वहां की पानी सप्लाई की रीढ़ माने जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इन प्लांट्स को निशाना बनाया गया तो लाखों लोगों की पानी सप्लाई प्रभावित हो सकती है। वहीं, बहरीन के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने कहा कि ऐसे हमलों की शुरुआत अमेरिका ने की थी। इस्राइली मीडिया में आई इन खबरों को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि यूएई ने ईरान में पहला सैन्य हमला किया है।

सऊदी अरब में एक भारतीय समेत दो की मौत, 12 घायल

■ **एपी, दुबई:** सऊदी अरब के अल-खारज गवर्नरेट में रविवार को एक सैन्य प्रोजेक्टाइल रिहायशी इलाके में गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि 12 बांग्लादेशी निवासी घायल हो गए। सऊदी सिविल डिफेंस ने इस घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। घटना में आसपास की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। सऊदी सिविल डिफेंस ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में सोमवार को लोकसभा में बयान देंगे। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू होगा।

> जयशंकर आज पश्चिम एशिया की स्थिति पर लोकसभा में बयान देंगे

वॉर अपडेट

समुद्र से बाजार तक बढ़ा असर

अमेरिका-ईरान टकराव का असर समुद्र, खाड़ी देशों और वैश्विक बाजारों तक दिखाई दे रहा है। समुद्री हादसे और खाड़ी में फंसे लोगों की वापसी के बीच कई घटनाक्रम सामने आए हैं।

■ 52,000 भारतीय सुरक्षित लौटे

बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, एक हफ्ते में 52,000 भारतीयों को सुरक्षित देश वापस लाया गया है। वहीं, एयर इंडिया 10 से 18 मार्च के बीच 9 अंतरराष्ट्रीय रूटों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें चलाएगी।

■ IRIS डेना के 22 नाविक डिस्चार्ज

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त ईरानी नौसेना पोत 'IRIS डेना' के 22 नाविकों को श्रीलंका के गाले स्थित अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उधर, ईरान इंटरनैशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना के टॉरपीडो ने हमले से पहले आईरिस डेना को चेतावनी दी थी।

■ होर्मुज स्ट्रेट में हादसा, क्रू लापता

होर्मुज स्ट्रेट में संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाली टगबोट 'मुस्तफा-2' डूबने से इंडोनेशिया के तीन क्रू सदस्य लापता हो गए। जहाज में पहले धमाका हुआ, फिर आग लग गई। एक सदस्य बचा और ओमान के खासाब शहर के अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

■ सत्ता परिवर्तन के खिलाफ चीन

अमेरिका-इस्राइल के हमलों के बीच चीन ने ईरान में बाहरी हस्तक्षेप से सत्ता परिवर्तन की कोशिशों के खिलाफ चेताया। विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि ऐसी कोशिशों को जनता का समर्थन नहीं मिलेगा और इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी।

ट्रंप बोले- ईरान की सेना कमज़ोर हुई, जवाबी हमले की क्षमता घटी

■ एएफपी, वॉशिंगटन

ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि लगातार हवाई हमलों के बाद ईरान की सैन्य ताकत लगभग खत्म हो चुकी है। वहीं इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान बिना किसी समझौते के पूरी ताकत से जारी रहेगा। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त सैन्य अभियान ने ईरान की नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमताओं को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है।

> नेतन्याहू बोले- हमले पूरी ताकत से जारी रहेंगे

नेतन्याहू बोले- हमला जारी रहेगा: इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान पूरी ताकत से जारी रहेगा। इस्राइल के पास ईरान के शासन को कमजोर करने और बदलाव लाने के लिए अच्छी तरह तैयार योजना है। हमारा उद्देश्य ईरान को आजाद कराना है। कहा, अगर लेबनान की सरकार हिजबुल्लाह को हथियार छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करती तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

AFP

ट्रंप ने कुवैत में ड्रोन हमले में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

70 प्रतिशत रॉकेट लॉन्चर नष्ट: ट्रंप

- ट्रंप के दावे के मुताबिक, ईरान के करीब 70 प्रतिशत रॉकेट लॉन्चर नष्ट
- 44 नौसैनिक जहाज तबाह
- ईरान की वायुसेना लगभग खत्म
- मिसाइल लॉन्चिंग सिस्टम और उत्पादन क्षमता को भारी नुकसान
- ट्रंप ने कहा कि इन हमलों के बाद ईरान की जवाबी हमला करने की क्षमता काफी कम हो गई है।

नेतृत्व ढांचे पर भी असर

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि सैन्य कार्रवाई का असर ईरान के नेतृत्व पर भी पड़ा है।
- उन्होंने कहा कि पहले शीर्ष नेतृत्व को और फिर दूसरे स्तर के नेतृत्व को भी निशाना बनाया गया।
- ट्रंप ने कहा कि अब वहां ऐसे लोग नेतृत्व कर रहे हैं जिन्हें कोई जानता भी नहीं।
- उन्होंने यह नहीं बताया कि युद्ध कितने समय तक चलेगा। उनके अनुसार सैन्य कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक इसकी जरूरत होगी।
- ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिलहाल ईरान के साथ किसी समझौते की तलाश में नहीं है।

ईरान का ऐलान- देश की एक इंच ज़मीन पर भी कब्ज़ा नहीं करने देंगे

■ आईएएनएस, तेहरान

अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दबाव के कारण ईरान ने पश्चिम एशिया के अपने पड़ोसी देशों से माफी मांगी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने साफ कहा कि उनका देश किसी भी हमले के सामने झुकेगा नहीं और अपनी जमीन का एक इंच भी कब्जा नहीं होने देगा। सरकारी मीडिया के अनुसार पेजेशकियान ने अस्पताल में घायल नागरिकों से मुलाकात के बाद कहा कि ईरान अपने ऊपर हमला करने वालों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और पूरी ताकत से जवाब देगा।

> रिवॉल्यूशनरी गार्ड का दावा, छह महीने तक युद्ध लड़ने की क्षमता

उनके हालिया बयानों को दुश्मनों ने गलत तरीके से पेश किया है। ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान ने खाड़ी देशों पर किए गए हमलों के लिए उनसे माफी मांगी है और यह दबाव में झुकने का संकेत है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। वह सिर्फ पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब न होने देने की कोशिश थी।

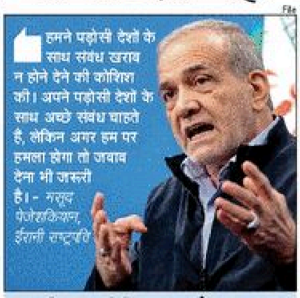

File

> हमने पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब न होने देने की कोशिश की। अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन अगर हम पर हमला होगा तो जवाब देना भी जरूरी है। - मसूद पेजेशकियान, ईरानी राष्ट्रपति

'सभी राजनीतिक दल हैं एकजुट'

- ईरानी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि देश के भीतर सभी राजनीतिक दल और गुट इस संघर्ष में एकजुट हैं।
- बोले, हम दुश्मनों को जमीन का एक इंच भी कब्जा नहीं करने देंगे और ताकत से उनका सामना करेंगे।
- हमलों का जवाब देना मजबूरी है, लेकिन मतलब यह नहीं है कि ईरान पड़ोसी देशों के साथ विवाद चाहता है।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा कि ईरान हमलों के सामने झुकने वाला नहीं है। जहां-जहां से ईरान पर हमले होंगे, वहां-वहां जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

छह महीने तक लड़ने का दावा

इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि ईरान की सेना लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है। अब तक 200 से ज्यादा अमेरिकी और इस्राइली ठिकानों पर हमले किए। मौजूदा रफ्तार से छह महीने तक युद्ध जारी रखने की क्षमता है। अब तक ज्यादातर पहली और दूसरी पीढ़ी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया। कहा कि युद्ध के अगले चरण में अधिक उन्नत और लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऐलान बाकी...

- ईरान की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने अगले सुप्रीम लीडर का चयन कर लिया है, अभी नाम की घोषणा नहीं की गई है।
- ट्रंप ने कहा है कि ईरान का अगला सुप्रीम लीडर उनकी मंजूरी के बिना ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा।

एयरपोर्ट पर हमले से पहुंचा था नुकसान, लेकिन जल्द ही संभल गई स्थिति

दुनिया जले तो जले, दुबई फिर भी है लोगों की पहली पसंद

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

युद्ध से पहले दुबई को पश्चिम एशिया के अशांत माहौल के बीच शांति के एक टापू के रूप में देखा जाता था। यह शहर दुनिया भर के अमीरों, निवेशकों और पेशेवरों की पसंद रहा है। लोग यहां रहने, काम करने और कारोबार बढ़ाने के लिए आते थे। शॉपिंग, लग्जरी लाइफस्टाइल और पर्यटन के कारण भी दुबई की खास पहचान बनी। साथ ही यह एक बड़ा वैश्विक ट्रांसपोर्ट हब है, जो पूर्व और पश्चिम को जोड़ता है। आर्थिक ताकत के दम पर दुबई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की होड़ में भी शामिल हो चुका है। लंबे समय तक क्षेत्रीय संघर्षों की आंच इस शहर तक नहीं पहुंची। अक्टूबर 2023 में हमास के इस्राइल पर हमले और बाद में ईरान-इस्राइल के 12 दिनों के संघर्ष के दौरान भी यहां सामान्य स्थिति बनी रही थी। हालांकि 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान से जुड़े युद्ध ने इस धारणा को झटका दिया। इस दौरान दुबई के कुछ अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। फेयरमॉन्ट होटल पर हमला हुआ और एमेजॉन वेब सर्विसेज (AWS) के एक डेटा सेंटर में आग लगने की घटना सामने आई। दुबई एयरपोर्ट, जो शहर के पर्यटन और व्यापार का बड़ा आधार है, वहां भी असर पड़ा और कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इसके अलावा दुबई के महत्वपूर्ण जेबेल अली पोर्ट पर भी कुछ समय के लिए कामकाज रोकना पड़ा।

> ड्रोनों की जद में दुबई के डेटा सेंटर, होटल आए

File

दुबई में मिसाइल इंटरसेप्शन के दौरान मलबा गिरा, पाक नागरिक की मौत हुई।

दुबई की तेज तरक्की और चमक-दमक के कारण इस शहर से ईर्ष्या करने वालों की भी कमी नहीं है, खासकर उन लोगों में जो यहां कभी नहीं गए या जिन्होंने इसे केवल पर्यटकों की नजर से देखा है। ईरान की ओर से किए गए हमलों में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल हुआ, जिनकी जद में डेटा सेंटर, लग्जरी होटल और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास जैसे ठिकाने आए।

इन घटनाओं के बावजूद दुबई में हालात तेजी से सामान्य होते दिखे। युद्ध के पांचवें दिन तक शहर में ट्रैफिक और व्यावसायिक गतिविधियां फिर से बढ़ने लगीं। मॉल और रेस्टोरेंट पहले की तरह भरे हुए नजर आए। पावर स्टेशनों और समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले डिसेलिनेशन प्लांट्स पर भी कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। एयरपोर्ट को धीरे-धीरे व्यावसायिक उड़ानों के लिए आंशिक रूप से खोल दिया गया। हमलों में यूएई में तीन लोगों की मौत और करीब 100 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई। इसके बावजूद दुबई की आर्थिक रफ्तार धीमी पड़ती नहीं दिख रही।

AI पर बड़ा दांव लगा रहा दुबई

दुबई में करीब 40 लाख लोग रहते हैं। टेक्नॉलजी कंपनियों को भी अब दुबई पसंद आ रहा है। यहां कम से कम 18 डेटा सेंटर हैं। पश्चिम एशिया में डेटा सेंटर के क्षेत्र में जो निवेश प्रस्तावित है, उसमें दुबई की बदौलत ही आधे से अधिक यूएई में आने वाला है। यह देश AI पर बड़ा दांव लगा रहा है। उसने माइक्रोसॉफ्ट, ब्लैकरॉक के साथ 30 बिलियन डॉलर के निवेश के लिए पार्टनरशिप की है और OpenAI, Anthropic और xAI में हिस्सेदारी भी ली है।

युद्ध, क्रूड ऑयल से तय होगी बाज़ार की दिशा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पिछले हफ्ते करीब 3% गिरकर साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट झेलने वाले शेयर बाजार पर इस हफ्ते भी ईरान-अमेरिका युद्ध के हालात का असर रहेगा। क्रूड ऑयल की कीमतें साल की शुरुआत के 65-66 डॉलर से बढ़कर करीब 93 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई हैं। रुपये की कमजोरी के बीच विदेशी निवेशकों ने पिछले हफ्ते 21,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की। विशेषज्ञों का कहना है कि घबराहट में बिकवाली से बचें और लंबी अवधि के नजरिए के साथ अगले कुछ हफ्तों तक धैर्य बनाए रखें।

> निवेशकों की नजर अब युद्ध और महंगाई पर

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in